खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शनिवार, 04 अक्टूबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु.| वर्ष-7 | अंक-272

एनसीआरबी की हाथी चाल : 2025 के अंत में आई 2023 की रिपोर्ट

बच्चों के खिलाफ अपराध बढ़े, 17,000 लड़कियां अगवा हुईं

नई दिल्ली, 03 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार साल 2023 में बच्चों के खिलाफ अपराधों में पिछले वर्षों की तुलना में बड़ी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। 2022 की तुलना में 2023 में ऐसे मामलों में 9.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई और कुल 1,77,335 मामले सामने आए, जबकि 2022 में यह संख्या 1,62,449 और 2021 में 1,49,404 थी।

बाल विवाह के दर्ज मामलों की संख्या 2023 में पिछले वर्ष की तुलना में छह गुना बढ़ी है। इसमें अकेले असम में कुल मामलों का लगभग 90 प्रतिशत दर्ज किया गया है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एन-सीआरबी) के हालिया आंकड़ों में यह जानकारी सामने आई है। इसके मुताबिक, साल 2023 में 16,737 लड़कियों और 129 लड़कों को जबरन शादी के लिए अगवा किया गया। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि 2023 में इस अधिनियम के तहत 6,038 मामले दर्ज किए गए, जो कि 2022 में 1,002 मामलों और 2021 में 1,050 मामलों की तुलना में काफी अधिक हैं। इनमें असम ने 5,267 मामले दर्ज किए, इसके चलते यह राज्य सबसे अधिक मामलों वाला राज्य बना। इस सूची में अन्य अधिक संख्या वाले राज्यों में तमिलनाडु (174), कर्नाटक (145) और पश्चिम बंगाल (118) शामिल हैं। कई राज्य और केंद्रीय राज्य जैसे छत्तीसगढ़, नगालैंड, लद्दाख और लक्षद्वीप में इस दौरान कोई मामला दर्ज नहीं किया गया।

2005 की तुलना में बच्चों के खिलाफ अपराध का आंकड़ा करीब दस गुना ज्यादा है, जो स्थिति की गंभीरता को दर्शाता है। राज्यों के आंकड़ों पर नजर डालें तो मध्य प्रदेश में सबसे अधिक 22,393 मामले दर्ज हुए, इसके ठीक बाद महाराष्ट्र में 22,390 मामले सामने आए। उत्तर प्रदेश ने 18,852, राजस्थान ने 10,577 और असम ने 10,174 मामलों की रिपोर्ट की। यह आंकड़े साफ तौर पर दिखाते हैं कि बच्चों के खिलाफ अपराध लगातार बढ़ रहे हैं और कुछ राज्यों में स्थिति बेहद चिंताजनक है।

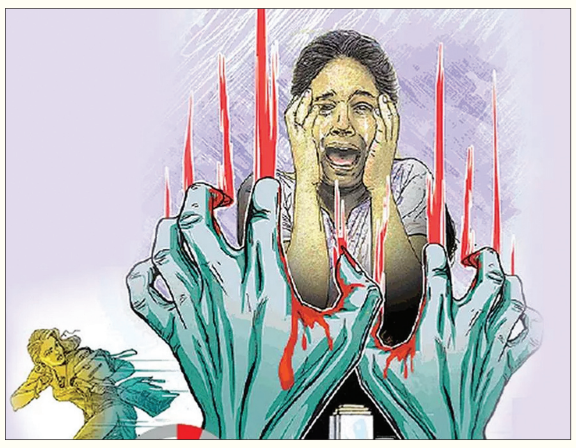

एक वर्ष में पॉक्सो के तहत दर्ज हुए 66 हजार मामले

जबरन बाल विवाह की घटनाओं में हुई बेतहाशा वृद्धि

साल 2023 में बच्चों के खिलाफ हत्या के प्रयास से जुड़े कुल 290 मामले दर्ज किए गए, जिनमें पीड़ितों की संख्या 337 रही। इस आधार पर अपराध दर 0.1 प्रति लाख आबादी रही। इसी तरह, उजागर करने और परित्याग से जुड़े मामलों की संख्या 653 रही, जिनमें 664 बच्चे पीड़ित बने। इन मामलों की भी अपराध दर 0.1 प्रति लाख आबादी दर्ज की गई। साल 2023 में बच्चों के अपहरण और किडनैपिंग से जुड़े कुल 79,884 मामले दर्ज किए गए, जिनमें 82,106 बच्चे पीड़ित बने। इन अपराधों की दर 18.0 प्रति लाख आबादी रही। ये सभी मामले भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 363, 363-, 364, 364-, 365, 366, 366-, 367, 368 और 369 के तहत दर्ज हुए।

राज्यवार आंकड़ों के अनुसार महाराष्ट्र इस सूची में सबसे आगे रहा, जहां 12,089 मामले और 12,971 पीड़ित सामने आए। इसके बाद मध्य प्रदेश में 9,833 मामले और 9,900 पीड़ित, ओडिशा में 5,905 मामले और 5,906 पीड़ित, राजस्थान में 4,441 मामले और 4,465 पीड़ित तथा कर्नाटक में 3,228 मामले और 3,292 पीड़ित दर्ज किए गए। एनसीआरबी के आंकड़े उन राज्यों को दर्शाते हैं जहां बाल अपहरण और व्यपहरण के सर्वाधिक मामले सामने आते हैं।

साल 2023 में बच्चों से जुड़े गंभीर अपराधों के आंकड़े भी सामने आए। बाल तस्करी के कुल 397 मामले दर्ज हुए, जिनमें 1,425 बच्चे पीड़ित थे। वहीं, बच्चों से बलात्कार के 849 मामले दर्ज किए गए, जिनमें 852 पीड़ित शामिल थे। अगर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के तहत दर्ज सभी अपराधों को देखें तो साल 2023 में बच्चों के खिलाफ कुल 98,399 मामले और 1,05,094 पीड़ित दर्ज किए गए। साल 2023 में बच्चों के खिलाफ अपराधों के मामले सबसे ज्यादा कुछ चुनिंदा राज्यों में दर्ज हुए। मध्य प्रदेश में सबसे अधिक 15,840 मामले दर्ज हुए और 16,546 बच्चे पीड़ित बने। इसके बाद महाराष्ट्र में 13,461 मामले और 14,473 पीड़ित, उत्तर प्रदेश में 10,089 मामले और 10,335 पीड़ित, बिहार में 7,018 मामले ▶10 पर

वायुसेना दिवस पर एयर चीफ मार्शल एपी सिंह का बेबाक बयान

ऑपरेशन सिंदूर में हमने गिराए पाकिस्तान के 10 विमान

नई दिल्ली, 03 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय वायुसेना के प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह ने पाकिस्तान के सफेद झूठ का पर्दाफाश करते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायुसेना के हवाई हमलों में पाकिस्तान के चार से पांच लड़ाकू विमान तबाह हुए। इनमें पाकिस्तान के अत्याधुनिक एफ-16 लड़ाकू विमान भी शामिल थे। 93वें वायुसेना दिवस पर बोलते हुए एयर चीफ मार्शल ने पाकिस्तान के दावों को मनोहर कहानियां बताया। वायुसेना प्रमुख ने कहा कि भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान के कई एयरबेस को निशाना बनाया और उनके रडार, कमांड सेंटर, हैंगर आदि को ध्वस्त किया। वायुसेना प्रमुख ने कहा, हमारे पास सबूत हैं कि पाकिस्तान का एक सी-130 श्रेणी का विमान, उसके कम से कम चार से पांच लड़ाकू विमान, जिनमें एफ-16 शामिल हैं और एसएएम सिस्टम को भी तबाह किया गया।

वायुसेना प्रमुख एपी सिंह ने कहा, हमारी सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों ने पाकिस्तान के लड़ाकू विमानों को उनके अपने क्षेत्र में भी उड़ने नहीं दिया था। यह इतिहास में दर्ज हुआ कि हमने पाकिस्तान में 300 किलोमीटर भीतर तक हमला किया। इसके चलते पाकिस्तान कोई हिमाकत नहीं कर सका। वायुसेना प्रमुख बोले, हम देख रहे हैं कि दुनिया में क्या हो रहा है। दो युद्ध चल रहे हैं और हाल-फिलहाल उनके खत्म होने की कोई चर्चा नहीं है, लेकिन हमने पाकिस्तान को उस स्थिति में पहुंचा दिया, जहां वह संघर्ष

हमने न तो अमेरिकी एफ-16 को बख्शा न चीनी जेएफ-17 को

विश्व के नक्शे में रहना है तो आतंकवाद रोकें: जनरल द्विवेदी

विराम के लिए गिड़गिड़ाए और हमले रोकने की मांग करे। हमने एक राष्ट्र के तौर पर फैसला करते हुए हमले रोके क्योंकि हम जो चाहते थे, हम वो कर चुके थे। मुझे लगता है कि ये कुछ ऐसा है, जो दुनिया को हमसे सीखना चाहिए।

ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान को हुए नुकसान की जानकारी देते हुए वायुसेना प्रमुख ने कहा कि जहां तक ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान को हुए नुकसान की बात है, हमने उनके कई एयरफील्ड और सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। हमारे हमलों के चलते उनके कम से कम चार रडार्स, दो कमांड और कंट्रोल सेंटर, दो जगहों पर रनवे, तीन अलग-अलग जगहों पर स्थित उनके हैंगर्स को नुकसान पहुंचाया। हमारे पास सबूत हैं कि उनका एक सी-130 श्रेणी का विमान, कम से कम चार से पांच लड़ाकू विमान, जिनमें एफ-16 शामिल हैं, इनके साथ ही एक एसएएम सिस्टम को भी तबाह किया गया। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने पाकिस्तान के एयरबेस के तीन हैंगर पर भी अटैक किया था, जिसमें उसके करीब 4 से 5 एयरक्राफ्ट तबाह हो गए। इसमें अमेरिका निर्मित एफ-16 और चीन निर्मित जेएफ-17 शामिल हैं।

एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने कहा कि जमीन पर 4 से 5 ऋ-16 लड़ाकू विमान नष्ट कर दिए गए क्योंकि भारत ने रडार सिस्टम, कमांड और नियंत्रण केंद्रों, रनवे और हैंगरों पर सटीक हमले किए। उन्होंने यह भी कहा कि लड़ाकू विमानों के अलावा जमीन पर ध्वस्त किए गए लक्ष्यों में चार जगहों पर रडार, दो जगहों पर कमांड और नियंत्रण केंद्र, दो रनवे, तीन हैंगर और एक सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल (ड-च्) प्रणाली शामिल है।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान रूस से खरीदे गए एस-400 सिस्टम ने अहम भूमिका निभाई थी और पाकिस्तान के हर हवाई हमले को नाकाम कर दिया था। जब इसे लेकर सवाल किया गया तो वायुसेना प्रमुख ने कहा कि जाहिर है, इसने अच्छा प्रदर्शन किया। इसलिए, ऐसे और अधिक सिस्टम की जरूरत है। ये कितनी संख्या में खरीदे जा सकते हैं, इसकी कोई सीमा नहीं है। यह एक अच्छी हथियार प्रणाली साबित हुई है। हमारी अपनी प्रणाली भी विकसित हो रही है, इसलिए हम इस पर हर तरह से विचार करेंगे।

उन्नत मध्यम लड़ाकू विमान (एएमसीए) के बारे में एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने कहा, जहां तक मैं समझता हूं, यह इसी दशक में उड़ान भरेगा। करीब 2028 में इसकी पहली उड़ान की योजना है और 2035 तक, इसे भारतीय वायु सेना में शामिल किया जाना है। मुझे व्यक्तिगत रूप से लगता है कि अगर हम वास्तव में चाहें, तो इसे समय-सीमा से पहले हासिल किया जा सकता है। यह संभव है। और जहां तक तकनीक का सवाल है, एएमसीए तकनीक हमारे दिमाग में बिल्कुल स्पष्ट है कि हमें क्या चाहिए और क्या जरूरी है ▶10 पर

पीओजेके में बर्बर अत्याचार पर भारत की तीखी प्रतिक्रिया

पाकिस्तान मानवाधिकार हनन का अपराधी

नई दिल्ली, 03 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) में पाकिस्तानी सेना द्वारा स्थानीय लोगों पर किए जा रहे बर्बर अत्याचार पर भारत सरकार ने कड़ी प्रतिक्रिया जताई है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने भारत सरकार की नाराजगी जताते हुए कहा है कि पाकिस्तान लगातार मानवाधिकारों का उल्लंघन करता जा रहा है और उस पर विश्व के देश चुप्पी साधे बैठे हैं। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तान को मानवाधिकार के बर्बर उल्लंघनों के लिए आपराधिक तौर पर जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तानी सेना के बर्बर अत्याचार के खिलाफ पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर में लगातार विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। पाकिस्तानी सेना स्थानीय लोगों का विरोध दबाने के लिए उन लोगों पर भीषण अत्याचार कर रही है। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, हम पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर के कई इलाकों में हो रहे विरोध प्रदर्शनों और निर्दोष नागरिकों पर पाकिस्तानी सेना की बर्बर कार्रवाइयों को देख रहे हैं। यह पाकिस्तान के दमनकारी रवैये और इन इलाकों से संसाधनों की व्यवस्थित लूट का स्वाभाविक परिणाम है। इस क्षेत्र के प्राकृतिक संसाधनों पर पाकिस्तान ने अवैध तरीके से जबरन कब्जा जमा रखा है। पाकिस्तान को उसके भयावह मानवाधिकार उल्लंघनों के लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।

पीओजेके पर पाकिस्तान का कब्जा गैरकानूनी है

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि पाकिस्तान का दमनकारी रवैया और अवैध कब्जा ही इन हालात की जड़ है। पीओके के कई इलाकों से विरोध प्रदर्शनों और आम नागरिकों पर पाकिस्तानी फौज की ज्यादती की जो लगातार खबरें आ रही हैं, यह सब पाकिस्तान की नीतियों का नतीजा है, जहां वह स्थानीय संसाधनों का शोषण करता है और जनता पर अत्याचार करता है। भारत सरकार ने स्पष्ट किया कि पाकिस्तान को इन गंभीर मानवाधिकार उल्लंघनों के लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। भारतीय विदेश मंत्रालय ने साफ-साफ कहा कि पीओजेके पर पाकिस्तान का कब्जा पूरी तरह जबरन और गैरकानूनी है और वहां लोगों की आवाज को दबाने की उसकी कोशिश दुनिया के सामने उजागर हो रही है। पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर में हो रहे प्रदर्शनों में पाकिस्तानी सेना के अत्याचार के कारण अब तक दर्जनों लोगों की मौत की खबर है। इसे भारत सरकार ने पाकिस्तान के दमनकारी रवैये और इन इलाकों के संसाधनों की संगठित लूट का स्वाभाविक नतीजा बताया है।

वहीं कनाडा के साथ सुरक्षा सहयोग को लेकर किए गए सवाल पर उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने 18 सितंबर को कनाडा की नेशनल सिक्योरिटी एंड इंटेलिजेंस एडवाइजर नथाली ड्रूइन से मुलाकात की। दोनों पक्षों ने आतंकवाद, अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध और खुफिया सहयोग जैसे मुद्दों पर चर्चा की। यह बैठक काफी सकारात्मक रही और सुरक्षा सहयोग को और मजबूत करने पर सहमति बनी। ▶10 पर

62 हजार करोड़ की युवा-केंद्रित योजनाएं शुरू होंगी आज

प्रधानमंत्री मोदी देंगे 5 लाख स्नातकों को भत्ता

नई दिल्ली, 03 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार 4 अक्टूबर को दिल्ली के विज्ञान भवन में युवाओं के विकास से जुड़ी कई महत्वपूर्ण योजनाओं की शुरुआत करेंगे। इन योजनाओं पर 62,000 करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च होंगे, जिससे देश भर में शिक्षा, कौशल (स्किल) और बिजनेस को मजबूती मिलेगी। इस मौके पर चौथा राष्ट्रीय कौशल दीक्षांत समारोह भी होगा। इसमें देशभर के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) के 46 टॉपर्स को सम्मानित किया जाएगा। प्रधानमंत्री 60,000 करोड़ रुपए की पीएम-सेतु योजना भी शुरू करेंगे। इस योजना से 1000 सरकारी आईटीआई को हब-एंड-स्पोक मॉडल पर अपग्रेड किया जाएगा। इसमें 200 हब और 800 स्पोक आईटीआई होंगे। हर हब आईटीआई करीब 4 स्पोक से जुड़ेगा। इन संस्थानों में आधुनिक सुविधाएं, डिजिटल पढ़ाई, नई तकनीकी ट्रेनिंग और इनक्यूबेशन सेंटर मिलेंगे। इन संस्थानों को बड़ी इंडस्ट्री पार्टनर्स चलाएंगी, ताकि युवाओं को बाजार की जरूरत के हिसाब से कौशल मिल सके। पहले चरण में पटना और दरभंगा के आईटीआई पर खास ध्यान दिया जाएगा। ▶10 पर

उड्डयन उद्योग के क्षेत्र में बड़ी साझेदारी की घोषणा

टाटा और एयरबस मिलकर बनाएंगे हेलीकॉप्टर

नई दिल्ली, 03 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत के निजी क्षेत्र में पहली बार हेलीकॉप्टर निर्माण का बड़ा कदम उठाया जा रहा है। टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड (टीएएसएल) कर्नाटक के वेमगल में एयरबस के साथ साझेदारी में एच125 हेलीकॉप्टर बनाने के लिए फाइनल असेंबली लाइन (एफएएल) स्थापित करेगी। यह परियोजना न सिर्फ भारत की नागरिक उड्डयन उद्योग (सिविल एविएशन इंडस्ट्री) को नई दिशा देगी बल्कि सशस्त्र सुरक्षा बलों की जरूरतों को भी पूरा करेगी। खासकर हिमालय की ऊंचाइयों पर तैनाती के लिए भारतीय सेना को हल्के, बहुउद्देश्यीय हेलीकॉप्टर की जरूरत लंबे समय से महसूस की जा रही थी।

सेना के लिए भी बनेंगे एच125एम हेलीकॉप्टर

टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स का कहना है कि कंपनी हेलीकॉप्टर के निर्माण से लेकर असेंबली, इंटीग्रेशन और अंतिम उड़ान परीक्षण तक की पूरी प्रक्रिया भारत में करेगी। पहले मेक इन इंडिया एच125 हेलीकॉप्टर की डिलीवरी 2027 की शुरुआत में होने की उम्मीद है। यह हेलीकॉप्टर आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं, आपदा राहत, पर्यटन, कानून-व्यवस्था और यात्री परिवहन जैसे क्षेत्रों में बड़ी भूमिका निभा सकता है।

एयरबस इंडिया एंड साउथ एशिया के अध्यक्ष जुर्गन वेस्टरमेयर ने कहा, भारत हेलीकॉप्टरों के लिए आदर्श देश है। मेक इन इंडिया हेलीकॉप्टर राष्ट्र-निर्माण में अहम योगदान देगा और दक्षिण एशिया में नए बाज़ार खोलेगा। टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स के एमडी और सीईओ सुकरन सिंह ने कहा, टाटा पहली निजी भारतीय कंपनी है जो हेलीकॉप्टर बनाएगी। यह हमारे लिए गर्व की बात है और इससे देश की सिविल और रक्षा आवश्यकताओं ▶10 पर

राहुल गांधी के भारत विरोधी बयान पर भाजपा का प्रहार

सत्ता छूटने की बदहवासी पीछा नहीं छोड़ रही: सुधांशु

नई दिल्ली, 03 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी का देशविरोधी रवैया और चरित्र बरकरार है। राहुल गांधी ने दक्षिण अमेरिका में भी भारत के खिलाफ अनर्गल बयानबाजी जारी रखी। राहुल गांधी ने विदेश की धरती पर कहा कि भारत में लोकतंत्र खतरे में है। राहुल गांधी की मानसिक विकलांगता और बदहवासी दूर होने का नाम ही नहीं ले रही है। राहुल गांधी की लगातार जारी भारत विरोधी हरकतों पर भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, पिछले 36 घंटे में देश ने दो प्रकार के दृश्य देखे हैं। एक विगत 100 वर्षों के देश के लिए निरंतर समर्पित राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक उत्थान के लिए अपना प्रतिपल समर्पित करने वाले विश्व के सबसे बड़े संगठन आरएसएस का शताब्दि वर्ष का पूर्ण होना और उस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा एक ऐसा सिक्का जारी होना जिसमें संभवतः पहली बार भारत के किसी मुद्रा पर मां भारती का चित्र है। इन्हीं 24 घंटे में देश ने दूसरा दृश्य देखा कि 140 वर्ष पुरानी पार्टी, 100 वर्ष से जिस पर एक ही परिवार का वर्चस्व है उस पार्टी के पतन और सत्ता छूटने की बदहवासी ने उनके खानदान के बरखुरदार ▶10 पर

गाजा युद्ध : हमास को ट्रंप शांति योजना मानने के लिए राजी करने में जुटा मिस्र

पेरिस, 03 अक्टूबर (एजेंसियां)।

मिस्र के विदेश मंत्री बद्र अब्देलाटी ने गुरुवार को कहा कि काहिरा, कतर और तुर्की के साथ मिलकर हमास को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की शांति योजना स्वीकार करने के लिए मनाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर हमास ने इस योजना को ठुकराया, तो संघर्ष और अधिक बढ़ जाएगा।

पेरिस स्थित फ्रेंच इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल रिलेशंस में बोलते हुए अब्देलाटी ने कहा, हमें किसी भी पक्ष को यह बहाना नहीं देना चाहिए कि वे हमास को गाजा में नागरिकों की बर्बर हत्याओं का आधार बनाएं। यह सिर्फ 07 अक्टूबर की घटना तक सीमित नहीं है। अब यह बदले से आगे निकलकर जातीय सफाए और नरसंहार का रूप ले चुका है। अब बहुत हो चुका।

उन्होंने कहा कि स्पष्ट है, हमास को हथियार डालने होंगे और इजराइल को कोई ऐसा बहाना नहीं मिलना चाहिए जिससे वह अपना आक्रामक अभियान जारी रखे।

फिलिस्तीनी स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, इजराइल की कार्रवाई में अब तक गाजा में 66,000 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं।

व्हाइट हाउस ने इस हफ्ते की शुरुआत में 20 सूत्रीय प्रस्ताव पेश किया था, जिसमें तत्काल युद्धविराम, हमास द्वारा बंधकों की रिहाई के बदले इजराइल में कैद फिलिस्तीनियों की अदला-बदली, गाजा से चरणबद्ध इजराइली वापसी, हमास का निरस्त्रीकरण और अंतरराष्ट्रीय निकाय द्वारा संचालित एक संक्रमणकालीन सरकार का प्रावधान शामिल है। ट्रंप ने मंगलवार को हमास को इस योजना को मानने के लिए तीन से चार दिन का समय दिया है।

अब्देलाटी ने कहा कि मिस्र इस योजना को व्यवहारिक बनाने की कोशिश कर रहा है, लेकिन इसके लिए और बातचीत की जरूरत है। उन्होंने कहा, इसमें अभी कई खामियां हैं, विशेषकर शासन और सुरक्षा व्यवस्था के मुद्दों पर। हम ट्रंप योजना और युद्ध समाप्त करने की उनकी दृष्टि का समर्थन करते हैं, लेकिन इसे लागू करने पर और बातचीत जरूरी है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि मिस्र फिलिस्तीनियों के जबरन विस्थापन को कभी स्वीकार नहीं करेगा। विस्थापन का मतलब फिलिस्तीनी मुद्दे का अंत है। हम इसे किसी भी परिस्थिति में होने नहीं देंगे।

न्यूज ब्रीफ

भाषा आंदोलन कार्यकर्ता और रविंद्र अध्ययन के प्रतिष्ठित शोधकर्ता अहमद रफीक का 94 साल की उम्र में निधन

ढाका। भाषा आंदोलन कार्यकर्ता, कवि, निबंधकार और प्रतिष्ठित रवींद्र शोधकर्ता अहमद रफीक का 94 साल

की उम्र में गुरुवार देर रात निधन हो गया। उन्होंने ढाका के बर्डेम जनरल अस्पताल के आईसीयू में इलाज के दौरान अंतिम सांस ली।वृद्धावस्था जनित बीमारियों से जूझ रहे अहमद रफीक को बुधवार दोपहर आईसीयू में लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर रखा गया था। प्रमुख मीडिया समूह प्रोथोम आलो के मुताबिक 12 सितंबर, 1929 को शाहबाजपुर, ब्राह्मणबरिया में पैदा हुए रफीक ने 1952 के भाषा आंदोलन में भाग लिया और विभिन्न विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के छात्रों के बीच इस आंदोलन के प्रमुख आंदोलनकारी बनकर उभरे। वह ढाका मेडिकल कॉलेज के एकमात्र छात्र थे जिनके खिलाफ 1954 में गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था। रफीक ने अपना लंबा जीवन लेखन, शोध और सांस्कृतिक गतिविधियों को समर्पित कर दिया था। 1958 में उन्होंने अपनी पहली पुस्तक शिल्पो सोंगस्कृति जीबोन (कला, संस्कृति और जीवन) प्रकाशित की। एकुशे पदक और बांग्ला अकादमी साहित्य पुरस्कार से सम्मानित रफीक ने सौ से अधिक पुस्तकों का लेखन और संपादन किया। रवींद्र अध्ययन में उनके योगदान को व्यापक रूप से मान्यता मिली और कोलकाता स्थित टैगोर शोध संस्थान ने उन्हें रवींद्र-तथोचारजो की उपाधि प्रदान की ।

अब रुस के अंदर घुसकर तेल रिफाइनरी, पावर प्लांट पर हमले करेगा यूक्रेन!

वाशिंगटन। अमेरिका ने रूस-यूक्रेन युद्ध को नए मोड़ पर ले जाने वाला बड़ा कदम उठाया। कभी शांति वार्ता की बात करने वाले अमेरिका ने अब यूक्रेन को हर वह चीज देगा, जिससे उसे रूस से लड़ने में मदद मिलेगी। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका अब यूक्रेन को रूस के अंदर स्थित ऊर्जा ढांचों—जैसे तेल रिफाइनरी, पाइपलाइन और पावर प्लांट को निशाना बनाने के लिए खुफिया जानकारी उपलब्ध कराएगा। यह पहली बार है जब वॉशिंगटन ने यूक्रेन को रूस के अंदर हमला करने में सहायता देने का फैसला किया है। खुफिया जानकारी के साथ यूक्रेन को टॉमहॉक मिसाइलें भी देगा अमेरिका इसका उद्देश्य रूस की ऊर्जा से कमाई को कमजोर करना है, जो युद्ध को जारी रखने का सबसे बड़ा आर्थिक स्रोत है। यह फैसला ट्रंप की ओर से रूस के खिलाफ हालिया सख्त रुख अपनाने के बाद सामने आया है। ट्रंप ने कुछ ही दिन पहले सोशल मीडिया पर लिखा था कि आर्थिक दबाव के चलते रूस मुश्किल में है और यूक्रेन यूरोपीय संघ के सहयोग से अपनी सभी जमीनें वापस ले सकता है।

दुनिया के पहले सबसे अमीर बने एलन मस्क, संपत्ति 500 अरब डॉलर तक पहुंची

वॉशिंगटन। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क 500 अरब डॉलर की नेट वर्थ का आंकड़ा छूने वाले दुनिया के पहले

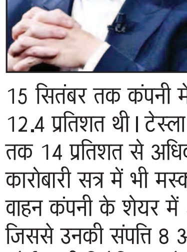

व्यक्ति बन गए हैं। उनकी संपत्ति में बढ़त की वजह टेस्ला और स्वामित्व वाली अन्य कंपनियों के वैल्यूएशन में इजाफा होना है। मस्क की संपत्ति सीधे तौर पर टेस्ला के शेयर से जुड़ी हुई है। 15 सितंबर तक कंपनी में उनकी हिस्सेदारी करीब 12.4 प्रतिशत थी। टेस्ला के शेयरों में 2025 में अब तक 14 प्रतिशत से अधिक चढ़ चुके हैं। आखिरी कारोबारी सत्र में भी मस्क के नेतृत्व वाली इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी के शेयर में 3.5 प्रतिशत का इजाफा हुआ, जिससे उनकी संपत्ति 8 अरब डॉलर से अधिक बढ़ी। फोर्ब्स की बिलेनियर इंडेक्स के मुताबिक, मस्क की संपत्ति बुधवार को शाम 4:15 पर (अमेरिकी समय के अनुसार) 500.1 अरब डॉलर थी। हालांकि, शेयरों की कीमत में उतार-चढ़ाव के चलते फिलहाल उनकी संपत्ति 499.1 अरब डॉलर हो गई है। फोर्ब्स की बिलेनियर इंडेक्स में मस्क के बाद लैरी एलिसन का नाम आता है और उनकी संपत्ति करीब 350 अरब डॉलर डॉलर है, जो कि मस्क से करीब 150 अरब डॉलर कम है। टेस्ला के शेयर में तेजी की वजह, व्हाइट हाउस के कार्यों में समय बिताने के बाद मस्क की ओर से कंपनी पर फिर से फोकस करना है। बीते महीने टेस्ला बोर्ड के अध्यक्ष रोबिन डेनहोम ने कहा था कि व्हाइट हाउस को महीनों देने के बाद मस्क फिर से टेस्ला को पूरा समय दे रहे हैं। इसके कुछ समय बाद मस्क ने टेस्ला के एक अरब डॉलर के शेयर खरीदने का ऐलान किया था, जिससे निवेशकों का विश्वास फिर से कंपनी पर और बढ़ा।

ढोंगी पाकिस्तान को बलूचिस्तान और पीओके को लेकर खुद के गिरेबान में झांकने की है जरूरत

जिनेवा,03 अक्टूबर (एजेंसियां)।

बीते कुछ वक्त से एक ओर बलूचिस्तान और पीओके की आम-जनता पाकिस्तान के खिलाफ जबरदस्त विरोध-प्रदर्शन कर रही है। तो दूसरी ओर पाकिस्तान है कि उसे अपने घर के अंदर झांकने की फुर्सत ही नहीं है। बल्कि वो दूसरों को मानवाधिकार के मामले में उपदेश देने की कोशिश कर रहा है। ताजा मामला जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) के 60 वें सत्र की 34वीं बैठक से जुड़ा हुआ है। जिसमें पाकिस्तान ने एक बार फिर से भारत को उपदेश देने की कोशिश की। लेकिन भारतीय राजदूत मोहम्मद हुसैन ने बड़े ही कड़े अंदाज में ऐसे अपने देश का पक्ष रखा कि जिससे पड़ोसी दुश्मन देश की बोलती बंद हो गई। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि अल्पसंख्यकों के मामले में अपने खुद के खराब रिकॉर्ड के बावजूद पाकिस्तान जैसा देश दूसरे देशों को कैसे उपदेश दे सकता है दूसरों के बारे में किसी भी तरह का गलत-भ्रामक प्रचार करने से पहले पाकिस्तान को अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न के मामले में अपनी स्थिति को जांचना-परखना चाहिए। बताते चलें कि परिषद की इस बैठक में मौजूद अन्य लोगों ने भी पाकिस्तान को मामले पर उसकी हकीकत दिखाई और जरूरी टिप्पणी भी की। हुसैन का ये जवाब पाकिस्तान द्वारा संयुक्त राष्ट्र से जुड़े हुए अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत के खिलाफ लगातार किए जा रहे दुष्प्रचार से उसकी छवि खराब करने की कोशिशों पर तुरंत नकेल कसने के लिए दिया गया था। जिसमें उन्होंने कहा कि यह सब कुछ ऐसे समय में और अधिक हास्यास्पद लगता है। जब मानवाधिकार और अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न के मामले में पड़ोसी दुश्मन देश के खुद के हालात ठीक नहीं हैं और वह दूसरों को उपदेश देने में लगा हुआ है। बैठक में मौजूद भू-राजनीतिक शोधकर्ता जोश बोज ने बलूचिस्तान में हो रहे मानवाधिकारों के उल्लंघन के मामले को उठाया और कहा कि भारत की लगातार की जाने वाली आलोचना के बीच पाकिस्तान अपने बेहद संवेदनशील समुदाय की आवाज को दबाने में लगा हुआ है। जबकि इनके प्रति उसकी नैतिक जिम्मेदारी बनती है। अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर अमेरिकी आयोग (यूएससीआईआरएफ) की 2025 की रिपोर्ट का जिक्र करते हुए कहा कि इसके मुताबिक, पाकिस्तान में ईशनिंदा के मामले लगातार बढ़ रहे हैं।

पाक सरकार और सेना लोगों की दबा रही आवाज, ढा रही जुल्मः मीर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में प्रदर्शन लगातार जारी है और इस दौरान हुई हिंसा में कम से कम तीन पुलिसकर्मियों की मौत हो गई और कई घायल हुए हैं। वही पुलिस ने गोलियां चलाई जिस कारण 10 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। बुधवार रात भी प्रदर्शन जारी रहा। जम्मू-कश्मीर संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी ने अपनी लंबित मांगों को लेकर इस हड़ताल का आह्वान किया था। हड़ताल के दौरान विरोधी समूहों ने एक साथ प्रदर्शन किए और एक-दूसरे पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान हिंसा भड़काने का आरोप लगाया। इन विरोध प्रदर्शनों के दौरान हिंसक झड़प में तीन पुलिसकर्मियों की जान चली गई और कई घायल हो गए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आवामी एक्शन कमेटी के वरिष्ठ नेता शौकत नवाज मीर ने इस बार इस्लामाबाद और पाक सेना पर सीधा वार किया है। मीर ने कहा कि पाकिस्तान सरकार और सेना लोगों की आवाज दबा रही है और जुल्म ढा रही है। मीर का कहना है कि सत्ता में बैठे लोग केवल अमीरों और खास वर्ग को फायदा पहुंचा रहे हैं, जबकि आम कश्मीरी लगातार दबाव और दमन झेल रहा है। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि हाल ही में पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने पहलगाम आतंकी हमले से पहले हिंदुओं को 'काफिर' कहा था। मीर ने इस बयान को पाकिस्तान की ढोंगभरी सोच का सबूत बताया। पीओके में प्रदर्शन जारी, हिंसा तीन पुलिसकर्मियों की मौत, कई घायल जम्मू और कश्मीर जॉइंट आवामी एक्शन कमेटी की अगुवाई में पिछले कुछ हफ्तों से विरोध-प्रदर्शन तेज हो गए हैं। प्रदर्शनकारियों की मुख्य मांग है कि भ्रष्टाचार पर लगाम और सेना की ज्यादतियों का अंत। इस संगठन ने सरकार को 38 सूत्री मांगपत्र भी सौंपा है, जिसमें नेताओं और अफसरों की विशेष सुविधाएं खत्म करने की बात कही गई है। लोगों की आवाज को दबाने पीओके प्रशासन ने अनिश्चितकालीन लॉकडाउन लगा दिया है। मोबाइल और इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई हैं। हालात तनावपूर्ण हैं कि सुरक्षा बलों पर शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाने के आरोप लगे हैं। इससे जनता का गुस्सा और भड़क गया है।

अमेरिकी टैरिफ के मुद्दे पर पुतिन ने की मोदी के नेतृत्व की तारीफ, भारत-रूस व्यापार असंतुलन कम करने पर बल

सोची (रूस),03 अक्टूबर (एजेंसियां)।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि रूस-भारत हमेशा एक-दूसरे की संवेदनशीलता को ध्यान रखते आए हैं।दोनों देशों के बीच कभी कोई समस्या या किसी तरह का तनाव नहीं रहा।उन्होंने अपनी सरकार को भारत के साथ व्यापार असंतुलन कम करने के लिए जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिए हैं।उन्होंने अमेरिकी दबावों के बावजूद भारत के रूस से तेल खरीद जारी रखने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की तारीफ की।

रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने दिसंबर में प्रस्तावित अपने भारत दौरे से पहले महत्वपूर्ण बयान दिया है। गुरुवार शाम दक्षिण रूस के सोची स्थित काला सागर रिसॉर्ट में भारत सहित 140 देशों के सुरक्षा और भू-राजनीतिक विशेषज्ञों के वलदाई डिस्कशन क्लब के पूर्ण अधिवेशन में रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि रूस और भारत के बीच व्यापार असंतुलन कम करने की जरूरत है।उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व शैली की सराहना करते हुए कहा कि भारत ने अमेरिकी दबावों के बीच रूस से तेल आयात जारी रखकर अपनी संप्रभुता को मजबूत किया है।

रूसी समाचार एजेंसी तास के मुताबिक राष्ट्रपति पुतिन ने रूस और भारत के बीच आर्थिक सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा करते हुए कहा कि दोनों देशों को सभी उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाने के लिए कुछ निश्चित दिशा में काम करने की जरूरत है। पुतिन ने कहा कि दोनों देशों के बीच लगभग 63 अरब डॉलर का व्यापार है जबकि बेलारूस में यह 50 अरब डॉलर है। साफ है कि यह दोनों देशों के संभावित अवसरों के अनुरूप नहीं है। हमें अपने अवसरों का लाभ उठाने के लिए सभी प्रकार की बाधाओं को हल करने की आवश्यकता है।

रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि रूस, भारत से और अधिक कृषि उत्पाद और दवाइयाँ खरीद सकता है।भारत से और अधिक कृषि उत्पाद खरीदे जा सकते हैं। औषधीय उत्पादों और फार्मास्यूटिकल्स के क्षेत्र में हमारी ओर से कुछ कदम उठाए जा सकते हैं। उन्होंने रूसी सरकार को भारतीय समकक्षों को सहयोग के सबसे बेहतर क्षेत्रों और व्यापार व अन्य क्षेत्रों में असंतुलन को कम करने के तरीकों पर विचार करने का निर्देश दिया है।

तालिबान के जरिए पाकिस्तान को घेरने की तैयारी

काबुल । अफगानिस्तान के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी अगले हफ्ते भारत दौरे पर नई दिल्ली आएंगे। तालिबान के सत्ता में आने के बाद अफगानिस्तान के किसी नेता की यह पहली आधिकारिक भारत यात्रा होगी। अमीर खान मुत्तकी 9 अक्तूबर को नई दिल्ली आएंगे। उनका ये दौरा 16 अक्तूबर तक चलेगा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मुत्तकी पिछले महीने नई दिल्ली आने वाले थे, लेकिन संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के प्रतिबंधों के तहत उन पर लगे यात्रा प्रतिबंध के कारण उनकी यात्रा रद्द कर दी गई थी। सुरक्षा परिषद ने 30 सितंबर को दी यात्रा की मंजूरी अब संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने अब अफगानिस्तान के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी की भारत यात्रा की मंजूरी दे दी है। सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 1988 (2011) के तहत तालिबान से जुड़े कुछ लोगों पर यात्रा प्रतिबंध लागू हैं। हालांकि, परिषद के पास आधिकारिक कर्तव्यों या चिकित्सा कारणों से तालिबानी नेताओं को यात्रा प्रतिबंध में छूट देने का अधिकार है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने एक बयान में बताया कि 30 सितंबर 2025 को सुरक्षा परिषद समिति ने अमीर खान मुत्तकी की नई दिल्ली यात्रा की मंजूरी दी। अफगानी मीडिया ने बताया कि मुत्तकी 6 अक्तूबर को मॉस्को फॉर्मेट वार्ता के सातवें दौर में भाग लेने के लिए पहले मॉस्को जाएंगे। इसके बाद वे भारत आएंगे।

इजरायल ने कहा-तत्काल खाली कर दें गाजा, जो रहेंगे उन्हे आतंकी मानेंगे

गाजा,03 अक्टूबर (एजेंसियां)।

इजरायल ने चेतावनी देते हुए साफ कहा कि गाजा पट्टी को तत्काल खाली कर दें। जो लोग यहां रहेंगे वे आतंकी माने जाएंगे। इस चेतावनी से स्पष्ट हो गया है कि गाजा में हमले बढ़ेंगे और वहां रहने वाले लोगों की जान को खतरा हो सकता है। यह चेतावनी उस वक्त आई जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रस्ताव पर हमास का कोई जवाब नहीं आया। उधर ट्रंप ने चेताते हुए कहा था कि अंजाम बुरा हो सकता है। फिलिस्तीनियों को गाजा शहर छोड़ने का आदेश देते हुए कहा कि यह उनके लिए 'अंतिम अवसर' है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि जो लोग शहर में रुकेंगे, उन्हें आतंकवादियों का समर्थक माना जाएगा और उन्हें इजरायल के ताजा हमलों का सामना करना पड़ेगा। इस बीच गाजा के स्थानीय अस्पतालों ने जानकारी दी है कि इजरायल द्वारा बुधवार को किए गए हमलों में कम से कम 16 फिलिस्तीनी मारे गए।

ये घटनाक्रम ऐसे समय हुए हैं जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हमास द्वारा सात अक्टूबर 2023 को इजरायल में किये गए हमले के बाद शुरू युद्ध को समाप्त कराने के लिए 20 सूत्र नया प्रस्ताव पेश किया है और फिलिस्तीनी चरमपंथी संगठन उस पर विचार कर रहा है। पिछले महीने इजरायल द्वारा गाजा पर कब्जा करने के लिए शुरू किए गए बड़े हमले के बाद से लगभग चार लाख फिलिस्तीनी गाजा शहर से पलायन कर चुके हैं। लेकिन हजारों लोग अब भी वहां हैं, जिनमें से कई इतने कमजोर हैं कि दक्षिणी हिस्से में स्थित शिविरों तक नहीं जा सकते।

इजरायली रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, यह उन गाजा निवासियों के लिए अंतिम अवसर है जो दक्षिण की ओर जाना चाहते हैं और हमास आतंकवादियों को गाजा शहर में अलग-थलग छोड़ना चाहते हैं। जो लोग गाजा में रहेंगे उन्हें आतंकवादी और आतंकवाद समर्थक माना जाएगा। अधिकारियों के मुताबिक, इजरायली हमले में मारे गए लोगों में वे भी शामिल हैं, जिन्होंने गाजा शहर में विस्थापितों के लिए बने एक केंद्र में थे।

चीन नहीं खरीद रहा अमेरिका से सोयाबीन, ट्रंप टेंशन में अब करेंगे जिनपिंग से मुलाकात

वाशिंगटन,03 अक्टूबर (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से जल्द मुलाकात करने वाले हैं। दरअसल अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते कारोबारी तनाव के बीच ट्रंप ने बुधवार को कहा कि वे अगले चार हफ्तों में जिनपिंग से मुलाकात करेंगे। इस बैठक में सोयाबीन पर खास चर्चा हो सकती है। अमेरिका-चीन के बीच हाल के महीनों में टैरिफ वॉर तेज हुआ है। वॉशिंगटन ने चीनी माल पर 145फीसदी तक आयात शुल्क बढ़ाया था, जिसके बाद बीजिंग ने भी काउंटर-टैरिफ और एक्सपोर्ट कंट्रोल लगाकर जवाब दिया। मई में दोनों देशों के बीच हुई बातचीत के बाद हालात कुछ सुधरे थे और अमेरिका ने अधिकतर शुल्क घटाकर 30फीसदी कर दिए थे। फिलहाल अमेरिकी टैरिफ 55फीसदी के आसपास है।

वहीं अब डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि चीन के अमेरिकी सोयाबीन नहीं खरीदने से अमेरिकी किसानों को बड़ा नुकसान हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि चीन इस कदम का इस्तेमाल बातचीत में दबाव बनाने के लिए कर रहा है। ट्रंप ने लिखा हमारे देश के सोयाबीन किसानों को नुकसान हो रहा है क्योंकि चीन सिर्फ मोलभाव के लिए उनकी फसलें नहीं खरीद रहा। उन्होंने कहा कि टैरिफ से इकट्ठा हुई रकम का कुछ हिस्सा किसानों को नुकसान की भरपाई के लिए दिया जाएगा।

ट्रंप ने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन पर भी निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने उस व्यापार समझौते को लागू नहीं किया, जिसमें चीन को अरबों डॉलर के अमेरिकी कृषि उत्पाद खरीदने थे। ट्रंप ने भरोसा दिलाया कि जिनपिंग के साथ होने वाली बैठक में सोयाबीन और अन्य फसलों पर बातचीत होगी और किसानों को चिंता करने की जरूरत नहीं। उन्होंने कहा कि सब कुछ ठीक हो जाएगा, मैं अपने किसानों को कभी निराश नहीं करूंगा।

डेल्टा एयरलाइन के विमान आपस में टकराए, एक का पंख तो दूसरे की नोज टूटी

वाशिंगटन। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में बुधवार रात ला गार्डिया एयरपोर्ट पर डेल्टा एयरलाइंस की दो फ्लाइट्स आपस में टकरा गईं। रिपोर्ट्स के मुताबिक एक डेल्टा रीजनल जेट गेट की ओर बढ़ रहा था, जबकि उसी समय दूसरी डेल्टा फ्लाइट लैंडिंग के बाद गेट की तरफ आ रही थी। इसी दौरान दोनों के रास्ते टकरा गए और अचानक रीजनल जेट का पंख दूसरी फ्लाइट की नोज से जा टकराया। टक्कर से रीजनल जेट का पंख टूटकर गिर गया। यात्रियों में मचा हड़कंप, सोशल मीडिया पर हादसे की तस्वीरें वायरल एटीसी के ऑडियो के हवाले से कहा गया है कि पायलट्स ने स्थिति को तुरंत रिपोर्ट किया, लेकिन तब तक हादसा हो चुका था। इस टक्कर के बाद यात्रियों में दहशत फैल गई। यात्रियों को अचानक जोर का झटका लगा और लोग डर के मारे उठ खड़े हो गए। हालांकि, राहत की बात यह रही कि बड़ा नुकसान नहीं हुआ। एक यात्री के घायल होने की खबर है। सोशल मीडिया पर इसकी तस्वीरें वायरल हो रहा है। फोटो में साफ दिख रहा है कि एक विमान का पूरा पंख गायब है, जबकि दूसरी फ्लाइट का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जिस विमान ने टक्कर मारी है उस पर नंबर 15480 साफ नजर आ रहा है।

देश में सामाजिक सुरक्षा हो रहा मज़बूत : मांडविया

नई दिल्ली, 03 अक्टूबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि देश में व्यापक नीति, प्रक्रिया और डिजिटल सुधारों के माध्यम से सामाजिक सुरक्षा को मज़बूत बनाया जा रहा है।

भारत को 'सामाजिक सुरक्षा में उत्कृष्ट उपलब्धि' के लिए अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संघ (आईएसएसए) पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया गया। डॉ. मांडविया ने मलेशिया के कुआलालंपुर में आईएसएसए विश्व सामाजिक सुरक्षा मंच पर पुरस्कार प्राप्त करने के बाद शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अंत्योदय के दृष्टिकोण से प्रेरित होकर, भारत समावेशी और सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा की ओर बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि सामाजिक सुरक्षा कवरेज 2015 में 19 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 64.3 प्रतिशत होने और 940 मिलियन से अधिक नागरिकों तक पहुंच के लिए अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन द्वारा मान्यता दिए जाने पर भारत को 'सामाजिक सुरक्षा में उत्कृष्ट उपलब्धि' के लिए अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संघ (आईएसएसए) पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया गया है। सामाजिक सुरक्षा कवरेज में वृद्धि के बाद, भारत ने आईएसएसए महासभा में 30 सीटों के साथ सर्वोच्च वोट शेयर हासिल किया है।

डॉ. मांडविया ने कहा, यह पुरस्कार श्री मोदी के दृष्टिकोण और अंत्योदय के हमारे मार्गदर्शक सिद्धांत का प्रमाण है, जो पंक्ति में अंतिम व्यक्ति को सशक्त बनाता है, जिसने समावेशी और सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा की दिशा में हमारी यात्रा को आकार दिया है।

केंद्रीय मंत्री ने ई-श्रम पोर्टल का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए सामाजिक सुरक्षा लाभों के वितरण के लिए भारत में व्यापक डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना की स्थापना पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा, ई-श्रम पोर्टल एक राष्ट्रीय डिजिटल डेटाबेस है जो एक बहुभाषी, निर्बाध इंटरफ़ेस के माध्यम से 31 करोड़ से अधिक असंगठित श्रमिकों को सामाजिक कल्याण योजनाओं से जोड़ने वाले वन-स्टॉप सोल्यूशन के रूप में कार्य करता है।

उन्होंने राष्ट्रीय करियर सेवा (एनसीएस) पोर्टल का भी उल्लेख किया, जो नौकरी चाहने वालों और नियोक्ताओं को एक साझा मंच पर लाने के लिए मज़बूत डिजिटल उपकरणों से लैस है। उन्होंने कहा, आज, एनसीएस के पास कुशल कार्यबल का एक प्रमाणित डेटाबेस है, जो दुनिया भर के नियोक्ताओं के लिए आसानी से उपलब्ध है और ई-श्रम के साथ एकीकृत है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय करियर सेवा (एनसीएस) पोर्टल हमारे कुशल युवाओं की सामाजिक सुरक्षा लाभों के साथ वैश्विक अवसरों तक पहुंच सुनिश्चित करता है।

डॉ. मनसुख मांडविया ने तकनीकी और श्रम बाजार में बदलावों के साथ सामाजिक सुरक्षा की उभरती भूमिका उल्लेख करते हुए कहा कि हम व्यापक नीति, प्रक्रिया और डिजिटल सुधारों के माध्यम से अपनी सामाजिक सुरक्षा को मज़बूत बना रहे हैं। भारत वित्तीय पहुंच, कौशल विकास, स्व-रोज़गार और डिजिटल नवाचार को मिलाकर एक समग्र दृष्टिकोण के माध्यम से आय के नए अवसरों और सामाजिक सुरक्षा के लिए तकनीक का लाभ उठा रहा है। उन्होंने कहा, भारत भविष्य को आकार देने और दुनिया के युवाओं को प्रेरित करने के लिए अपनी अग्रणी भूमिका निभाने के लिए तैयार है।

कश्मीर में रेल ने रचा एक और नया इतिहास

पहली मालगाड़ी से कश्मीर पहुंची 116 मारुति कारें

जम्मू, 03 अक्टूबर (ब्यूरो)।

जम्मू कश्मीर में भारतीय रेल ने एक और इतिहास रचा। भारतीय रेल की ऑटोमोबाइल ढोने वाली मालगाड़ी की पहली रैक कल अनंतनाग गुड्स शेड पहुंची। उत्तर रेलवे ने शुक्रवार को कश्मीर घाटी के लिए अपनी पहली ऑटोमोबाइल रैक भेजी, जिसमें हरियाणा के मानेसर से 116 मारुति सुजुकी गाड़ियां भेजी गई।

यह विशेष रेक मारुति सुजुकी के मानेसर स्थित गति शक्ति टर्मिनल से रवाना हुई और 45 घंटे में लगभग 850 किमी की दूरी तय करके हाल ही में चालू हुए अनंतनाग माल शेड पहुंची। इस पहली खेप में ब्रेजा, डिजायर, वैगनआर और एसप्रेसो जैसी मारुति कारें शामिल थीं। रेलवे अधिकारियों ने कहा कि यह सेवा श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग पर भीड़भाड़ कम करने और यह सुनिश्चित करने में मदद करेगी कि वाहन घाटी में अपनी मूल स्थिति में पहुंचे।

उन्होंने बताया कि यह विकास, घाटी में नई कारों के आगमन के तरीके में एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतीक है। अब तक, कश्मीर में कार डीलर कई ड्राइवरों को नियुक्त करते थे जो जम्मू से नई ब्रांडेड गाड़ियां सड़क मार्ग से लाते थे। इस प्रथा का मतलब था कि ग्राहकों तक पहुंचने से पहले वाहनों को सैकड़ों किमी तक चलाया जाता था, जिससे खरीदार अपनी नई खरीदी गई कार को सबसे पहले चलाने के विशेषाधिकार से वंचित रह जाते थे। नई रेल सेवा इस प्रथा को समाप्त कर देती है, यह सुनिश्चित करती है कि अब कारें ड्राइवरों द्वारा बिना छुए और अपनी मूल फैक्टरी स्थिति में पहुंचेंगी।

एक कार डीलर ने बताया कि यह न केवल सुविधा के बारे में है, बल्कि ग्राहक संतुष्टि के बारे में भी है।

जब कोई कार निर्माता से रेल द्वारा पहुंचाई जाती है, तो खरीदार आश्वस्त हो सकता है कि उसे जम्मू से श्रीनगर तक पहले किसी और ने नहीं चलाया है। यह ग्राहकों और डीलरों, दोनों के लिए फायदेमंद है।

समाज के भीतर सेवा, दान की परंपरा उसकी सबसे बड़ी शक्ति : बिरला

जयपुर, 03 अक्टूबर (एजेंसियां)।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि समाज के भीतर सेवा और दान की परंपरा उसकी सबसे बड़ी शक्ति है और यही भविष्य को नई दिशा देती है।

श्री बिरला ने यहां शुक्रवार को राष्ट्रीय नाई महासभा द्वारा आयोजित प्रतिभा एवं भामाशाह सम्मान समारोह में कहा कि सेन समाज ने हमेशा सेवा, श्रम और समर्पण को सर्वोच्च धर्म मानते हुए राष्ट्र निर्माण में योगदान दिया है। यह समाज शिक्षा, कौशल और संस्कारों के माध्यम से आज भी नई पीढ़ी को प्रेरणा दे रहा है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान केवल व्यक्तियों का नहीं, बल्कि पूरी संस्कृति और सामूहिक मूल्यों का सम्मान है। समाज के भीतर सेवा और दान की परंपरा उसकी सबसे बड़ी शक्ति है और यही भविष्य को नई दिशा देती है।

उन्होंने कहा कि सेनजी महाराज ने अपने जीवन से यह संदेश दिया कि श्रम ही सर्वोच्च पूजा है और सेवा ही सबसे बड़ा धर्म। वहीं, नारायणी माता आस्था और विश्वास की आधारशिला हैं, जिनके आशीर्वाद से समाज ने अपनी परंपराओं और संस्कारों को सदियों से जीवित रखा है। यही कारण है कि यह समाज हर दौर में चुनौतियों का सामना करते हुए राष्ट्र की सेवा में आगे रहा है।

लोकसभा अध्यक्ष ने राष्ट्रीय नाई महासभा की कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए कहा कि संगठन पूरे देश में रक्तदान शिविर, चिकित्सा सेवाएँ, नशा मुक्ति अभियान और शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। छात्रवृत्ति, कोचिंग और करियर मार्गदर्शन जैसी योजनाएँ युवाओं को नई राह दे रही हैं। उन्होंने कहा कि जब प्रतिभाएं मंच पर सम्मानित होती हैं तो उनमें नई ऊर्जा और आत्मविश्वास जागता है, जो समाज को नई ऊँचाइयों तक ले जाता है।

उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे सेनजी महाराज के आदर्शों और नारायणी माता की शिक्षाओं को जीवन का हिस्सा बनाएं। शिक्षा, कौशल और तकनीक को अपनाकर आत्मनिर्भर बनें और सेवा की परंपरा को आगे बढ़ाएँ। उन्होंने कहा कि जब समाज का हर युवा सक्षम और आत्मनिर्भर होगा, तभी सशक्त और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण संभव होगा।

पटियाला हाउस कोर्ट ने स्वामी चैतन्यानंद को 14 दिनों के लिए न्यायिक हिरासत में भेजा

नई दिल्ली, 03 अक्टूबर (एजेंसियां)।

श्री शारदा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन मैनेजमेंट के स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती उर्फ पार्थ सारथी की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। छात्राओं से छेड़छाड़ मामले में अदालत ने स्वामी चैतन्यानंद को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट ने 14 दिनों के लिए स्वामी चैतन्यानंद को न्यायिक हिरासत में भेजने का फैसला सुनाया। आरोपी बाबा ने जेल में डॉक्टर की पर्ची के हिसाब से दवा और बिना लहसुन-प्याज वाले भोजन दिए जाने की इजाजत के लिए अर्जी दाखिल की। स्वामी चैतन्यानंद की याचिका पर पटियाला हाउस कोर्ट 4 अक्टूबर को दोपहर 12.30 बजे फैसला सुनाएगा। बता दें कि दिल्ली पुलिस ने छात्राओं से छेड़खानी के आरोपी स्वामी चैतन्यानंद को आगरा से गिरफ्तार किया था। चैतन्यानंद पर 17 छात्राओं के यौन उत्पीड़न का गंभीर आरोप है। पुलिस के अनुसार, चैतन्यानंद पर आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) की छात्रवृत्ति योजना के तहत पोस्ट-ग्रेजुएट मैनेजमेंट डिप्लोमा कोर्स में पढ़ने वाली छात्राओं को निशाना बनाने का आरोप है। 4 अगस्त को भारतीय वायु सेना मुख्यालय से शिकायत मिलने के बाद आरोपी फरार हो गया था।

जांच में खुलासा हुआ कि चैतन्यानंद रात के समय छात्राओं को अपने कमरे में बुलाता था और उनकी ग्रेड कम करने या फेल करने की धमकी देकर उनके साथ जबरदस्ती करता था। पुलिस ने संस्थान की तीन वार्डनों के बयान दर्ज किए हैं, जिन पर चैतन्यानंद की मदद करने और आपत्तिजनक संदेशों को डिलीट करने का आरोप है। लगभग 50 छात्राओं के फोन से बरामद वॉट्सऐप चैट से 16 सालों तक चले यौन शोषण के सबूत मिले हैं, जिनमें अश्लील संदेश और जबरन शारीरिक संपर्क की घटनाएं शामिल हैं।

इससे पहले, अगस्त की शुरुआत में 17 छात्राओं ने दिल्ली के डिफेंस कॉलोनी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें चैतन्यानंद पर ईडब्ल्यूएस श्रेणी की छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाली छात्राओं के उत्पीड़न का आरोप लगाया गया था। अधिकारियों के अनुसार, चैतन्यानंद पिछले दो दशकों से महिलाओं का शोषण कर रहा था, और 2009 व 2016 में भी छेड़खानी के मामलों में वह बच निकला था।

इस बार मामला तब सामने आया, जब 17 छात्राओं ने अगस्त में शिकायत दर्ज कराई। उस समय चैतन्यानंद लंदन में था, लेकिन उसकी अंतिम लोकेशन आगरा में मिली। उसने दिल्ली हाई कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की थी, लेकिन बाद में उसे वापस ले लिया।

जांच में एक और चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि चैतन्यानंद की लाल रंग की लग्जरी वॉल्वो कार से कई फर्जी नंबर प्लेट बरामद की गईं, जिन पर संयुक्त राष्ट्र (यूएन) का फर्जी लोगो लगा था। जांच में पुष्टि हुई कि ये नंबर प्लेट यूएन द्वारा जारी नहीं की गई थीं और आरोपी ने खुद इन्हें बनाया था। कार को जांच के लिए जब्त कर लिया गया है।

वैष्णव ने हिरोमासा के साथ सूरत में हाई-स्पीड रेल परियोजना की कार्य प्रगति की समीक्षा की

सूरत, 03 अक्टूबर (एजेंसियां)। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को जापान के भूमि, आधारभूत संरचना, परिवहन एवं पर्यटन मंत्री हिरोमासा नाकानो के साथ गुजरात के सूरत में हाई-स्पीड रेल परियोजना की कार्य प्रगति की समीक्षा की।

रेल मंत्रालय की ओर से जारी सूचना के मुताबिक सूरत हवाईअड्डे पहुचने पर श्री हिरोमासा का पारंपरिक गरबा से भव्य स्वागत किया गया। इसके बाद श्री हिरोमासा श्री वैष्णव के साथ सूरत हाई-स्पीड रेल (एचएसआर) निर्माण स्थल पहंचे। यहां दोनों मंत्रियों ने परियोजना ट्रैक स्लैब लेयिंग कार और ट्रैक स्लैब एडजस्टमेंट फैसिलिटी जैसे बिंदुओं की समीक्षा की।

इस दौरान उन्होंने काम की गुणवत्ता और गति पर संतोष व्यक्त किया और निर्माण की रफ्तार की सराहना की। जापानी मंत्री का यह दौरा भारत और जापान के बीच भारत की पहली हाई-स्पीड रेल परियोजना (बुलेट ट्रेन) को आगे बढ़ाने में मजबूत सहयोग को दर्शाता है।

करूर भगदड़ : मद्रास हाईकोर्ट ने सीबीआई जांच से किया इनकार

राजनीतिक रैलियों के लिए सख्त एसओपी का सुझाव

चेन्नई , 03 अक्टूबर (एजेंसियां)।

मद्रास हाईकोर्ट ने शुक्रवार को राजनीतिक रैलियों के लिए सख्त एसओपी का सुझाव दिया। साथ ही, कोर्ट ने अभिनेता-राजनेता विजय की करूर रैली में पिछले महीने हुई भगदड़ की सीबीआई जांच का आदेश देने से इनकार कर दिया। करूर भगदड़ में 41 लोगों की मौत हो गई थी। एम धंदापानी और एम जोतिरमन की पीठ ने भाजपा नेता उमा आनंदन की सीबीआई जांच की मांग वाली याचिका पर कार्यवाही करने से इनकार कर दिया, लेकिन याचिकाकर्ता को यह छूट दी कि यदि जांच ठीक से नहीं की जाती है तो वह अदालत का दरवाजा खटखटा सकते हैं। अदालत ने मामले में याचिकाकर्ता के अधिकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि इस अदालत को राजनीतिक अखाड़े की तरह न समझें।

कोर्ट ने कहा कि यदि पीड़ित व्यक्ति इस अदालत में आते हैं, तो हम उन्हें बचाएंगे। अदालत ने याचिकाकर्ता से कहा कि पहले वह करूर में 27 सितंबर की घटना की जांच को उसके वर्तमान प्रारंभिक चरण से आगे बढ़ने दें।

भाजपा नेता ने घटना की सीबीआई से जांच कराने के लिए हाई कोर्ट से निर्देश मांगा था और दावा किया था कि ये मौतें कथित सरकारी उदासीनता के कारण हुई हैं।

हाई कोर्ट ने कई याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया। कुछ याचिकाओं में पीड़ितों के लिए घोषित मुआवजे में वृद्धि की मांग की गई थी।

पीठ ने रैलियों या बैठकों के संबंध में मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करने और राज्य या राष्ट्रीय राजमार्गों के निकट आयोजनों की अनुमति न देने के तमिलनाडु सरकार के सुझाव पर गौर किया।

अदालत ने सुझाव दिया कि भविष्य में जब ऐसी राजनीतिक रैलियां या बैठकें निर्धारित स्थानों पर आयोजित की जाएं तो सरकार और राजनीतिक दलों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वहां पेयजल और स्वच्छता की उचित व्यवस्था हो।

पीठ ने यह भी कहा कि भगदड़ की संभावना को कम करने के लिए निकास मार्ग और पार्किंग की सुविधा उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

टीवीके पार्टी की रैली में हुई भगदड़ ने राज्य में राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है। इस घटना को लेकर पुलिस ने पार्टी के राज्य महासचिव बूसी आनंद पर मामला दर्ज किया है।

विजय ने इस दुखद घटना के पीछे साजिश का आरोप लगाया, जबकि मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने विरोधी दलों पर त्रासदियों का फायदा उठाकर चुनावी लाभ लेने का आरोप लगाया।

मुक्त विश्वविद्यालय में पढ़ाया जाएगा आरएसएस का इतिहास

युवाओं में राष्ट्रीयता का भाव जगाने की पहल

प्रयागराज, 03 अक्टूबर (एजेंसियां)।

विश्व के सबसे बड़े सांस्कृतिक एवं सामाजिक स्वयंसेवी संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने एक अनोखी पहल की है। मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति ने स्नातक और स्नातकोत्तर के पाठ्यक्रम में आरएसएस का इतिहास पढ़ाने की घोषणा की है। कुलपति ने कहा कि इससे देश के युवाओं में स्वदेशी विचारधारा के साथ ही राष्ट्रीयता के प्रति भावना जाग्रत होगी।

इस तरह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का इतिहास उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों में शामिल किया जाएगा। भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत आरएसएस के इतिहास को स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में शामिल करने की घोषणा गांधी जयंती के अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने की। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय ज्ञान परंपरा के बीच एक गहरा संबंध है। आरएसएस की विचारधारा में भारतीय ज्ञान परंपरा और सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण स्थान है। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि आरएसएस की दृष्टि में भारतीय ज्ञान परंपरा केवल धार्मिक या दार्शनिक विचारों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें सामाजिक, राजनीतिक और नैतिक मूल्य भी शामिल हैं। भारतीय ज्ञान परंपरा में विश्व कल्याण के लिए महत्वपूर्ण संदेश है। आरएसएस भारतीय ज्ञान परंपरा के विभिन्न पहलुओं वसुधैव कुटुंबकम, सहिष्णुता और विविधता तथा आत्मनिर्भरता और स्वदेशी पर जोर देता है। उन्होंने बताया कि स्थानीय उत्पादों और स्वदेशी विचारों को बढ़ावा देने के लिए इसे पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जा रहा है। इसका उद्देश्य भारतीय समाज को मजबूत और एकजुट करना है।

कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि भारतीय जीवनशैली परंपरागत मूल्यों, सामाजिक समरसता, परस्पर स्नेह एवं आत्मीयता पर आधारित है। मानवीय मूल्यों के विकास एवं आदर्श के उन्नयन में भारतीय जीवन शैली की महत्वपूर्ण उपादेयता है।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ

बिग बॉस 19: अशनूर कौर को लेकर हुआ विवाद आपस में भिड़े अमाल और अभिषेक

टीवी का मशहूर और विवादों से भरा रियलिटी शो 'बिग बॉस 19' इस समय अपने जबरदस्त टास्क और ट्विस्ट की वजह से काफी चर्चा में है। इस शो में दर्शकों को मनोरंजन के साथ-साथ ड्रामा, लड़ाई-झगड़े और जबरदस्त बहस देखने को मिलती हैं। इस बार भी शो के अंदर घरवालों के बीच बहस देखने को मिली, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर खूब देखा जा रहा है। जियो हॉटस्टार द्वारा जारी प्रोमो वीडियो में अभिषेक बजाज और अमाल मलिक के बीच तीखी बहस और झगड़ा होता हुआ नजर आ रही है। यह झगड़ा कैप्टेंसी टास्क के दौरान हुआ, जिसमें दोनों एक-दूसरे को गाली-गलौच करने के साथ ही शारीरिक रूप से भी भिड़ गए। इस पूरे विवाद की वजह अशनूर कौर से जुड़ा एक कमेंट था। दरअसल, अमाल ने अशनूर के जरिए अभिषेक को कुछ ऐसा बोला, जिसे सुन वह उन पर भड़क उठे। दोनों के बीच हुई बहस इतनी तेज हो गई, कि घर के बाकी सदस्यों को उन्हें रोकना पड़ा। घरवालों की कई कोशिशों के बावजूद भी अभिषेक और अमाल की लड़ाई नहीं रुकी, और आखिर में बिग बॉस को टास्क ही रद्द करना पड़ा।

इस झगड़े की शुरुआत तब हुई जब अमाल मलिक ने अशनूर को लेकर अभिषेक पर एक तंज कसा, जिसमें उन्होंने कहा कि जब भी अभिषेक कुछ बोलते हैं, तो अशनूर को ऐसा लगता है जैसे वह भौंक रहा हो। इस बात से अभिषेक भड़क उठते हैं और शब्दों के जरिए उनके तंज का पलटवार करते हैं। इस बीच उनकी बीच की यह तकरार हाथापाई का रूप ले लेती है, जिससे घर का माहौल बेहद तनावपूर्ण हो जाता है।

बिग बॉस से जुड़े अन्य सोर्स के मुताबिक, इस लड़ाई के बाद बिग बॉस कैप्टेंसी टास्क को रोक देते हैं और उसी समय फरहाना भट्ट को एक हफ्ते के लिए कैप्टन बनाए जाने का फैसला लेते हैं।

शरवरी वाघ ने दशहरे पर शुरू की इम्तियाज अली की फिल्म की शूटिंग

बॉलीवुड अभिनेत्री शरवरी वाघ ने अपनी अगली बड़ी फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। इस बात की जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया पर फैंस के साथ शेयर की। इस फिल्म का निर्देशन इम्तियाज अली कर रहे हैं। इस फिल्म में वेदांग रैना उनके अपोजिट दिखाई देंगे। दशहरे के शुभ अवसर पर अभिनेत्री शरवरी वाघ ने यह खुशखबरी फैंस के साथ साझा की। उन्होंने अपनी इंस्टा स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर की, जिसमें उन्होंने बताया कि वह पूजा के लिए घर पर नहीं आ सकीं। इसके बजाय उन्होंने अपने कमरे में फिल्म की स्क्रिप्ट के साथ एक छोटी सी पूजा की और फिल्म की शुरुआत की। इस तस्वीर में एक नोटबुक भी रखी है, जिस पर उन्होंने कुछ लिखा था और जिसे ताजा गुड़हल के फूलों से सजाया गया था। इसे शेयर करते हुए शरवरी ने लिखा, आज पूजा के लिए घर पर नहीं आ सकी, इसलिए मैंने अपने कमरे में स्क्रिप्ट के साथ अपनी छोटी सी पूजा की। दशहरा की शुभकामनाएं। एक बेहद खास निर्देशक और टीम के साथ एक बेहद खास फिल्म की शूटिंग शुरू कर रही हूं।

जून में इस फिल्म की आधिकारिक घोषणा की गई थी। उस समय शरवरी ने उत्साह और आभार व्यक्त करते हुए इंस्टाग्राम पर लिखा था, मेरे जन्मदिन पर यह घोषणा देखकर मुझे बहुत आश्चर्य हुआ। अब तक का सबसे अच्छा जन्मदिन। इम्तियाज अली सर, जब से मैंने एक अभिनेत्री बनने का सपना देखा है, तब से मैं आपके निर्देशन में काम करने के लिए तत्पर थी। यह मेरे लिए सीखने का सबसे अद्भुत अनुभव होगा। आपके विजन का हिस्सा बनना मेरे लिए सम्मान की बात है। मुझे चुनने के लिए धन्यवाद। इस ड्रीम टीम का हिस्सा बनकर बहुत अच्छा लग रहा है। इस नए सफर के लिए बेहद उत्साहित हूं।

शरवरी वाघ ने 2021 में यशराज की फिल्म 'बंटी और बबली 2' से करियर की शुरुआत की थी। इस फिल्म में रानी मुखर्जी, सैफ अली खान और सिद्धांत चतुर्वेदी जैसे कलाकार भी थे। उन्हें पिछले साल रिलीज हुई फिल्म 'मुंज्या' के लिए भी जाना जाता है।

वह बहुत जल्द फिल्म 'अल्फा' में अभिनेत्री आलिया भट्ट के साथ दिखाई देंगी। इस फिल्म में बॉबी देओल भी अहम किरदार निभाते दिखाई देंगे।

अभिनेता वरुण तेज अपने बेटे का नाम वायुव तेज कोनिडेला रखा

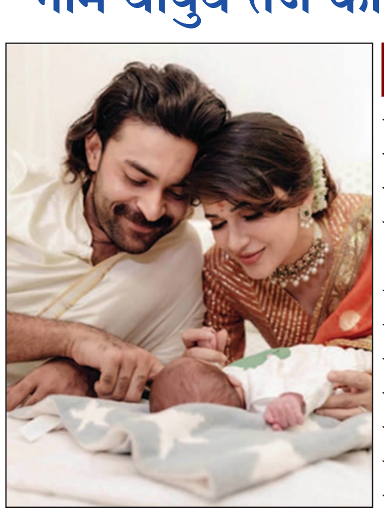

लोकप्रिय तेलुगु अभिनेता वरुण तेज कोनिडेला और लावण्या त्रिपाठी हाल ही में पेरेंट्स बने थे। कपल ने गुरुवार को विजयदशमी के शुभ अवसर पर बताया कि उनके बेटे का नाम क्या होगा। उन्होंने इंस्टाग्राम पर किए एक पोस्ट में बताया कि उन्होंने अपने बेटे का नाम वायुव तेज कोनिडेला रखा है। वरुण तेज ने इंस्टाग्राम पेज पर लिखा, हमारे सबसे बड़े आशीर्वाद का अब एक नाम है। इसके साथ उन्होंने तीन सफेद हार्ट वाली इमोजी भी शेयर की हैं। उन्होंने एक वीडियो भी शेयर किया है। इसमें बेटे के नाम का मतलब भी बताया गया है। इसमें लिखा है, हम अपने प्यारे बेटे वायुव तेज कोनिडेला का परिचय कराते हैं, एक ऐसा नाम जो अजेय शक्ति, भक्ति, साहस और आध्यात्मिक तेज का प्रतीक है। इसमें भगवान हनुमान की आत्मा समाहित है। इस वीडियो के साथ ही कपल ने दो तस्वीरें भी शेयर की हैं। इनमें वरुण और लावण्या बेटे पर प्यार लुटाते नजर आ रहे हैं। बेटे के नामकरण समारोह के लिए लावण्या ने केसरिया रंग की साड़ी पहनी थी। वहीं वरुण तेज ने क्रीम कलर का कुर्ता पहना था। तस्वीरों में वे दोनों अपने बेटे के साथ खेलते हुए दिखाई दे रहे हैं। बता दें कि अभिनेता वरुण तेज और लावण्या ने 1 नवंबर 2023 को इटली में शादी की थी। वरुण और लावण्या की पहली मुलाकात तेलुगु फिल्म 'मिस्टर' के सेट पर हुई थी। कई दिनों की दोस्ती के बाद वे रिलेशनशिप में आ गए। पांच साल तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद उन्होंने शादी की थी।

इसी साल 10 सितंबर को वरुण तेज के बेटे का जन्म हुआ। इसकी जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया पर शेयर की थी। इसके बाद उनके फैंस के बीच खुशी की लहर दौड़ गई और वे सोशल मीडिया पर ही उन्हें बधाई देने लगे। जो लोग नहीं जानते उन्हें बता दें कि वरुण तेज, मेगास्टार चिरंजीवी के छोटे भाई नागेंद्र बाबू के बेटे हैं।

चांदनी बार सीक्वल कास्टिंग: तृप्ति, शरवरी और अनन्या मानी जा रही हैं टॉप कंटेंडर्स

फिल्ममेकर मधुर भंडारकर की चांदनी बार, जो 2001 में रिलीज़ हुई थी, ने हाल ही में अपनी 24वीं वर्षगाँठ मनाई। इस मौके पर इसके सीक्वल का ऐलान किया गया है। समाज की कटु सच्चाइयों और मुंबई के डांस बार की ज़िंदगी को बिना किसी लाग-लपेट के दिखाने वाली इस क्लासिक फिल्म ने तब्बू को राष्ट्रीय पुरस्कार दिलाया था और भारतीय सिनेमा को एक नया आयाम दिया था। अब चांदनी बार री-ओपन्स, जिसे संदीप सिंह प्रोड्यूस करेंगे और अजय बहल डायरेक्ट करेंगे, एक बार फिर उसी संवेदनशीलता के साथ शहर की कड़वी हकीकत को सामने लाने का वादा कर रही है। लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा इस समय फिल्म की लीड कास्टिंग को लेकर है। यह किरदार, जिसे तब्बू ने आइकॉनिक मुमताज़ के रूप में निभाया था, अब किसे मिलेगा, यही सबसे बड़ा सवाल है। बताया जा रहा है कि तीन युवा और टैलेंटेड अभिनेत्रियाँ रेस में हैं, जिसमें शरवरी वाघ, अनन्या पांडे और तृप्ति डिमरी शामिल हैं। इंडस्ट्री में बहस छिड़ी हुई है कि इस इमोशन-ड्रिवन रोल के लिए सही चेहरा कौन होगा। क्या यह गहन किरदार निभाने की क्षमता रखने वाली शरवरी वाघ को मिलेगा? या फिर मेकर्स एक फ्रेश और मॉडर्न अप्रोच के साथ अनन्या पांडे को चुनेंगे? वहीं, हाल ही में अपनी लोकप्रियता और दमदार अभिनय से पहचान बनाने वालीं तृप्ति डिमरी भी एक मज़बूत दावेदार मानी जा रही हैं।

यह कास्टिंग फिल्म की सफलता की कुँजी साबित हो सकती है, क्योंकि चुनी गई अभिनेत्री को न केवल ओरिजिनल फिल्म की विरासत को सम्मान देना होगा, बल्कि आज की पीढ़ी के लिए कहानी को नए तरीके से गढ़ना भी होगा। फिल्म की शूटिंग अगले साल की शुरुआत में फ्लोर पर जाएगी और साल के अंत तक रिलीज़ होने की संभावना है। ऐसे में, फैन्स और इंडस्ट्री की नज़रें इसी बात पर टिकी हैं कि चांदनी बार की यह मज़बूत विरासत किस नए चेहरे को सौंपी जाएगी।

करीना कपूर ने साझा की अवॉर्ड्स नाइट की पुरानी यादें, कहा

पहले का फैशन था बिना टेंशन वाला

बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर खान ने हाल ही में अवॉर्ड्स नाइट की पुरानी यादें साझा कीं। उन्होंने इसकी एक तस्वीर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम के स्टोरी सेक्शन में फैंस के साथ शेयर की है। यह तस्वीर 42वें फिल्मफेयर अवॉर्ड्स की है, जिसमें वह बॉलीवुड अभिनेता अक्षय खन्ना के साथ पहली पंक्ति में बैठी दिखाई दे रही हैं। इस फोटो में वह सिंपल लुक में नजर आ रही हैं, जैसे वह किसी घर की पार्टी में गई हैं। इसे शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, जब हम अपनी पोलो नेक और जैकेट पहनते थे और आराम से बैठकर अभिनेताओं को अपनी ब्लैक लेडी (अवॉर्ड) का स्वागत करते देखते थे।

उन्होंने इसके जरिए यह बताया कि तब के दौर में फैशन कितना सरल और सहज हुआ करता था। आज तो एक स्टार के लुक के लिए पूरी टीम होती है, क्या पहनना है और क्या नहीं, इसकी प्लानिंग कई दिनों पहले से ही की जाती है। तब महंगे स्टाइलिश और डिजाइनर आउटफिट्स का जमाना नहीं था।इसमें उन्होंने अपनी बहन करिश्मा कपूर की फिल्म का गाना 'आए हो मेरी जिंदगी में' भी लगाया है। इस फोटो की खास बात यह है कि इसमें अमिताभ बच्चन और अभिषेक बच्चन भी उनके पीछे बैठे दिख रहे हैं। उन दोनों ने भी पारंपरिक भारतीय कपड़े पहने हुए हैं।

करीना की इस पोस्ट ने फैंस को उन दिनों की याद दिला दी जब करीना कपूर और अक्षय खन्ना की जोड़ी हलचल फिल्म में दिखाई दी थी। यह फिल्म 2003 में रिलीज हुई थी।

वर्क फ्रंट की बात करें तो, करीना कपूर खान अब अपनी आने वाली फिल्म दायरा में शूटिंग में जुटी हैं। इसे मशहूर फिल्म निर्माता मेघना गुलजार डायरेक्ट कर रही हैं। दोनों की जोड़ी को साथ काम करने को लेकर फैंस अभी से ही बहुत उत्साहित हैं। कुछ दिनों पहले उन्होंने इस फिल्म की शूटिंग की कुछ तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की थीं। इसमें फिल्म के कुछ अहम सीन्स को फिल्माते हुए अभिनेत्री को देखा गया था। इस फिल्म में करीना के अलावा अभिनेता पृथ्वीराज सुकुमारन भी मुख्य भूमिका में हैं। वह इसमें पुलिस अफसर के किरदार में नजर आएंगे। 'दायरा' एक क्राइम-ड्रामा थ्रिलर फिल्म है।

सुनफा योग वृष, कर्क और कन्या को करेगा मालामाल

आज यानी 4 अक्टूबर 2025, शनिवार के दिन सुनफा योग बनने जा रहा है। चंद्रमा कुंभ में और शनि चंद्रमा से दूसरे भाव भाव में रहेंगे। ऐसे में अलग-अलग राशियों के लिए इसके अलग-अलग प्रभाव देखने को मिलेंगे। वैदिक ज्योतिष में सुनफा योग को बहुत ही शुभ बताया गया है, लेकिन यह योग शनि, मंगल, राहु या केतु जैसे अशुभ ग्रहों से प्रभावित हो तो उस योग के शुभ फल पूर्ण रूप से नहीं मिल पाते हैं। ऐसे में कल का दिन मिथुन, कर्क और तुला सहित कुछ राशियों के जीवन में धन संबंधी कठिनाइयां आ सकती हैं।

मेष : परिवार में कटुता बढ़ने की संभावना

मेष राशि के जातकों का दाम्पत्य या प्रेम संबंधों को लेकर सावधान रहने की जरूरत है। इससे जुड़ी कोई बात छिपाने की स्थिति बन सकती है। शाम के समय पारिवारिक माहौल में कटुता बढ़ने की संभावना है। इससे आपका मन थोड़ा तनावग्रस्त रह सकता है। आज आप घर में अपने प्रेम संबंधों का खुलासा कर सकते हैं। ऐसे में घर के कुछ सदस्य नाराज हो सकते हैं। पारिवारिक वातावरण का के पक्ष में नहीं दिख रहा है।

वृष : सहयोगियों की मदद मिलेगी

कामकाज को लेकर वृष राशि के जातकों का दिन ठीक ठाक ही गुजरता हुआ दिख रहा है। कार्यक्षेत्र से जुड़ी गतिविधियां आपके पक्ष में दिख रही हैं। साथी और सहयोगियों की मदद मिलेगी। हालांकि, उन पर पूरी तरह से निर्भर होना जोखिम भरा हो सकता है। नए कार्यों की योजना बन सकती है। आर्थिक दृष्टि से दिन संतोषजनक रहेगा।

मिथुन : कुछ खोने की स्थिति बन रही है

मिथुन राशि के जातकों के लिए परिस्थितियां आपके पक्ष में नहीं दिख रही हैं। करियर में बदलाव की आपकी कोशिश सफल नहीं होंगी। अभी हालात आपके लिए अनुकूल नहीं हैं। ध्यान रहे कि नए काम में हाथ डालने से पहले अपने जीवनसाथी से राय अवश्य ले लें। आज के दिन आपको कुछ पाने के लिए कुछ खोने की स्थिति बनती हुई दिख रही है। जल्दबाजी में उठाया गया कदम आर्थिक दबाव का कारण बनेगा।

कर्क : आर्थिक सहयोग मिलने की संभावना

आज का दिन कर्क राशि वालों के लिए नए अवसर लेकर आ रहा है। किसी नए प्रोजेक्ट में आपकी रुचि बढ़ सकती है। इस दौरान पुराने मित्रों से आर्थिक सहयोग मिलने की संभावना है। आज के दिन आपको किसी की आर्थिक मदद करनी पड़ सकती है। ऐसा करने से उसका लाभ आपको भी किसी न किसी रूप में मिल सकता है। आर्थिक दृष्टि से दिन संतोषजनक और कुछ हद तक लाभकारी साबित हो सकता है।

सिंह : थोड़ी भागदौड़ करनी पड़ सकती है

सिंह राशि के जातक का दिन मिश्रित परिणाम देने वाला रहेगा। आज सैर-सपाटे की योजना बना सकते हैं। इसके लिए आपको पहले से ही तैयारी करनी होगी। आज के दिन कुछ अधूरे पड़े कार्य भी आपको पूरे करने पड़ सकते हैं। दोपहर के बाद आपको थोड़ी भागदौड़ करनी पड़ सकती है। कार्यों को जल्दबाजी में निपटाने की कोशिश में कोई भूल हो सकती है।

कन्या : अटका हुआ पैसा मिल सकता है

आज के दिन आपके संकल्पित कार्य पूरे होंगे। किसी का एडमिशन कराना हो, यात्रा की व्यवस्था करनी हो या जरूरी वस्तु की खरीदारी, सभी कार्यों में आपको सफलता मिलेगी। आज के दिन अटका हुआ पैसा भी आपको मिलता हुआ दिख रहा है। दिन भर धीरे-धीरे आपके कई कार्य निपटते चले जाएंगे।

तुला : धन खर्च की आज संभावना

तुला राशि वालों के लिए आज तीर्थ यात्रा पर जाने का योग बनता दिख रहा है। धन खर्च की आज संभावना भी दिख रही है। मित्रों या सहयोगियों के लिए कुछ धन खर्च करना पड़ेगा। परीक्षा की तैयारी कर रहे जातकों को संसाधनों को व्यवस्थित करने की आवश्यकता होगी। परिवार के साथ आपके रिश्ते थोड़े परेशान करने वाले बनते हुए दिख रहे हैं। परिवार के वरिष्ठ सदस्यों से टकराव से बचने की कोशिश करें।

वृश्चिक : देनदारियां चुकाने का मौका मिलेगा

वृश्चिक राशि के जातकों का दिन आर्थिक दृष्टि से सामान्य रहने वाला है बिजनेस या नौकरी में प्रगति के लिए आपको आज योजनाओं में कुछ बदलाव करना पड़ सकता है। आर्थिक क्षेत्र में फिलहाल ज्यादा दबाव नहीं दिख रहा है छोटी-मोटी देनदारियां चुकाने का आज मौका मिलेगा। इसके बावजूद भी आपके कोष पर असर नहीं पड़ेगा। परिजनों की कुछ मांगों को आज आपको पूरी करनी पड़ेगी।

धनु : घर का वातावरण उदास रहेगा

धनु राशि वालों को परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य को लेकर चिंता सता सकती है। इससे घर का वातावरण थोड़ा उदास रह सकता है। इस तनाव से बचने के लिए बेहतर होगा की आज किसी यात्रा या मनोरंजक गतिविधियों का प्लान बना लें। इस दौरान आपके लिए सार्वजनिक वाहन का उपयोग लाभकारी रहेगा।

मकर : आर्थिक दृष्टि से स्थिति मजबूत रहेगी

आज मकर राशि के जातकों दिन अच्छा रहने वाला है। शारीरिक थकान और अस्वस्थता में कमी आएगी। योग, व्यायाम के सकारात्मक असर दिखाई देंगे। परिवार में संतान या छोटे सदस्यों की ओर से कोई अच्छा समाचार मिल सकता है। वस्त्र या अन्य उपयोगी वस्तु का लाभ होगा। घर में रखी किसी खराब चीज को दोबारा उपयोग हो सकती है। आर्थिक दृष्टि से स्थिति मजबूत रहेगी।

कुंभ : कार्यस्थल का वातावरण बेहतर रहेगा

शनिवार का दिन कुंभ राशि के जातकों के लिए शुभ रहने वाला है। आपके कार्यस्थल का वातावरण बेहतर रहेगा। कठोर स्वभाव वाले व्यक्ति आज आपसे दूर ही रहेंगे। इससे काम का माहौल हल्का रहेगा। इस दौरान किसी सहकर्मी या वरिष्ठ की ओर से पार्टी का आयोजन मन को प्रसन्न कर देगा। कामकाज में प्रगति से आर्थिक लाभ होता दिख रहा है।

मीन : दांपत्य जीवन में परेशानी रहेगी

मीन राशि के जातकों का आज का दिन थोड़ा सुस्त रहने वाला है। इस दौरान आपका मूड कुछ उदास रह सकता है। विपरीत हालातों से दबाव की स्थिति रह सकती है। हालांकि दांपत्य जीवन को लेकर थोड़ी परे-शानी दिख रही है। युवाओं को प्रेम संबंधों में शिकायत हो सकती है। जीवनसाथी का भरोसा जीतना आज आपके लिए बेहद जरूरी होगा। आज के दिन कुछ जरूरी खर्चे हो सकते हैं। बुजुर्गों का सहयोग प्राप्त होगा।

अहोई अष्टमी व्रत 13 को

हिंदू धर्म में कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि का विशेष महत्व है। इसी दिन अहोई अष्टमी का व्रत रखा जाता है। माताएं इस दिन संतान की लंबी उम्र की कामना करती हैं। विवाहित महिलाएं निर्जला व्रत रखती हैं और शाम को तारों के दर्शन कर उन्हें अर्घ्य देने के बाद व्रत का पारण करती हैं। धार्मिक मान्यता है कि अहोई अष्टमी व्रत करने से संतान को लंबी उम्र का आशीर्वाद प्राप्त होता है। आइए विस्तार से जानते हैं कि अहोई अष्टमी 2025 कब है और क्या है इसका शुभ मुहूर्त।

इस साल अहोई अष्टमी का व्रत सोमवार, 13 अक्टूबर को पड़ रहा है। अष्टमी तिथि की शुरुआत 13 अक्टूबर 2025 को दोपहर 12 बजकर 24 मिनट पर हो रही है।, जबकि 14 अक्टूबर 2025 को सुबह 11 बजकर 09 मिनट पर अष्टमी तिथि समाप्त हो रही है।

अहोई अष्टमी के लिए पूजा का सर्वोत्तम समय शाम 05 बजकर 53 मिनट से लेकर 07 बजकर 08 मिनट तक रहेगा। कुल मिलाकर पूजा का शुभ मुहूर्त 1 घंटे 15 मिनट तक रहेगा। तारों का दर्शन कर व्रत के पारण का समय शाम को 06 बजकर 28 मिनट से शुरू हो जाएगा। वहीं, चंद्रोदय का समय रात 11 बजकर 40 मिनट है। कुछ स्थानों पर चंद्रमा को अर्घ्य देकर व्रत खोलने की परंपरा है।

किसके लिए रखा जाता है व्रत?

अहोई अष्टमी का दिन दिवाली पूजा से लगभग आठ दिन पहले और करवा चौथ के चार दिन बाद आता है। करवा चौथ की ही तरह, अहोई अष्टमी का व्रत भी निर्जला रखा जाता है। करवा चौथ का व्रत पति की लम्बी आयु के लिए किया जाता है, तो अहोई अष्टमी संतान की लम्बी आयु के लिए रखा जाता है। उत्तर भारत में बड़े उत्साह के साथ इस व्रत को मनाया जाता है।

अहोई अष्टमी का महत्व इस दिन माताएं सुबह से ही निर्जल उपवास का संकल्प लेती हैं और पूरे दिन बिना भोजन व जल ग्रहण किए व्रत का पालन करती हैं। व्रत के दौरान महिलाएं सायंकाल माता अहोई की पूजा करती हैं और अर्घ्य अर्पित कर अपने बच्चों के दीर्घायु और सुख-समृद्धि की कामना करती हैं। निसंतान महिलाएं संतान सुख की प्राप्ति के लिए बी ये व्रत करती हैं।

अक्टूबर माह का पहला प्रदोष व्रत आज

शनिदेव दे रहे साढेसाती ढैय्या से बचने का डबल मौका

अक्टूबर का महीना धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण होने जा रहा है। इस महीने में दो प्रदोष व्रत होंगे। पहला प्रदोष व्रत 4 अक्टूबर को है। और इस दिन शनिवार है। ऐसे में अक्टूबर का पहला प्रदोष व्रत 4 अक्टूबर को होगा। और सबसे बड़ी बात यह है कि यह प्रदोष व्रत शनिवार को होने से शनि प्रदोष व्रत कहलाएगा। लेकिन इसके साथ ही साथ शनिदेव श्रद्धालुओं को साढ़ेसाती और ढैय्या के प्रतिकूल प्रभाव से बचने के लिए दूसरा मौका भी देंगे। तो आइए विस्तार से जानें अक्टूबर के प्रदोष व्रत की तिथि और मुहूर्त साथ ही जानें इनका महत्व।

अक्टूबर के महीने में पहला प्रदोष व्रत 4 अक्टूबर दिन शनिवार को है। पंचांग की गणना के अनुसार शाम 5 बजकर 10 मिनट से त्रयोदशी तिथि लग जाएगी। यह अक्टूबर महीने में शुक्ल पक्ष में लगने वाला प्रदोष व्रत होगा। इस व्रत में भगवान शिव की पूजा के साथ शनि महाराज की पूजा भी करनी चाहिए। साथ ही पीपल को जल देना चाहिए शाम के समय दीप दिखाना चाहिए। वैसे त्रयोदशी तिथि 5 अक्टूबर को शाम 3 बजकर 4 मिनट तक व्याप्त रहेगी। 4 अक्टूबर प्रदोष व्रत में पूजा का समय शाम 6 बजकर 10 मिनट से 7 बजकर 45 मिनट तक।

अक्टूबर का दूसरा प्रदोष व्रत है सबसे खास

अक्टूबर में दूसरा प्रदोष व्रत 18 अक्टूबर को है। यह भी शनिवार के दिन। यह प्रदोष व्रत कृष्ण पक्ष में किया जाएगा। 18 अक्टूबर को लगने वाला प्रदोष व्रत बेहद खास है क्योंकि इस दिन धनत्रयोदशी का भी संयोग बना है। यानी इस दिन प्रदोष व्रत करने से प्रदोष के साथ ही साथ धनतेरस व्रत का भी पुण्य प्राप्त होगा। इस दिन त्रयोदशी तिथि दिन में 12 बजकर 20 मिनट पर लगेगी। और त्रयोदशी तिथि 19 अक्टूबर को शाम 5 बजकर 50 मिनट तक व्याप्त होगी। जबकि धनतेरस के दिन प्रदोष व्रत की पूजा का शुभ समय शाम में 5 बजकर 50 मिनट से शाम 7 बजकर 40 मिनट तक रहेगा।

शनि प्रदोष व्रत में शनि शांति के उपाय

शनि प्रदोष व्रत के दिन यानी अक्टूबर महीने में 4 और 18 तारीख को शनि दोष की शांति के लिए कुछ उपाय जरूर आजमाकर देखना चाहिए।

महामृत्युंजय मंत्र के साथ शिव का दूध और जल से अभिषेक करें।

पीपल को जल दें और काले तिल अर्पित करें। एक तिल का दीपक पीपल को दिखाएं। शाम के समय एक दीप घर की छत पर या घर के बाहर निकाल कर रख दें।

भगवान शिव की पूजा करें और शिव चालीसा का पाठ करें साथ ही शनि स्तोत्र का पाठ पाठ करें।

किसी जरूरतमंद व्यक्ति को भोजन वस्त्र का दान भी जरूर करें।

मछलियों को आटे की गोलियां खिलाएं। एक सादे कागज पर 108 श्रीराम नाम लिखकर इसे आटे के साथ गूंथ लें। फिर इनकी गोलियां मछलियों के खिला दें।

6 हनुमान चालीसा का पाठ करें और हनुमानजी को सिंदूर का चोला चढ़ाएं।

रामायण कथा: रावण वध के बाद एक क्षण भी और देर कर देते हनुमान तो नहीं बच पाते भरत और प्रभु रामजी के प्राण

दशहरे के पर्व के बाद का दिन धार्मिक दृष्टि से विशेष महत्व रखता है। इस दिन 'भरत मिलाप' का उत्सव मनाया जाता है। रामायण के अनुसार, लंका विजय के बाद जब प्रभु श्रीराम 14 वर्षों का वनवास पूरा कर अयोध्या लौट रहे थे, तब उनके भाई भरत अपने प्राण त्यागने जा रहे थे। तब भगवान राम ने हनुमान जी को भेजकर उनके प्राणों की रक्षा की।

जब प्रभु श्री राम का राज्याभिषेक निश्चित हुआ, मंथरा की बातों में आकर कैकेयी दशरथ जी से दो वरदान मांगे। पहला वरदान था कि भरत को अयोध्या का राजा बनाया जाए और दूसरा यह कि भगवान राम को चौदह वर्ष का वनवास दिया जाए। दशरथ यह सुनकर व्याकुल हो उठे, परंतु राजधर्म और वचनबद्धता के कारण उन्हें कैकेयी की मांग स्वीकार करनी पड़ी।

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम ने पिता के वचनों को निभाने के लिए वनवास स्वीकार कर लिया। माता सीता और भाई लक्ष्मण ने भी उनके साथ वनवास जाने का निश्चय किया। उस समय अयोध्या नगरी शोक में डूब गई थी। दशरथ अपने प्राणप्रिय पुत्र को वन जाते नहीं देख पाए और विलाप करते-करते प्राण त्याग दिए।

उधर, भरत इस निर्णय से बेहद दुखी हुए। चित्रकूट जाकर भरत ने श्रीराम से अयोध्या वापस लौटने की प्रार्थना की थी, तो प्रभु राम ने पिता दशरथ को दिए वचन का हवाला दिया। उस समय भरत ने प्रभु श्री राम रे कहा कि अगर आपको वापस आने में चौदह वर्षों से एक दिन की भी देरी हुई तो मैं अपने प्राण त्याग दूंगा। उसके बाद प्रण लेकर उन्होंने नंदीग्राम में रहकर अयोध्या वासियों की सेवा करने का फैसला किया और सिंहासन पर श्री राम की खड़ाऊ रखकर राजकाज चलाते रहे।

समय बीतने के साथ जब वनवास की अवधि पूरी हुई तो भरत को विश्वास था कि प्रभु श्रीराम समय पर लौट आएंगे। लेकिन प्रभु राम को आने में देरी हो रही थी, भरत अपने वचन पर अडिग होकर प्राण त्यागने की तैयारी करने लगे। उधर, अयोध्या लौटते समय श्री राम केवट को दिए अपने वचन को पूरा करने के लिए उनसे मिलने पहुंचे। इस दौरान भगवान राम को लगा कि अयोध्या लौटने में विलंब हो सकता है। भरत अपने वचन पर अडिग रहने वाले हैं। ऐसे में उन्होंने पवन पुत्र हनुमान को आदेश दिया कि तुरंत भरत और अयोध्या वासियों को उनके आगमन की सूचना दें।

जब हनुमान जी अयोध्या पहुंचे, तो उन्होंने देखा कि भरत अग्निकुंड के सामने खड़े होकर आत्मदाह की तैयारी कर रहे हैं। हनुमान जी ने तुरंत प्रभु राम का संदेश सुनाया । यह समाचार सुनते ही भरत की आंखों से अश्रुधारा बह निकली और उन्होंने अपने प्राण त्यागने का विचार त्याग दिया। कुछ ही समय बाद अयोध्या में प्रभु श्री राम, लक्ष्मण और माता सीता का भव्य स्वागत हुआ और भरत के साथ उनका मिलन हुआ।

यदि हनुमान जी थोड़ी भी देर कर देते तो भरत अपने प्राण त्याग देते और उनके वियोग में भगवान श्री राम भी अपने जीवन का त्याग कर देते। इसी कारण दशहरे के अगले दिन 'भरत मिलाप' का उत्सव मनाया जाता है। अयोध्या, काशी और उत्तर भारत के कई हिस्सों में यह परंपरा आज भी जीवित है।

मंगल गोचर से बनेगा रुचक राजयोग

जानें किन-किन राशियों का होगा मंगल की मंगल

मंगल का गोचर वृश्चिक राशि में हो रहा है। मंगल 27 अक्टूबर को वृश्चिक राशि में होने जा रहा है। अपनी स्वराशि वृश्चिक में मंगल बेहद ही मजबूत स्थिति में रहेंगे। ज्योतिष शास्त्र में मंगल को ग्रहों का सेनापति कहा गया है। मंगल एक अग्नि तत्व की राशि है। साथ ही पराक्रम का कारक ग्रह भी है। मंगल 27 अक्टूबर को दोपहर में 2 बजकर 44 मिनट पर वृश्चिक राशि में प्रवेश कर जाएंगे। इसी के साथ मंगल के अपनी स्वराशि वृश्चिक में गोचर करने से रुचक राजयोग प्रभावशाली हो जाएगा। मंगल के गोचर करने से मिथुन, वृश्चिक सहित 5 राशियों को अच्छा लाभ मिलने की उम्मीद है। इन राशियों के आत्मविश्वास में भी काफी बढ़ोतरी देखने को मिलेगी।

मिथुन राशि मूल्यवान वस्तु की करेंगे खरीद

मिथुन राशि के लोगों के लिए मंगल का गोचर उनके छठे भाव में होने जा रहा है। इस अवधि में आपको कोई मूल्यवान वस्तु मिल सकती है। यह गोचर आपको सुख समृद्धि दिलाने वाला रहेगा। मंगल का प्रभाव से आपको अच्छा धन लाभ मिल सकता है। मंगल का गोचर आपके लिए हर तरह से सहायक साबित होगा। सेहत की बात करें तो सामान्य तौर पर यह आपके लिए अच्छा ही रहेगा। इस अवधि में आप अपने प्रतिस्पर्धियों से बेहतर करने में सफल रहेंगे। साथ ही आपके मान सम्मान में भी जमकर वृद्धि होगी। आपकी आमदनी में काफी बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है।

कन्या राशि के आत्मविश्वास में होगी बढ़ोतरी

मंगल का गोचर कन्या राशिवालों के तीसरे भाव में होगा। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, मंगल का गोचर तीसरे भाव में बहुत ही अच्छा माना गया है। ऐसे में आपको बहुत ही अच्छा परिणाम मिलेगा। मंगल आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करेगा। साथ ही आत्मविश्वास के साथ किए गए कार्यों से आपको अच्छा धन लाभ मिल सकता है। इस अवधि में आप अपने शत्रुओं पर विजय प्राप्त कर लेंगे। साथ ही आपके प्रभाव में भी वृद्धि होगी। साथ ही मंगल गोचर के कारण आपको अच्छा समाचार मिल सकता है। देखा जाए तो आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा और आपके लिए यह गोचर बेहद फायदेमंद साबित होगा।

वृश्चिक राशि समझदारी से मिलेगी सफलता

वृश्चिक राशि के लोगों के लिए मंगल का गोचर आपके पहले भाव में होने जा रहा है। वैसे तो पहले भाव में मंगल का गोचर अच्छा नहीं माना जाता है लेकिन, आपकी राशि पर बृहस्पति का प्रभाव होने के कारण मंगल के नकारात्मक प्रभाव में कमी आएगी। इस अवधि में आप समझदारी से काम करते हैं तो आपको सफलता मिलेगी। आपको धैर्य से अपने सभी काम करने होंगे तभी आपको सफलता मिल सकती है। इस दौरान अपने स्वास्थ्य को लेकर थोड़ा संभलकर रहना होगा।

मकर राशि करीबी लोगों से मिलेगा सपोर्ट

मंगल का गोचर मकर राशि के लोगों के लाभ भाव में होने जा रहा है। इस भाव में मंगल की स्थिति बहुत ही अच्छी मानी गई है। ऐसे में मंगल का यह गोचर आमदनी में वृद्धि कराने वाला साबित होगा। बस आपके लिए बेहद जरूरी है कि आप अपने सभी काम पूरी ईमानदारी के साथ संपन्न करें। ऐसा करने से आपको अच्छा फायदा मिलेगा। व्यापारी वर्ग के लोगों को भी अच्छा लाभ मिलेगा। साथ ही नौकरीपेशा लोगों के लिए भी मंगल का गोचर करियर में नई संभावनाएं लेकर आने वाला है। भाइयों से संबंधित मामलों में आपको अच्छा परिणाम मिलेंगे। आपको अपने करीबी लोगों से पूरा सपोर्ट मिलेगा। साथ ही मित्रों से भी आपको अच्छा फायदा मिल सकता है।

मीन राशि बुद्धिमत्ता से पूरे करेंगे काम

मीन राशिवालों के लिए मंगल का गोचर उनके भाग्य भाव में होने जा रहा है। ऐसे में मंगल का यह गोचर आपको मिलेजुले परिणाम देने वाला रहेगा राशि स्वामी बृहस्पति की दृष्टि होने के कारण आप अपनी सभी काम पूरी बुद्धिमत्ता के साथ पूरे करेंगे। अपने काम से आपको अच्छा फायदा मिल सकता है। आपको सलाह है कि अपने अनुभव का इस्तेमाल लाभ पाने के लिए करें। इस अवधि में आपको भाग्य का स्पोर्ट वैसे ही मिलता रहेगा जैसे पहले मिलता था। आपको सलाह है कि किसी विवाद में न पड़ें। अगर आपको कमर से संबंधित कोई परेशानी है तो उसे नजरअंदाज भूलकर भी न करें।

संपादकीय

कई 'रावण' जिंदा हैं!

रावण कुंभकर्ण, मेघनाद के पुतले जला कर 'विजयादशमी' का त्योहार मनाया गया। आम आदमी प्रसन्न है। नई पोशाकें पहनी गईं, पटाखे छोड़े गए, मिठाइयां खाई गईं। यह खुशी किस बात की है। क्या वाकई असत्य पर सत्य, बुराई पर अच्छाई, रावणत्व पर रामत्व की जीत हुई? यह हमारा मुगालता है। कुंभकर्ण और मेघनाद के भीतर भी 'रावण' की चेतना थी। रावण का अहंकार था। रावण का वर्चस्ववाद था। एक खलनायकत्व भी था, हालांकि लंकापति रावण त्रिकालदर्शी था, प्रकांड पंडित था। यह प्रभु राम ने भी उस पर विजय हासिल करने के बाद स्वीकारा था। हम रावण के पुतले आज भी जलाकर छद्म संतुष्टि और विजय के भ्रम में हैं। दरअसल हम रावण को भूल नहीं सकते। भूलना भी नहीं चाहते, लिहाजा आज कई रावण जिंदा हैं। उनके रूप, रंग, योनि, नस्ल और कर्म अलग-अलग हैं। सरसंघचालक मोहन भागवत ने आतंकवाद और नक्सलवाद का जिक्र अपने 'दशहरा संबोधन' में किया। प्रधानमंत्री मोदी ने भी कुछ शक्तियों, साजिशों का उल्लेख किया, जो संघ को कुचलने, नष्ट करने में संलग्न रहीं। ये 'रावण' नहीं, तो और क्या हैं? भागवत ने पहलगाम नरसंहार के संदर्भ में 'ऑपरेशन सिंदूर' का उल्लेख किया। आतंकियों ने धर्म पूछ कर 26 मासूम, बेगुनाह जिंदगियों पर विराम लगा दिया था। उनकी हत्या कर दी थी। यह 'रावणत्व', राक्षसी व्यवहार नहीं, तो और क्या था? नतीजतन राम रूपी भारतीय सेना को पाकिस्तान के 11 एयरबेस, रनवे, रडार सिस्टम आदि की 'लंका' को विनष्ट करना पड़ा। आज विश्व में कई युद्ध जारी हैं और परमाणु युद्ध के आसार पुख्ता होते जा रहे हैं। धमकियां दी जा रही हैं। विमान, बॉम्बर आसमान में उड़ते दिखाई दे रहे हैं और समंदर में भी उथल-पुथल जारी है। इनके मायने क्या हैं? गाजा पट्टी के इलाके में इजरायल की सेना ने 65,000 से अधिक मासूमों, आम औरतों और बच्चों को मार दिया, लाखों को विस्थापित होना पड़ा, भुखमरी के आत्र्तनाद सुने जा सकते हैं और चारों ओर खंडहर, मलबे के ढेर दिखते हैं। यह विनाश किसने कराया और क्यों कराया? वह 21वीं सदी का 'राक्षस रावण' है, जो सिर्फ अपहरण के जरिए बहन के अपमान का प्रतिशोध नहीं लेता, बल्कि कई दुनियाओं का अस्तित्व ही मिट्टी में मिला देता है। रूसी राष्ट्रपति पुतिन आज भी, साढ़े तीन साल बाद भी, यूक्रेन पर विनाशकारी हमले करवा रहे हैं। उनके आदेश पर, उनकी सेना, एक स्वतंत्र और संप्रभु राष्ट्र को अस्तित्वहीन करने पर क्यों आमादा है? वहां भी आम लोगों की हत्याएं की जा रही हैं। लोग विस्थापित होकर पड़ोस के देशों में शरण ले रहे हैं। हमले में संयुक्त राष्ट्र के महासचिव गुटेरस भी बाल-बाल बचे हैं। रोटी मयस्सर नहीं है, लेकिन विध्वंसकारी हथियारों की सप्लाई निरंतर जारी है। यह रूस का कुल विस्तारवाद और वर्चस्व की मानसिकता का 'रावण' है। यह 'रावण' असली रावण से कहीं ज्यादा क्रूर और अमानवीय है। प्रभु राम के उपस्थित होने के बावजूद असली रावण ने उनकी सेना का व्यापक नुकसान किया था। राम के अनुज लक्ष्मण, नियति के हनुमान की बदौलत, बाल-बाल बच पाए थे। मौजूदा कालखंड में अमरीका, यूरोप बनाम रूस, चीन के समीकरणों के तहत परमाणु युद्ध की धमकियां क्यों दी जा रही हैं? बहरहाल इनके अलावा, कई कुप्रवृत्तियां और धंधे भी 'रावण' के अवतार के समान हैं। रावण के तो पुतले जला कर नकली खुशियां मनाई जा सकती हैं, लेकिन सडक़ों पर पाशविक युवा सरेआम जो हत्याएं कर रहे हैं, 3-4 साल की बच्चियों के साथ दुष्कर्म किए जाते हैं, पत्नियां पति को टुकड़े-टुकड़े कर मार रही हैं, तो प्रेमी भी लव इन प्रेमिका के टुकड़े-टुकड़े कर कहीं जंगल में फेंक आते हैं। जेल में कैद रखने से क्या होगा? जिंदगी तो खत्म कर दी गई। भ्रष्टाचार ऐसी मनोवृत्ति है, जिससे अर्थव्यवस्था भी बर्बाद हो सकती है। किसी का भविष्य और करियर भी तबाह हो सकता है। न्याय की हत्या होती रहती है। हम ईमानदारी से क्यों नहीं जी सकते? यदि दशहरा बुराई और असत्य पर जीत का पर्व है, तो ऐसी मनोवृत्तियां हमारे व्यवहार, समाज, देश में क्यों हैं? साफ मायने हैं कि 'रावण' अभी नहीं मरा। वह हर भाव, कर्मकांड में आज भी जिंदा है। उसका शोक मनाएं और खुद को बदलने की कोशिश करें।

कुंभकर्ण और मेघनाद के भीतर भी 'रावण' की चेतना थी। रावण का अहंकार था। रावण का वर्चस्ववाद था। एक खलनायकत्व भी था, हालांकि लंकापति रावण त्रिकालदर्शी था, प्रकांड पंडित था। यह प्रभु राम ने भी उस पर विजय हासिल करने के बाद स्वीकारा था। हम रावण के पुतले आज भी जलाकर छद्म संतुष्टि और विजय के भ्रम में हैं। दरअसल हम रावण को भूल नहीं सकते। भूलना भी नहीं चाहते, लिहाजा आज कई रावण जिंदा हैं। उनके रूप, रंग, योनि, नस्ल और कर्म अलग-अलग हैं। सरसंघचालक मोहन भागवत ने आतंकवाद और नक्सलवाद का जिक्र अपने 'दशहरा संबोधन' में किया। प्रधानमंत्री मोदी ने भी कुछ शक्तियों, साजिशों का उल्लेख किया, जो संघ को कुचलने, नष्ट करने में संलग्न रहीं। ये 'रावण' नहीं, तो और क्या हैं? भागवत ने पहलगाम नरसंहार के संदर्भ में 'ऑपरेशन सिंदूर' का उल्लेख किया। आतंकियों ने धर्म पूछ कर 26 मासूम, बेगुनाह जिंदगियों पर विराम लगा दिया था। उनकी हत्या कर दी थी। यह 'रावणत्व', राक्षसी व्यवहार नहीं, तो और क्या था? नतीजतन राम रूपी भारतीय सेना को पाकिस्तान के 11 एयरबेस, रनवे, रडार सिस्टम आदि की 'लंका' को विनष्ट करना पड़ा।

एसईआई और यूएनईपी की रिपोर्ट के अनुसार जीवाश्म ईंधन का बढ़ रहा है प्रयोग

पेरिस जलवायु समझौता हुआ नाकाम

प्रमोद भार्गव

उत्पादन अंतराल रपट 2025 के अनुसार, अनेक देशों की सरकारें 2030 तक कोयला, तेल और गैस के उत्पादन की योजना बना रही हैं, जो वायुमंडल की तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने के लिए जरूरी ईंधन से दोगुने से अधिक हो सकता है। यह उत्पादन लक्ष्य से 120 प्रतिशत अधिक और 2 डिग्री सेल्सियस वृद्धि के लक्ष्य से 77 प्रतिशत अधिक है। पेरिस समझौता 2025 में 10 साल पूरे कर रहा है। इसके अंतर्गत देशों ने तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री तक सीमित रखने और इसे दो डिग्री से बहुत नीचे रखने के प्रयास की प्रतिबद्धता जताई थी। दुबई में आयोजित हुए सीओपी 28 में सरकारों ने 'ऊर्जा प्रणालियों में जीवाश्म ईंधन से दूसरे स्रोतों की ओर जाने' के आवाहन पर सहमति व्यक्त की थी।

जलवायु परिवर्तन की एक नई रपट ने चेतावनी दी है कि पेरिस जलवायु समझौते के दस साल बाद भी कई देश जीवाश्म ईंधन के उत्पादन को बढ़ावा दे रहे हैं। उत्पादन अंतराल रपट 2025 के अनुसार, अनेक देशों की सरकारें 2030 तक कोयला, तेल और गैस के उत्पादन की योजना बना रही हैं, जो वायुमंडल की तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने के लिए जरूरी ईंधन से दोगुने से अधिक हो सकता है। यह उत्पादन लक्ष्य से 120 प्रतिशत अधिक और 2 डिग्री सेल्सियस वृद्धि के लक्ष्य से 77 प्रतिशत अधिक है। पेरिस समझौता 2025 में 10 साल पूरे कर रहा है। इसके अंतर्गत देशों ने तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री तक सीमित रखने और इसे दो डिग्री से बहुत नीचे रखने के प्रयास की प्रतिबद्धता जताई थी। दुबई में आयोजित हुए सीओपी 28 में सरकारों ने 'ऊर्जा प्रणालियों में जीवाश्म ईंधन से दूसरे स्रोतों की ओर जाने' के आवाहन पर सहमति व्यक्त की थी। स्टाकहोम एनवायरमेंट इंस्टीट्यूट (एसईआई) और इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट एंड क्लाइमेट एनालिटिक्स (यूएनईपी) की रपट के अनुसार जीवाश्म ईंधन का उपयोग कम करने की बजाए सरकारें अब सामूहिक रूप से 2035 तक कोयला उत्पादन, 2050 तक गैस उत्पादन और सदी के मध्य तक तेल उत्पादन में निरंतर वृद्धि की योजना बना रही हैं। अतएव कहा जा सकता है कि व्यतीत हो चुके समय की भरपाई के लिए आने वाले दशकों में जीवाश्म ईंधन उत्पादन में और भी तेजी से कमी लानी होगी। भारत, अमेरिका, चीन, रूस, सऊदी अरब और आस्ट्रेलिया सहित 20 प्रमुख उत्पादकों को षामिल करते हुए किए गए विश्लेशण से पता चला है कि 17 देश अभी भी 2030 तक एक जीवाश्म ईंधन का उत्पादन बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। अर्थात कोयला, तेल या गैस का उत्पादन दो साल पहले की तुलना में कहीं अधिक होगा। रपट में बताया है कि 2030 तक कोयला उत्पादन 1.5 डिग्री सेल्सियस के अनुरूप स्तर से 500 प्रतिशत अधिक होगा, तेल 31 और गैस का उत्पादन 92 प्रतिशत से अधिक होगा। जबकि वैश्विक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए 2040 तक कोयले का उपयोग लगभग समाप्त करने और 2050 तक तेल एवं गैस उत्पादन में तीन चौथाई कटौती की प्रतिबद्धता जताई थी। धरती पर रहने वाले जीव-जगत पर करीब तीन दशक से जलवायु परिवर्तन के वर्तमान और भविष्य में होने वाले संकटों की तलवार लटकी हुई है। मनुष्य और जलवायु बदलाव के बीच की दूरी निरंतर कम हो रही है। पर्यावरण विज्ञानियों ने बहुत पहले जान लिया था कि औद्योगिक विकास से उत्सर्जित कार्बन और षहरी विकास से घटते जंगल से वायुमंडल का तपमान बढ़ रहा है, जो पृथ्वी के लिए घातक है। इस सदी के अंत तक पृथ्वी की गर्मी 2.7 प्रतिशत बढ़ जाएगी, नतीजतन पृथ्वीवासियों को भारी तबाही का सामना करना पड़ेगा। इस मानव निर्मित वैश्विक आपदा से निपटने के लिए प्रतिवर्श एक अंतरराश्ट्रीय पर्यावरण सम्मेलन जिसे कांफ्रेंस ऑफ पार्टीज (सीओपी/कॉप) के नाम से भी जाना जाता है की पिछली बैठक सीओपी 28वीं दुबई में संपन्न हुई थी। पेरिस समझौते के तहत वायुमंडल का तापमान औसतन 1.5 डिग्री सेल्सियस से कम रखने के प्रयास के प्रति भागीदार देशों ने वचनबद्धता जताई थी। लेकिन वास्तव में अभी तक 56 देशों ने संयुक्त राश्ट्र के मानदंडों के अनुसार पर्यावरण सुधार की घोषणा की है। इनमें यूरोपीय संघ, अमेरिका, चीन जापान और भारत भी शामिल हैं। लेकिन रूस और यूक्रेन तथा इजरायल और फिलिस्तीन युद्ध के चलते कार्बन उत्सर्जन पर नियंत्रण और नवीकरणीय ऊर्जा को जो बढ़ावा दिया जाना था, वह उम्मीद के अनुरूप नहीं हो पा रहा है। क्योंकि जिन देशों ने वचनबद्धता निभाते हुए कोयला से ऊर्जा उत्सर्जन के जो संयंत्र बंद कर दिए थे, उन्हें रूस द्वारा गैस देना बंद कर दिए जाने के बाद फिर से चालू करने की तैयारियां हो रही हैं। ब्रिटेन में हुई पहली औद्योगिक क्रांति में कोयले का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। 1500 ईसवीं में बड़ी मात्रा में कोयले के उत्खनन की षुरूआत हुई थी। इसके बाद जिन देशों में भी कारखाने लगे, उनमें लकड़ी और कोयले का प्रयोग लंबे समय तक होता रहा। दुनिया की रेलें भी कोयले से ही लंबे समय तक चलती रही हैं। भोजन पकाने, ठंड से बचने और उजाले के उपाय भी लकड़ी जलाकर किए जाते रहे हैं। अतएव धुएं के बड़ी मात्रा में उत्सर्जन और धरती के तापमान में वृद्धि की षुरुआत औद्योगिक क्रांति की बुनियाद रखने के साथ ही आरंभ हो गई थी। इसके बाद जब इन दुश्प्रभावों का अनुभव पर्यावरणविदों ने किया तो 14 जून 1992 में रियो डी जनेरियो में पहला अंतरराश्ट्रीय पृथ्वी संयुक्त राश्ट्र सम्मेलन संपन्न हुआ। इस सम्मेलन के परिणामस्वरूप जापान के क्योटो षहर में 16 फरवरी 2005 को पृथ्वी के बढ़ते तापमान के जरिए जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिए क्योटो प्रोटोकॉल अंतरराष्ट्रीय संधि अस्तित्व में आई। इस संधि में षामिल देशों ने ग्रीन हाउस अर्थात मानव उत्सर्जित गैसों को कम करने के लिए प्रतिबद्धता जताई। दुनिया के वैज्ञानियों ने एक राय होकर कहा कि मानव निर्मित गैस सीओ-2 के उत्सर्जन से धरती का तापमान बढ़ रहा है, जो जीवाश्म ईंधन का पर्याय है। 192 देशों ने इस संधि पर हस्ताक्षर किए हुए हैं। लेकिन वर्तमान में चल रहे दो भीशण युद्ध ने हालात बदल दिए हैं। नवंबर 2021 में ग्लासगो में हुए वैश्विक सम्मेलन में तय हुआ था कि 2030 तक विकसित देश और 2040 तक विकासशील देश ऊर्जा उत्पादन में कोयले का प्रयोग बंद कर देंगे। यानी 2040 के बाद थर्मल पावर अर्थात ताप विद्युत संयंत्रों में कोयले से बिजली का उत्पादन पूरी तरह बंद हो जाएगा। तब भारत-चीन ने पूरी तरह कोयले पर बिजली उत्पादन पर असहमति जताई थी, लेकिन 40 देशों ने कोयले से पल्ला झाड़ लेने का भरोसा दिया था। 20 देशों ने विश्वास जताया था कि 2022 के अंत तक कोयले से बिजली बनाने वाले संयंत्रों को बंद कर दिए जाएंगे। परंतु ऐसा कुछ हुआ नहीं। इन बदलते हालातों में हमें जिंदा रहना है तो जिंदगी जीने की षैली को भी बदलना होगा। हर हाल में ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में कटौती करनी होगी। यदि तापमान में वृद्धि को पूर्व औद्योगिक काल के स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करना है तो कार्बन उत्सर्जन में 43 प्रतिशत कमी लानी होगी। आईपीसीसी ने 1850-1900 की अवधि को पूर्व औद्योगिक वर्श के रूप में रेखांकित किया हुआ है। इसे ही बढ़ते औसत वैश्विक तापमान की तुलना के आधार के रूप में लिया जाता है। गोया, कार्बन उत्सर्जन की दर नहीं घटी और तापमान में 1.5 डिग्री से ऊपर चला जाता है तो असमय अकाल, सूखा, बाढ़ और जंगल में आग की घटनाओं का सामना निरंतर करते रहना पड़ेगा। बढ़ते तापमान का असर केवल धरती पर होगा, ऐसा नहीं है। समुद्र का तापमान भी इससे बढ़ेगा और कई षहरों के अस्तित्व के लिए समुद्र संकट बन जाएगा।

देश दुनिया से

संगीत-अध्यात्म एकाकार हो जाते थे उनकी ठुमरी में

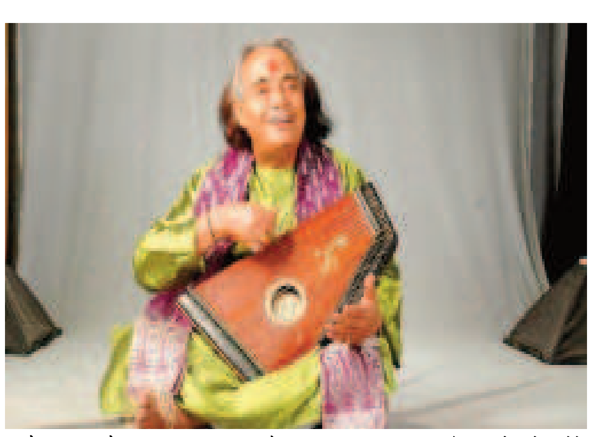

भारतीय संगीत की परंपरा ऐसी है जिसमें हर स्वर केवल ध्वनि नहीं, बल्कि जीवन का अनुभव होता है। यह अनुभव पीढ़ी-दर-पीढ़ी बहता आया है, जैसे गंगा की धारा कभी सूखती नहीं, वैसे ही राग-रागिनियों की धारा भी प्रवाहित रहती है। इसी प्रवाह में एक स्वरयोगी थे—पंडित छन्नूलाल मिश्र। जिनका जाना भारतीय संगीत-जगत के लिए एक गहरी रिक्तता है। वे केवल गायक नहीं थे, बल्कि संगीत के उस भावलोक के रक्षक थे, जहां शास्त्र और लोक एक-दूसरे में घुल-मिल जाते हैं। मिश्र जी के निधन से ऐसा लगा मानो बनारस की गलियों से कोई दीप अचानक बुझ गया हो। लेखिन उनकी आवाज़ का उजाला कभी खत्म नहीं होगा। उनकी गायकी, उनकी ठुमरियां, उनके भजन और उनकी अमर रचनाएं पीढ़ियों तक सुनाई देती रहेंगी। पंडित छन्नूलाल मिश्र का जन्म उ.प्र. के आज़मगढ़ की साधारण भूमि पर हुआ। संगीत उनके परिवार की परंपरा नहीं थी। बचपन के दिनों में गांव के आंगन में गूंजते भक्ति गीत, मां-बहनों की मधुर स्वर-लहरियां और मंदिरों में उठते कीर्तन उनकी आत्मा में गहरे उतरते गए। यह वही बीज थे, जिन्होंने आगे चलकर उन्हें स्वर-साधना की ओर मोड़ा। पंडित छन्नूलाल का बचपन मिट्टी की सोंधी गंध और गांव की सहज संस्कृति में बीता। तभी उनकी गायकी में हमेशा मिट्टी की सुगंध रही। एक ऐसी सुगंध, जो श्रोता को सीधे उसकी जड़ों तक पहुंचा देती थी। गुरुजनों की शरण में पहुंचकर उन्होंने किराना घराने की बारीकियों को आत्मसात किया। यहां उन्होंने सीखा कि एक स्वर मात्र ध्वनि नहीं, बल्कि साधना है। किराना घराना स्वर की शुद्धता के लिए प्रसिद्ध है और मिश्र जी ने इसे जीवन भर अपने गले में संजोए रखा। लेकिन उनकी आत्मा को असली घर मिला बनारस में। बनारस की गलियां, घाट और मंदिर उनके जीवन का संगीत बन गए। पंडित मिश्र ने एक बार कहा कि 'बनारस की मिट्टी और गंगा का जल यदि गले में उतर जाए तो आवाज़ अपने आप पवित्र हो जाती है।' यह उनका अनुभव था। वे जब ठुमरी गाते, तो उसमें केवल सुर ही नहीं होते, बल्कि बनारस का समूचा वातावरण उतर आता। कल्पना कीजिए—गंगा की लहरों पर डूबते सूरज की किरणें, घाटों पर गूंजती आरती और गलियों से आती ठहाकों की आवाज़ें। यही बनारस है और यही बनारस उनकी ठुमरी में बसा रहता था। उनकी आवाज़ सुनकर श्रोता को लगता कि वह स्वयं गंगा किनारे बैठा है, जहां संगीत और अध्यात्म एकाकार हो जाते हैं। भारतीय शास्त्रीय संगीत में ठुमरी को सबसे कोमल विधा माना जाता है। इसमें शृंगार का रस भी है और भक्ति का आह्वान भी। पंडित छन्नूलाल ने ठुमरी को केवल गाया नहीं, बल्कि जिया। उनके गायन में 'पुरब अंग की ठुमरी' की झलक सबसे अधिक मिलती थी। यह ठुमरी भोजपुरी लोकसंवेदना से उपजी थी, जिसमें लोक की मिठास और सहजता समाई रहती है। जब वे गाते, 'मोरे सैयां बुलावे अदरसिया...', तो श्रोता के हृदय में एक कंपन उठता। ऐसा लगता मानो यह गीत केवल गले से नहीं, आत्मा से निकला हो। वह सुरों को सिर्फ साधते नहीं थे, उन्हें आत्मा में जीते थे। पंडित छन्नूलाल की गायकी का सबसे अनोखा और अमर योगदान था, 'मसाने की होली।' यह गीत केवल एक रचना नहीं, बल्कि बनारस की संस्कृति का जीवंत दर्शन है। बनारस वह शहर है, जहां मृत्यु भी जीवन का उत्सव बन जाती है। जहां श्मशान भी साधना का स्थान है। जब होली जैसी रंगों की बौछार वाला पर्व इस संस्कृति से मिलता है तो जन्म लेती है- मसाने की होली। पंडित मिश्र की आवाज़ में जब यह गीत गूंजता, तो श्रोता खुद को श्मशान घाट पर पाता—जहां राख में भी रंग है और मृत्यु में जीवन का उल्लास। इस गीत ने यह सिद्ध कर दिया कि होली केवल गुलाल और रंगों की मस्ती नहीं है, बल्कि यह जीवन और मृत्यु की सीमाओं को पार कर लेने वाला उत्सव है। 'मसाने की होली' वर्षों से होली मिलन समारोहों, सांस्कृतिक मंचों और लोक उत्सवों का अभिन्न हिस्सा बनी हुई है। इसका श्रेय पंडित मिश्र को जाता है। पंडित छन्नूलाल की गायकी का सबसे बड़ा गुण यह था कि उन्होंने शास्त्रीय संगीत को जनमानस से जोड़ा। उनकी ठुमरियों में भोजपुरी और अवधी का रस होता था। यह लोकजीवन की आत्मा थी। जब वे इन भाषाओं में गाते, तो गांव-गली का श्रोता भी उनसे जुड़ जाता। फलतः वे हर घर-आंगन के गायक बन गए। पंडित छन्नूलाल सिर्फ गायक नहीं, बल्कि कथावाचक भी थे। उनके गायन में हमेशा संवाद की छटा होती थी। जब वे गाते, तो श्रोता को लगता कि जैसे कोई उनसे सीधे बातें कर रहा है। यही कारण था कि उनकी ठुमरियां कहानी जैसी प्रतीत होती थीं—कभी शृंगार की, कभी विरह की तो कभी भक्ति की। उनकी आवाज़ में भक्ति और शृंगार दोनों का सहज संगम था। वे भजन गाते तो लगता कि ईश्वर हमारे सामने खड़े हैं और ठुमरी गाते तो लगता कि प्रेमिका अपने प्रिय की बाट जोह रही है। पंडित मिश्र को वर्ष 2010 में भारत सरकार ने पद्म विभूषण से अलंकृत किया। उनके लिए सबसे बड़ा पुरस्कार जनता का प्रेम था। पंडित मिश्र के शिष्य आज देश-विदेश में भारतीय शास्त्रीय संगीत की परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने ठुमरी को लोक से जोड़ा। आज जब पंडित छन्नूलाल हमारे बीच नहीं हैं, तो यह एक युग का अंत है। उनकी गायकी आने वाली पीढ़ियों के लिए दीपक की तरह मार्ग दिखाती रहेगी। जब भी गंगा किनारे कोई ठुमरी गाई जाएगी, जब भी कोई मंच पर 'मसाने की होली' गूंजेगी, तो लगेगा मानो पंडित मिश्र वहीं बैठे हों, अपनी मुस्कान के साथ, सुरों की तपस्या करते हुए। सच यही है—वे नहीं गए। वे तो हर ठुमरी, हर भजन और हर गली की गूंज बनकर अमर हो गए हैं।

कुछ अलग

सीजन ऑफ चमचागिरी

भाया! बरखा के सीजन की तरह चमचागिरी का भी अपना एक सीजन होता है। सरकारी दफ्तरों में प्रमोशन, ट्रांसफर, डीपीसी की लिस्ट निकलने की आहट आने से ही इस बरखा के सीजन की शुरुआत होती है। मेहनत परिश्रम का सस्ता सा रेनकोट घर से लेकर चले थे, सो ठीक है। बढिया है। लेकिन, अगर प्रगति की परमानेंट खुशी चाहते थे तो चमचागिरी का बड़ा, काला, नकली पॉलिएस्टर का बड़ी डंडी वाला छाता लेकर घर से क्यों नहीं निकले थे? पत्नी चिल्लाई थी- 'अरे! सुनिए जी, छाता तो ले जाइए...वैसे भी अगले महीने आपका प्रमोशन ड्यू है।' ये बरखा का क्रिटिकल पीरियड सचमुच बहुत कुछ या तो दे जाता है या फिर सब कुछ बहाकर ले जाता है। पिछले दिनों आपने देख ही लिया। अब जैसे ही बॉस के मूड के बादल छाते दिखे, बस तभी अपना छाता खोलकर बॉस के सिर के साथ अटैच कर लेना। शेयरिंग की पावर में बहुत दम होता है। ऐसे में अपनी इस गजब की कारिस्तानी को समय पर अगर तुमने अप्लाई कर लिया, तो तुम्हारे वारे के न्यारे समझो। और भई! गर तुम्हारी रिश्तेदारी है ऊपर के टॉप फ्लोर तक, तो इस सीजन की बुरी मार से तुम बढिया से बच सकते हो। तब तो न कोई ट्रांसफर और न कोई डिमोशन। बॉस को बरखा के सीजन में जुकाम होने पर। बॉस की बहती नाक...जेब से निकालो रुमाल...तुरंत मेज के नीचे से...बॉस की तरफ खिसका दो। मात्र इस एक सक्सेसफुल एक्शन से आउट-ऑफ दि वे एक तगड़ा प्रमोशन पक्का और अगर तुमने कहीं एक कदम और आगे बढक़र अपने हाथों से बॉस की नाक का पलीदा भी खुद ही पोंछ दिया, फिर तो इसका कमाल पूछो मती।

आप का नजरिया

चिकित्सा का मैत्री भाव

संकल्प तो अच्छा है, लेकिन फर्ज की कसौटी में सरकारी नौकरी न हो जाए। वरिष्ठ नागरिकों की स्वास्थ्य जांच के लिए रोगी मित्र योजना एक जरूरत को पूरा कर सकती है, बशर्ते नौकरी के फितूर में यहां भी वेतन विसंगतियों का कॉडर न खुल जाए। यह सही है कि बड़े अस्पतालों खास तौर पर मेडिकल कालेजों में मरीज की तीमारदारी का हर अध्याय तकलीफ देता है। हिमाचल में सबसे लंबी कतारें अस्पतालों के ओपीडी कक्ष में, जबकि मेडिकल कालेजों के बिस्तर तक पहुंचने के लिए लगती हैं। ऐसे में रोगी मित्र योजना अगर बूढ़ों को असुविधा से बचाने, उन्हें डाक्टरों की प्राथमिक सूची तक पहुंचाने तथा चिकित्सा गाइड के रूप में आजमाने की एक व्यवस्था बनती है, तो इसका स्वागत होना चाहिए। वैसे अस्पतालों में कार्यरत हर स्टाफ को यह बताने की जरूरत है कि रोगी और अस्पताल के बीच हर व्यक्ति एक कड़ी है। यहां डाक्टरों से लेकर पैरामेडिकल स्टाफ तक को रोगी मित्र बनने की आदत या नशा होना चाहिए। आश्चर्य होता है जब कोई मरीज आपातकालीन स्थिति में स्ट्रेचर जैसी वस्तु के लिए संघर्ष करते-करते मर जाता है या सप्ताहांत अस्पताल के बिस्तर तक कोई वरिष्ठ या विशेषज्ञ डाक्टर अवकाश के कारण नहीं आता। अस्पताल की सक्रियता का एक खास मैकेनिजम है। इस क्रम में रोगी मित्र के हवाले कितना फर्ज-कितना अस्पताल आता है यह देखना होगा। जाहिर है रोगी मित्र को चिकित्सा सेवा की लाठी बनते हुए अस्पतालों की कई सीढियां-कई कडियां जोडऩी पडेंग़ी। खास तौर पर मेडिकल कालेजों का बिखरा-बिखरा माहौल अगर रोगी मित्र के सहारे जुड़ जाए, तो इस प्रयोग को संजीवनी माना जाएगा, लेकिन अस्पतालों में तो समस्याओं के घोंसले लटके हुए हैं। फर्ज बड़ा है या काम की दावत, इस इम्तिहान में सिर्फ आंसर शीट बदल रही है। सबसे मुश्किल है किसी इंडोर मरीज के विभिन्न परीक्षणों से गुजरना। जो सेवा किसी निजी अस्पताल के बिस्तर तक पूरा स्टाफ पहुंचाता है, क्या वैसा माहौल रोगी मित्र के सहारे हो जाएगा। हाल यह है कि तीमारदार को अस्पताल की बैसाखियां ढोनी पड़ती हैं। उन्हें वार्ड कर्मचारियों के सहायक के रूप में अपना दर्द साझा करना पड़ता है। इसमें कोई शक नहीं कि अब हर घर में एक प्रशिक्षित तीमारदार होना चाहिए। होना तो यह चाहिए कि रोगी मित्रों की कुछ हद तक पोस्टिंग हर गांव में की जाए ताकि जब भी कोई गंभीर बीमार बड़े अस्पताल की ओर रुखसत करे, तो उसकी सेवाएं भी संलग्न हों। दरअसल अब मल्टीटास्क प्रशिक्षण की जरूरत है। निजी अस्पतालों में एंबुलेंस का चालक ही चिकित्सा सहायक व नर्स के रूप में मरीज को आक्सीजन की आपूर्ति व अन्य लाइफ सेविंग उपकरणों की दक्षता से संचालन कर सकता है, तो यही कार्य संस्कृति सरकारी अस्पतालों में भी आनी चाहिए। बेशक कई प्रयोग हो रहे हैं और व्यवस्था परिवर्तन की तर्ज पर सरकार काम करना चाहती है, लेकिन उच्च मानदंडों की अभिलाषा सरकारी कार्यसंस्कृति के पोखर में ठहर जाती है। बहरहाल रोगी मित्र जैसे सहयोगी से अस्पतालों की प्रबंधकीय शैली में अंतर आ सकता है, बशर्ते इस सारे कदमताल में केवल एक नौकरी बनकर कुछ कर्मचारी अस्पतालों में चस्पां न हो जाएं। 'रोगी मित्र' के जरिए सरकारी अस्पतालों की संवेदना बढ़ती है, कुछ हाथ बुजुर्गों के लिए बढ़ते हैं और चिकित्सकीय सेवाओं का अनुभव आत्मीयता से भर जाए, तो कौन नहीं चाहेगा कि ऐसे प्रयोग हर विभाग में कर्मचारियों में मैत्री तत्व विकसित करे।

वरिष्ठ नागरिकों की स्वास्थ्य जांच के लिए रोगी मित्र योजना एक जरूरत को पूरा कर सकती है, बशर्ते नौकरी के फितूर में यहां भी वेतन विसंगतियों का कॉडर न खुल जाए। यह सही है कि बड़े अस्पतालों खास तौर पर मेडिकल कालेजों में मरीज की तीमारदारी का हर अध्याय तकलीफ देता है। हिमाचल में सबसे लंबी कतारें अस्पतालों के ओपीडी कक्ष में, जबकि मेडिकल कालेजों के बिस्तर तक पहुंचने के लिए लगती हैं। ऐसे में रोगी मित्र योजना अगर बूढ़ों को असुविधा से बचाने, उन्हें डाक्टरों की प्राथमिक सूची तक पहुंचाने तथा चिकित्सा गाइड के रूप में आजमाने की एक व्यवस्था बनती है, तो इसका स्वागत होना चाहिए। वैसे अस्पतालों में कार्यरत हर स्टाफ को यह बताने की जरूरत है कि रोगी और अस्पताल के बीच हर व्यक्ति एक कड़ी है। यहां डाक्टरों से लेकर पैरामेडिकल स्टाफ तक को रोगी मित्र बनने की आदत या नशा होना चाहिए। आश्चर्य होता है जब कोई मरीज आपातकालीन स्थिति में स्ट्रेचर जैसी वस्तु के लिए संघर्ष करते-करते मर जाता है या सप्ताहांत अस्पताल के बिस्तर तक कोई वरिष्ठ या विशेषज्ञ डाक्टर अवकाश के कारण नहीं आता।

दृष्टि कोण

सत्ता संघर्ष में एर्दोआन के उत्तराधिकारी का प्रश्न

एर्दोआन ख़ैरियत से नहीं हैं। एर्दोआन के करीबी लोगों में, उनके बाद के भविष्य को लेकर बहस फिर से तेज़ हो गई है। हालांकि पार्टी का एक हिस्सा दावा करता है कि राष्ट्रपति रेज़ेप तैय्यिप एर्दोआन खुद 2028 में पद छोड़ने का इरादा नहीं रखते, लेकिन पार्टी की अंदरूनी स्थिति उबाल पर है। वर्ष 2017 में एक जनमत संग्रह के बाद, तुर्की की सरकार संसदीय प्रणाली से राष्ट्रपति प्रणाली में बदल गई। तुर्की में संभावित उत्तराधिकारियों के नाम तेज़ी से चर्चा में आ रहे हैं। हकान फ़िदान 2010 से 2023 तक तुर्की ख़ुफ़िया एजेंसी के प्रमुख रहे हैं और अब विदेश मंत्री हैं। वह एर्दोआन के सबसे भरोसेमंद लोगों में से एक हैं, लेकिन राष्ट्रपति परिवार में उन्हें लेकर थोड़ी सावधानी बरती जाती है। इब्राहिम कालिन 2014 से तुर्की राष्ट्रपति के प्रेस सचिव और 2023 से राष्ट्रीय ख़ुफ़िया एजेंसी के प्रमुख हैं। उन्हें एक बुद्धिजीवी और शासन के सबसे करीबी विचारकों में से एक माना जाता है। बिलाल एर्दोआन राष्ट्रपति के बेटे हैं, मुख्य 'वंशवादी' उत्तराधिकारी और अखिल तुर्कवाद के दूत के रूप में दिखाई देते हैं, लेकिन उनकी छवि कमज़ोर है। उनका अतीत निंदनीय रहा है, ख़ासकर 2013 के 'टेलीफ़ोन रिकॉर्ड' के दौरान 'लाखों लोगों के लापता होने के मामले' को लेकर। सेल्कुक बयारकतार एर्दोआन के दामाद हैं, जो बयारकतार ड्रोन के डिज़ाइनर हैं। वे तुर्की राष्ट्रवादियों के प्रतीक हैं। बेरात अल्बयारक एक और दामाद हैं, जो पूर्व वित्त और ऊर्जा मंत्री हैं, जिनके कार्यकाल में तुर्की में संकट शुरू हुआ था। लेकिन आर्थिक विफलता और घोटालों के बाद, उन्हें अपना पद खोना पड़ा। सुलेमान सोयलू एक पूर्व गृह मंत्री हैं जो सुरक्षा हलकों में प्रभावशाली हैं। लेकिन पेकर के घोटालों और आरोपों ने उनकी दावेदारी बहुत कमज़ोर कर दी। विदेश मंत्री हकान फ़िदान रूस के लिए सबसे अच्छा विकल्प लगता है। कठोर, लेकिन व्यावहारिक। सबसे विवादास्पद सेल्कुक बयारकतार हैं, जो रूसी संघ के ख़िलाफ़ पश्चिमी गठबंधन के पैरोकार हैं। वह साल 1994 था, जब एर्दोआन इस्तांबुल के मेयर बने, जबकि उनके अब कट्टर राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी एक्रेम इमामोग्लू ने व्यवसाय प्रशासन संकाय से स्नातक किया। इमामोग्लू और एर्दोआन ने अपने राजनीतिक करियर को एक जैसे तरीक़े से बनाया है। दोनों इस्तांबुल के मेयर रहे हैं, और दोनों ही उस पद पर रहते जेल गए हैं। एर्दोआन 1994 में इस्तांबुल के मेयर बने, लेकिन पांच साल बाद एक राजनीतिक रैली में राष्ट्रवादी कविता — 'मीनारें हमारी संगीनें हैं और गुंबद हमारे हेलमेट हैं।' पढ़ने के बाद धार्मिक नफ़रत भड़काने के आरोप में उन्हें जेल भेज दिया गया। उस समय धर्मनिरपेक्ष अदालतों ने कविता को एक ख़तरे के रूप में देखा था। राष्ट्रपति बनने से पहले एर्दोआन प्रधानमंत्री रहे, उन्होंने 20 से ज़्यादा वर्षों तक तुर्की पर कब्ज़ा बनाए रखा और वहां के लोकतंत्र पर अपनी पकड़ मज़बूत की। और एर्दोआन के ही रास्ते पर चलते हुए इमामोग्लू तुर्की के सबसे बड़े शहर इस्तांबुल के मेयर बने। इमामोग्लू लंबे समय से अपनी पार्टी रिपब्लिकन पीपुल्स पार्टी (सीएचपी) के नेता रहे हैं और अब उन्हें एर्दोआन का सबसे मज़बूत प्रतिद्वंद्वी माना जाता है। 19 मार्च, 2025 को, इस्तांबुल के मेयर और विपक्षी रिपब्लिकन पीपुल्स पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार एक्रेम इमामोग्लू को फ़र्ज़ी डिग्री, भ्रष्टाचार, जबरन वसूली, रिश्वतखोरी, धन शोधन और आतंकवाद, विशेष रूप से पीकेके का समर्थन करने के संदेह में तुर्की पुलिस ने हिरासत में लिया था। तुर्की में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ने के लिए, उम्मीदवार द्वारा उच्च शिक्षा पूरी कर ली होनी चाहिए। लेकिन 18 मार्च को, देश की विपक्षी पार्टी द्वारा इमामोग्लू को अपना राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार घोषित करने और एर्दोआन के ख़िलाफ़ आधिकारिक चुनाव लड़ने से कुछ ही दिन पहले, उनकी डिग्री रद्द कर दी गई। इस गिरफ्तारी के बाद देशव्यापी विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

परिवार के लोगों के बीच पैसे को लेकर आज कहासुनी हो सकती है। पैसों के मामलों में आपको परिवार के सभी लोगों को स्पष्ट होने की सलाह देनी चाहिए। दफ़्तर की राजनीति हो या फिर कोई विवाद, चीज़ें आपके पक्ष में झुकी नज़र आएंगी। जो लोग घर से बाहर रहते हैं आज वो अपने सारे काम पूरे करके शाम के समय किसी पार्क या एकांत जगह पर समय बिताना पसंद करेंगे। आप दुनिया में ख़ुद को सबसे रईस महसूस करेंगे, क्योंकि आपके जीवनसाथी का व्यवहार आपको ऐसा महसूस कराएगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

जमीन या किसी प्रॉपर्टी में निवेश करना आज आपके लिए घातक हो सकता है जितना हो सके इन चीजों में निवेश करने से बचें। परिवार के सदस्य सहयोगी होंगे, लेकिन उनकी काफ़ी सारी मांगें होंगी। अपनी बातों को सही साबित करने के लिए आज के दिन आप अपने संगी से झगड़ सकते हैं। हालांकि आपका साथी समझदारी दिखाते हुए आपको शांत कर देगा। जब आपको लगता है कि आपके पास घर वालों या अपने दोस्तों के लिए टाइम नहीं है तो आपका मन खराब हो जाता है।पारिवारिक विवादों के कारण आज आपका वैव–ाहिक जीवन प्रभावित रह सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आस–पास के लोगों का सहयोग आपको सुखद अनुभूति देगा। आज यदि आप अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने जा रहे हैं तो पैसा सोच समझकर खर्च करें। धन हानि हो सकती है। रिश्तेदारों और दोस्तों से अचानक उपहार मिलेगा। आपके महंगे तोहफ़े भी आपके प्रिय के चेहरे पर मुस्कान लाने में नाकाम साबित होंगे,दफ़्तर की राजनीति हो या फिर कोई विवाद, चीज़ें आपके पक्ष में झुकी नज़र आएंगी। अपने जिगरी यारों के साथ आज आप खाली समय का आनंद लेने का विचार बना सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आपको काफ़ी समय से चल रही बीमारी से छुटकारा मिल सकता है। जिन लोगों को आप जानते हैं, उनके ज़रिए आपको आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। शाम को साथियों का साथ मज़ेदार रहेगा। नौकरी बदलना मददगार साबित होगा। आप अपनी वर्तमान नौकरी को छोड़कर किसी नए क्षेत्र जैसे कि मार्केटिंग वग़ैरह में जा सकते हैं, जो आपके लिए बढ़िया रहेगा। घर के छोटे सदस्यों को साथ लेकर आज आप किसी पार्क या शॉपिंग मॉल में जा सकते हैं। जीवनसाथी के साथ कुछ तनातनी मुमकिन है, लेकिन शाम के खाने के साथ चीज़ें भी सुलझ जाएंगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

कुछ दिलचस्प पढ़कर थोड़ी दिमाग़ी कसरत करें। अतिरिक्त धन को रिअल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है। जिन्हें आप चाहते हैं, उनके साथ उपहारों का लेन–देन करने के लिए अच्छा दिन है। आज आप अपने दोस्त की महक उसकी अनुपस्थिति में महसूस करेंगे। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। व्यवसाय के लिए अचानक की गयी कोई यात्रा सकारात्मक परिणाम देगी। आपका जीवनसाथी हाल में हुई खटपट को भुलाकर अपने अच्छे स्वभाव का परिचय देगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आप अच्छा पैसा कमाएंगे– लेकिन ख़र्च में इज़ाफ़ा आपके लिए बचत को और ज़्यादा मुश्किल बना देगा। प्रभावशाली और महत्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियाँ अच्छा मौक़ा साबित होंगी। प्रेम–जीवन में आशा की नयी किरण आयेगी। ऐसे लोगों से साथ जुड़ें जो स्थापित हैं और भविष्य के रुझानों को समझने में आपकी मदद कर सकते हैं। आपका व्यक्तित्व और लोगों से थोड़ा अलग है आप अकेले वक़्त बिताना पसंद करते हैं। आज आपको अपने लिए वक़्त तो मिलेगा लेकिन ऑफिस की कोई समस्या आपको सताती रहेगी।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज के मनोरंजन में बाहर की गतिविधियों और खेल–कूद को शामिल किया जाना चाहिए। ऐसा लगता है आप जानते हैं कि लोग आपसे क्या चाहते हैं– लेकिन आज अपने ख़र्चों को बहुत ज़्यादा बढ़ाने से बचें। रिश्तेदारों से सहयोग मिलेगा और दिमाग़ी बोझ से छुटकारा मिलेगा। प्रेमी एक–दूसरे की पारिवारिक भावनाओं को समझेंगे। योजनाओं को अमली जामा पहनाने और नयी परियोजनाओं को शुरू करने के लिए अच्छा दिन है। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाक़ात होगी।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज के दिन आपको आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता । आप ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्च करें या आपका बटुआ खो भी सकता है– ऐसे मामलों में सा–वधानी की कमी आपको नुक़सान पहुँचा सकती है। ज़रूरत के वक़्त आपको दोस्तों का सहयोग मिलेगा। अपने प्रिय को समझने की कोशिश करें, नहीं तो मुश्किल में फँस सकते हैं। करिअर में तरक़्क़ी के लिए नयी क्षमताएँ विकसित करना और नयी तकनीकें सीखना महत्व–पूर्ण रहेगा। हवन का आयोजन घर मे होगा। आज आपके वैवाहिक जीवन के सबसे अच्छे दिनों में से एक हो सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

जो लोग अब तक पैसे को बिना सोचे विचारे उड़ा रहे थे उन्हें आज पैसे की बहुत आवश्यकता पड़ सकती है। घरेलू मोर्चे पर समस्या खड़ी हो सकती है, इसलिए तोल–मोल कर ही बोले । मीटिंग में हिस्सा लेकर आज आप कई नए विचार पा सकते हैं। बिना किसी पूर्व सूचना के आज आपका कोई रिश्तेदार आपके घर पधार सकता है जिसकी वजह से आपका कीमती समय उनकी खातिरदारी में जाया हो सकता है। अगर आप कोशिश करें तो आप अपने जीवनसाथी के साथ अपने जीवन का सबसे अच्छा दिन आज गुज़ार सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपका सबसे बड़ा सपना हक़ीक़त में बदल सकता है। लेकिन अपने उत्साह को काबू में रखें, क्योंकि ज़्यादा ख़ुशी भी परेशानी का सबब बन सकती है। दिन चढ़ने पर वित्तीय तौर पर सुधार आएगा। घरेलू मामलों और काफ़ी समय से लंबित घर के काम–काज के हिसाब से अच्छा दिन है। प्यार–मोहब्बत के मामले में दबाव बनाने की कोशिश न करें। अगर आप यक़ीन करते हैं कि वक़्त ही पैसा है तो आपको अपनी क्षमताओं को शीर्ष पर पहुँचाने के लिए ज़रूरी क़दम उठाने होंगे। आज रात को जीवनसाथी के साथ खाली वक़्त बिताते समय आपको लगेगा कि आपको उन्हें और भी वक़्त देना चाहिए। जीवनसाथी का स्वास्थ्य कुछ गड़बड़ हो सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आप अपने घर में या उसके आस–पास आज कुछ बड़े बदलाव करें। आप साथ में कहीं घूमने–फिरने जाकर अपने प्रेम–जीवन में नयी ऊर्जा का संचार कर सकते हैं। आपके काम को देखते हुए आज आपकी तरक्क़ी भी संभव है। कार–ोबारी आज अनुभवी लोगों से करोबार को आगे बढ़ाने की सलाह ले सकते हैं। इस राशि के लोग बड़े ही दिलचस्प होते हैं। वैवाहिक सुख के दृष्टिकोण से आज आपको कुछ अनोखा उपहार मिल सकता है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

मानसिक दबाव से बचने के लिए कुछ रोचक और अच्छा पढ़ें। घर में किसी फंक्शन के होने की वजह से आज आपको बहुत धन खर्च करना पड़ेगा जिसके कारण आपकी आर्थिक स्थिति खराब हो सकती है। अपने प्रिय की नाराज़गी के बावजूद अपना प्यार ज़ाहिर करते रहें। जिस पहचान और पुरस्कार की उम्मीद आप कर रहे थे, वह बाद के लिए टल सकती है और आपको हताशा का सामना करना पड सकता है। अपने व्यक्तित्व और रंग–रूप को बेहतर बनाने का कोशिश संतोषजनक साबित होगी।

आज का पंचांग

दिनांक : 04 अक्टूबर 2025 , शनिवार
विक्रम संवत : 2082
मास : आश्विन , शुक्ल पक्ष
तिथि : द्वादशी सायं 05:11 तक
नक्षत्र : धनिष्ठा प्रातः 09:10 तक
योग : शूल रात्रि 07:26 तक
करण : बालव सायं 05:11 तक
चन्द्रराशि : कुंभ
सूर्योदय : 06:06, सूर्यास्त 06:02 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:09 , सूर्यास्त 06:07 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01, सूर्यास्त 05:59 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:58,सूर्यास्त 05:54 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : श्याम बाबा की बारस , प्रदोष व्रत, पंचक चालू है , एकनाथ द्वादशी , भारतीय अखंडता दिवस

❊ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ❊

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर आयोजित शहरी सेवा शिविर बने सुशासन की मिसाल

जयपुर, 03 अक्टुबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में 'सेवा पखवाड़े' के तहत प्रदेश भर में आयोजित हुए शहरी सेवा शिविरों में आम जन की समस्याओं का त्वरित निस्तारण कर उन्हें राहत प्रदान की गई। प्रदेश में 17 सितम्बर से आयोजित इन शिविरों के माध्यम से शहर में रहने वाले नागरिकों के जन्म, मृत्यु, विवाह पंजीकरण, पट्टे, नामान्तरण, ट्रेड लाइसेंस एवं ऋण स्वीकृति जैसे कार्य त्वरित और पारदर्शी रूप से पूरे किए गए। साथ ही सड़कों, नालियों और सीवर लाइन की मरम्मत, तथा सार्वजनिक स्थानों का सौंदर्यीकरण व लाइटें लगाने आदि जैसे जनउपयोगी कार्य भी प्राथमिकता से किये गए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अन्त्योदय की संकल्पना के तहत शुरू किए गए इन शिविरों में मौके पर ही आमजन की समस्याओं का समाधान कर राहत दी गई। साथ ही सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ भी आमजन को दिया गया।

शहरी शिविरों के माध्यम से अब तक कुल 11 हजार 156 पट्टे जारी किए गए हैं। सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत 74 हजार 664 पेंशनर्स सत्यापित किए गए हैं। इसके अतिरिक्त 10 हजार 558 कचरा संभावित केन्द्रों का उन्मूलन, 2 हजार 876 व्यक्तिगत घरेलु शौचालय का निर्माण, मुख्यमंत्री स्वनिधि योजना के तहत एक हजार 131 ऋण स्वीकृति, दो हजार से अधिक पौषण किटों का वितरण भी किया गया है। शहरी सेवा शिविरों में किए जा रहे इन जनहितैषी कार्यों से शहरी नागरिकों में विश्वास का वातावरण बना है।

मुख्यमंत्री का संकल्प है कि हर प्रदेशवासी को स्वास्थ्य सुविधाए सहजता से उपलब्ध हो, इसी के तहत शहरी सेवा शिविरों के माध्यम से नगरवासियों की दहलीज तक स्वास्थ्य सेवाए पहुंचाई गईं। अब तक शहरी सेवा शिविरों में 55 हजार 696 व्यक्तियों की टीबी रोग की स्क्रीनिंग की गयी है और कुल एक लाख 49 हजार 360 व्यक्तियों का उपचार किया जा चुका है। इन शिविरों में अब तक 4 हजार 759 निक्षय मित्र भी बनाये गए हैं।

सेवा शिविरों में राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र तक सुनिश्चित किया जा रहा है। शहरी शिविरों में अब तक 7 हजार 894 बच्चों का पालनहार योजना में नवीनीकरण, जनाधार में 2 हजार 706 नवीन परिवारों का नामांकन, मांगपत्र जमा होने वाले एक हजार 367 व्यक्तियों को बिजली कनेक्शन देने का काम किया गया है। प्रदेश सरकार द्वारा संचालित किए जा रहे सेवा शिविरों से विभिन्न योजन–ाओं के लाभार्थियों की संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है। इसी क्रम में कुल 54 हजार 593 जन्म, मृत्यु एवं विवाह के पंजीयन, एनएफएसए पोर्टल पर लंबित 6 हजार 903 प्रकरणों का निस्तारण भी अब तक किया जा चुका है। 10 हजार 789 नई स्ट्रीट लाइट्स भी शहरों में लगाई गयी हैं।

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गिर्राज प्रसाद तिवारी के भजनलाल शर्मा ने किए अंतिम दर्शन

भरतपुर, 03 अक्टुबर (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष और वरिष्ठ नेता गिर्राज प्रसाद तिवारी को अंतिम विदाई देने के लिए आज हजारों की संख्या में लोग उनके पैतृक गांव बिडयारी बयाना पहुंचे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी गांव बिडयारी पहुंचे और पार्थिव देह के दर्शन कर उन्हें पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री के साथ पूर्व मंत्री अरुण चतुर्वेदी भी पहुंचे थे।

गिर्राज प्रसाद तिवारी का 104 वर्ष की आयु में निधन हो गया था। उनके निधन से क्षेत्र और पूरे प्रदेश में शोक की लहर है। उनकी अंतिम यात्रा कचहरी से श्मशान घाट तक निकाली जाएगी। अंतिम यात्रा में हजारों लोग शामिल होंगे। गांव बिडयारी में सुबह से ही श्रद्धांजलि देने वालों की भीड़ उमड़ी हुई है। आमजन के साथ–साथ विभिन्न सामाजिक संगठनों, राजनीतिक दलों के नेता और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में पहुंचकर अपने प्रिय नेता को अंतिम नमन कर रहे हैं।

नवीन ग्राम सेवा सहकारी समितियों के गठन के लिए ऑनलाइन व्यवस्था प्रारम्भ : गौतम कुमार दक

जयपुर, 03 अक्टुबर (एजेंसियां)। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने बताया कि राज्य में नवीन ग्राम सेवा सहकारी समितियों के गठन के लिए ऑनलाइन व्यवस्था प्रारम्भ की गई है। नई व्यवस्था के तहत अब निरीक्षकों को लक्ष्य प्रदान करने से लेकर स्वीकृति जारी करने तक के कार्य ऑनलाइन रूप से ही संपादित होंगे। इससे नवीन समितियों के गठन में तेजी आएगी तथा प्रक्रिया में पारदर्शिता भी सुनिश्चित होगी। दक ने बताया कि नवीन पैक्स गठन किये जाने के लिए सर्वप्रथम इकाई अधिकारी द्वारा निरीक्षकों को लक्ष्य प्रदान किए जाते हैं, जिसके बाद निरीक्षक संबंधित क्षेत्र में सर्वे की कार्यवाही पूर्ण कर व्यवहार्यता रिपोर्ट प्रस्तुत करते हैं। यह रिपोर्ट नवीन पैक्स के गठन के प्रस्ताव के साथ प्रधान कार्यालय को भेजी जाती है, जहां से समिति गठन की स्वीकृति जारी की जाती है। यह कार्य अब तक मैनुअल रूप से होने के कारण कई बार समिति गठन की प्रक्रिया में विलम्ब होता है। अब नई ऑनलाइन व्यवस्था शुरु होने से नई समितियों का गठन तेजी से हो सकेगा। सहकारिता मंत्री ने बताया कि सहकारिता विभाग द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग से समन्वय कर इसके लिए जीएसएस मॉड्यूल तैयार किया गया है, जो राज सहकार पोर्टल पर शुरू कर दिया गया है। अधिकारियों एवं निरीक्षकों की सुविधा के लिए यूजर मैनुअल भी तैयार किया गया है। उल्लेखनीय है कि राज्य में 2 से 15 अक्टूबर तक सहकार सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है। पैक्सविहीन समस्त ग्राम पंचायतों में नवीन पैक्स का गठन भी अभियान की एक प्रमुख गतिविधि है। ऑनलाइन व्यवस्था शुरू होने से लक्ष्यों की समयबद्ध पूर्ति में सहायता मिलेगी।

दक ने बताया कि कामकाज में तेजी लाने के लिए विभाग से जुड़े सभी कार्य चरणबद्ध रूप से ऑनलाइन किए जा रहे हैं। हाल ही में सहकारी समितियों की सदस्यता ग्रहण करने के लिए भी ऑनलाइन व्यवस्था शुरू की गई है। सहकारिता के खुली सदस्यता के सिद्धान्त के अंतर्गत अठारह वर्ष या अधिक आयु का कोई भी व्यक्ति जो संबंधित सहकारी समिति के कार्यक्षेत्र का निवासी हो, एसएसओ आईडी के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर समिति की सदस्यता ग्रहण कर सकता है।

लालसोट में कृषि विभाग की बड़ी कार्रवाई, अवैध भंडारण पर छापा

लालसोट, 03 अक्टुबर (एजेंसियां)। उपखंड के डीडवाना ग्राम में कृषि विभाग की टीम ने खाद के अवैध भंडारण पर बड़ी कारवाई की है। कृषि विभाग के अधिकारियों को खाद के अवैध भंडारण की सूचना मिली जिसके आधार पर सहायक कृषि निदेशक अशोक मीणा की अगवाई में कृषि विभाग की टीम ने डीडवाना पहुंचकर पीली का खान के पास स्थित गोगदाम पर छापा मारा । इधर टीम की छापामारी की कार्रवाई की सूचना मिलने पर अवैध भंडारण में शामिल लोग मौके से भाग छूटे। मौके पर पहुंची टीम ने गोदाम में डीएपी खाद का रॉ मैमैटेरिय खुला पड़ा हुआ पाया। वहीं दूसरी तरफ ipl लिखे हुए खाद के भरे कट्टे पाए गए।मौके पर कट्टो को पैक करने वाली मशीन पाई गई। सहायक निदेशक ने मौके पर मिली खाद को नकली होने का अंदेशा बताते हुए कहा कि खाद का सैंपल ले लिया है। सैंपलों की लेबोरेटरी से जांच होने के बाद ही खुलासा होगा कि खाद नकली है या नहीं। खुली पड़ी खाद डीएपी को आईपीएल कंपनी के कट्टों में भरकर किसानों को ठगने की तैयारी की जा रही थी।मगर धरपकड़ की कारवाई में मौके से लोग भाग छूटे।

उन्होंने बताया कि कार्रवाई के दौरान मौके से करीब 200 कट्टे डीएपी खाद से भरे और एक पैकिंग मशीन बरामद हुई। तथा 200 कट्टो के बराबर ही खुला मैटीरियल जब्त कर लिया है।सहायक कृषि अधिकारी चरत लाल मीणा ने बताया कि खाद को जब्त कर लिया है तथा डीडवाना ग्राम सेवा सहकारी समिति के गोदाम में रखवा दिया गया है उसके बाद ही तथ्यात्मक खुलासा होगा। कृषि विभाग की इस कार्यवाही से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है।

मायिक की आराधना हमेशा मंगलकारी,प्रतिदिन एक सामायिक अवश्य करें : पद्मकीर्तिजी

भीलवाड़ा, 03 अक्टुबर (एजेंसियां)। हमारा स्वभाव कभी नहीं बदलता ओर स्वभाव से ही व्यक्ति के गुणों की पहचान होती है। व्यक्ति का स्वभाव अच्छा होता है तो सभी उसे पसंद करते है ओर स्वभाव सही नहीं हो तो लोग दूरी बनाने लगते है। परमात्मा की वाणी हमेशा मीठी ही लगती है। परमात्मा की कृपा पाने के लिए प्रतिदिन एक सामायिक अवश्य करनी चाहिए इससे पूरा दिन अच्छा निकलेगा। सामायिक की आराधना हमेशा मंगलकारी होती है। ये विचार अनुष्ठान आराधिका ज्योतिष चन्द्रिका महासाध्वी डॉ. कुमुदलताजी म.सा. की सुशिष्या वास्तुशिल्पी डॉ. पद्मकीर्तिजी म.सा. ने आध्यात्मिक चातुर्मास आयोजन समिति द्वारा सुभाषनगर श्रीसंघ के तत्वावधान में दिवाकर कमला दरबार में शुक्रवार को नवपद आराधना के तहत श्रीपाल चरित्र का वाचन करते हुए धर्मसभा में व्यक्त किए। उन्होंने श्रीपाल चरित्र के विभिन्न प्रसंगों का वर्णन करते हुए कहा कि श्रद्धा व भक्ति भाव से नवपद का स्मरण करने से हर कार्य पूर्ण हो जाता है। पुण्यवान पुरूष के साथ परमात्मा का नाम व नवपद हमेशा रहता है। नवपद में आस्था रखने वाले के जीवन से मुश्किलों का अंत होकर खुशियों का आगमन होता है। धर्मसभा में स्वर साम्राज्ञी महाप्रज्ञाजी म.सा. ने प्रेरणादायी भजन की प्रस्तुति दी। उन्होंने उपाध्याय प्रवर कस्तुरचंदजी म.सा. के सुशिष्य कांतिमुनिजी के संथारापूर्वक देवलोकगमन पर भावाजंलि अर्पित करते हुए कहा कि उनका पूरा जीवन जिनशासन की सेवा के लिए समर्पित रहा। धर्मसभा में पूज्य कांतिमुनिजी को श्रद्धाजंलि अर्पित करने के लिए साध्वी मण्डल ने चार लोगस्स का जाप कराया।

दलित–आदिवासी समाज भाजपा राज में सबसे असुरक्षित : सैलजा

चंडीगढ़, 03 अक्टुबर (एजेंसियां)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि दलित और आदिवासी समाज पर हो रहे अपराधों की ताज़ा एनसीआरबी रिपोर्ट भाजपा शासन की नाकामी और संवेदनहीनता का जीता–जागता सबूत है। ये केवल आंकड़े नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और समानता के संवैधानिक मूल्यों पर सीधा आघात है। मीडिया को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने कहा है कि वर्ष 2022 की तुलना में 2023 में दलित समाज पर अपराध बढ़कर 57,789 तक पहुंच गए हैं, यानी हर दिन औसतन 158 दलितों पर अत्याचार दर्ज हो रहे हैं। यही नहीं, आदिवासी समाज के खिलाफ अपराधों में भी लगभग 29 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। ये आँकड़े स्पष्ट करते हैं कि भाजपा के राज में दलित और आदिवासी समाज सबसे अधिक असुरक्षित हो चुका है। यह स्थिति बेहद चिंताजनक और शर्मनाक है। भाजपा सरकार न तो अपराधियों पर सख्त कार्रवाई कर पा रही है और न ही पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने में गंभीर दिखाई देती है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा का सबका साथ, सबका विकास का नारा खोखला साबित हुआ है और जमीनी हकीकत यह है कि दलित और आदिवासी समाज को लगातार प्रताड़ना, अन्याय और भेदभाव झेलना पड़ रहा है।

स्वच्छता अभियान की सफलता के लिए जन भागीदारी जरूरी : बड़ौली

चंडीगढ़, 03 अक्टुबर (एजेंसियां)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने गांधी जयंती के अवसर पर सोनीपत में गांधी चौक पर स्वच्छता कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने महात्मा गांधी की प्रतिमा की साफ–सफाई की और झाड़ू लगाकर नागरिकों को स्वच्छता का संदेश दिया। बड़ौली ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चलाए जा रहे सेवा पखवाड़ा अभियान का उद्देश्य जनभागीदारी के माध्यम से स्वच्छता, सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व को प्रोत्साहित करना है।

बरकत ढाबे के कारीगर की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत

यमुनानगर, 03 अक्टुबर (एजेंसियां)। यमुनानगर में एक दर्दनाक सड़क हादसे में बरकत ढाबे के कारीगर की मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब वह स्कूटी पर सवार होकर अपने काम पर जा रहा था। संत निश्चल सिंह स्कूल के सामने ट्रैक्टर–ट्राली की चपेट में आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, मृतक मूल रूप से उत्तराखंड के गढ़वाल का रहने वाला था और लंबे समय से यमुनानगर में रहकर बरकत ढाबे पर कारीगर का काम करता था। रोजाना की तरह गुरुवार सुबह भी वह घर से तैयार होकर ढाबे पर जाने के लिए स्कूटी से निकला था। जैसे ही वह संत निश्चल सिंह स्कूल के पास पहुंचा, तभी पीछे से आ रही एक ट्रैक्टर–ट्राली ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि स्कूटी सहित वह बुजुर्ग ट्रॉली के नीचे आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोगों में अफरा–तफरी मच गई। राहगीरों ने तुरंत पुलिस को सूचित किया। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल भिजवाया। वहीं, ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश पुलिस कर रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि स्कूल के पास अक्सर भारी वाहन तेज रफ्तार में निकलते हैं, जिससे हादसे की संभावना बनी रहती है।

राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री को श्रद्धांजलि अर्पित की

चंडीगढ़, 03 अक्टुबर (एजेंसियां)। हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष और उनकी पत्नी मित्रा घोष ने गुरुवार को राजभवन में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर एक विशेष सर्वधर्म प्रार्थना सभा का भी आयोजन किया गया। माननीय राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने कहा कि हम अपने देश की दो महान विभूतियों – राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी और दूरदर्शी नेता एवं भारत रत्न से सम्मानित लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती मनाने के लिए गहरी श्रद्धा और गर्व के साथ राजभवन में एकत्रित हुए हैं। राज्यपाल ने कहा कि महात्मा गांधी का जीवन सत्य, अहिंसा और नैतिक साहस की शक्ति का प्रमाण है। उनके सत्याग्रह ने दुनिया को सिखाया कि शांतिपूर्ण तरीकों से परिवर्तन लाया जा सकता है और चरित्र की शक्ति, हथियारों की ताकत से ज़्यादा मायने रखती है। उन्होंने देश भर में अत्याचारी ब्रिटिश शासन के विरुद्ध जनता को संगठित किया। मतभेदों से विभाजित इस दुनिया में, सहिष्णुता, सद्भाव और एकता का उनका संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान था।

उन्होंने कहा कि लाल बहादुर शास्त्री जी ने चुनौतीपूर्ण समय में सादगी, निष्ठा और साहस के साथ हमारे देश का नेतृत्व किया। 1965 के युद्ध के दौरान उनका नारा जय जवान, जय किसान हमारे देश के किसानों और सैनिकों के प्रति उनकी गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो आत्मनिर्भरता और राष्ट्रीय लचीलेपन के महत्व पर प्रकाश डालता है। शास्त्री जी का नेतृत्व विनम्रता, दृढ़ता और जन सेवा के प्रति अटूट समर्पण से चिह्नित था।

राज्यपाल ने कहा, इन महान नेताओं को याद करते हुए, आइए हम उनके द्वारा अपनाए गए सिद्धांतों पर विचार करें। आइए हम सत्य, ईमानदारी, सादगी और राष्ट्र सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुनः पुष्टि करें। उनकी विरासत का सम्मान करते हुए, हमें विविधता में एकता, सभी धर्मों के प्रति सम्मान और सामूहिक प्रगति की भावना को भी अपनाना चाहिए, जो भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों के आधार स्तंभ हैं।

माननीय राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने सभी से हमारे राष्ट्र की भलाई, विश्व में शांति और महात्मा गांधी जी तथा लाल बहादुर शास्त्री जी द्वारा पोषित न्याय, करुणा और सद्भाव के मूल्यों को बनाए रखने की शक्ति के लिए प्रार्थना करने का आग्रह किया। हम उनके सिद्धांतों के प्रति समर्पण, साहस और अटूट विश्वास के साथ उनके दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने का संकल्प लें।

अयोध्या की रामलीला ने रचा नया इतिहास, 62 करोड़ दर्शकों तक पहुंची

50 देशों में प्रसारित, 250 फिल्मी कलाकारों ने निभाए किरदार

अयोध्या, 03 अक्टूबर (एजेंसियां)। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या ने एक बार फिर विश्व स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विशेष प्रयासों और मार्गदर्शन में अयोध्या की रामलीला आज विश्व की सबसे बड़ी और भव्य रामलीला बन चुकी है।

डिजिटल क्रांति के दौर में यह आयोजन केवल भारत तक सीमित न रहकर विश्वव्यापी सांस्कृतिक उत्सव में बदल गया है। इस वर्ष 50 से अधिक देशों में ऑनलाइन माध्यमों से प्रसारित हुई इस रामलीला को कुल 62 करोड़ से अधिक रामभक्तों ने देखा।

दिल्ली और मुंबई से आए 250 से अधिक फिल्मी कलाकारों ने इस रामलीला को भव्य स्वरूप दिया। थ्री-डी तकनीक और आधुनिक मंच सज्जा ने इस धार्मिक आयोजन को और भी आकर्षक बना दिया।

न केवल मंच पर बल्कि पर्दे पर भी यह आयोजन एक नया इतिहास रच रहा है। रामलीला को अधिक से अधिक रामभक्तों तक पहुँचाने के लिए लाइव प्रसारण पर ही इस वर्ष 10 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किया गया। यह प्रसारण आराधना टाटा प्ले, शेमारू मी, वीआईऐप, एयरटेल, शेमारू भक्ति यूट्यूब चैनल, फेसबुक पेजों और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म पर हुआ। अकेले शेमारू भक्ति यूट्यूब चैनल पर 8 करोड़ से अधिक लोगों ने इसे देखा।

गौरतलब है कि कोरोना काल से शुरू हुई अयोध्या की डिजिटल रामलीला ने हर वर्ष दर्शकों के नए कीर्तिमान बनाए हैं। इस सपने को साकार करने में उत्तर प्रदेश सरकार की अहम भूमिका रही। 2020 में जब रामलीला शुरू हुई थी, उस समय के पर्यटन व संस्कृति मंत्री नीलकंठ तिवारी ने इस भव्य आयोजन का शुभारंभ किया था, जबकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसे वैश्विक स्तर तक पहुँचाने का मार्ग प्रशस्त किया। रामलीला समिति के संस्थापक सुभाष मलिक और शुभम मलिक ने इस आयोजन को डिजिटल क्रांति का प्रतीक बना दिया।

रामनगरी अयोध्या में मंचित यह रामलीला अब केवल भारत की नहीं रही बल्कि पूरी दुनिया की रामलीला बन चुकी है। भारत, नेपाल, श्रीलंका, पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, भूटान, म्यांमार, थाईलैंड, इंडोनेशिया, मलेशिया, सिंगापुर, वियतनाम, चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, मंगोलिया, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, यूएई, सऊदी अरब, कतर, ओमान, बहरीन, कुवैत, मॉरीशस, फिजी, त्रिनिदाद एंड टोबैगो, केन्या, नाइजीरिया, इंग्लैंड, फ्रांस, जर्मनी, इटली, स्पेन, नीदरलैंड्स, रूस, कनाडा, अमेरिका और ब्राज़ील जैसे देशों में करोड़ों रामभक्तों ने इसे देखा।

अयोध्या की रामलीला ने साबित कर दिया कि श्रीराम की कथा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि विश्व को जोड़ने वाला सांस्कृतिक सेतु है। योगी सरकार के सहयोग और डिजिटल तकनीक के संगम ने रामलीला को विश्व स्तर पर पहुँचाकर भारतीय संस्कृति की अद्भुत ध्वजा फहराई है।

श्रीराम की नगरी अयोध्या में आयोजित भव्य रामलीला इस वर्ष सितारों की जगमगाहट से और भी खास बन गई। बॉलीवुड और टीवी जगत के दिग्गज कलाकारों ने अपने अद्भुत अभिनय से इस आयोजन को यादगार बना दिया।

मशहूर अभिनेत्री भाग्यश्री ने माता सीता की भूमिका निभाई। विंदू दारा सिंह ने अपनी दमदार अदाकारी से हनुमानजी का किरदार जीवंत कर दिया। खलनायकी अंदाज के लिए प्रसिद्ध शाहबाज खान ने रावण की भूमिका निभाई।

वरिष्ठ अभिनेता अनिल धवन ने विभीषण का किरदार निभाया। हास्य अभिनेता सुनिल पाल ने नारदमुनि बनकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इसके अलावा मनोज तिवारी, रवि किशन, राकेश बेदी, रजा मुराद, अशरानी, अवतार गिल, रितु शिवपुरी, शीबा और अरुण बख्शी ने भी अपने-अपने किरदारों से रामलीला को और भव्यता प्रदान की। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आकर्षण का केंद्र बनी इस रामलीला में मिस यूनिवर्स 2024 और 2025 ने भी विशेष प्रस्तुति देकर इस आयोजन को नई ऊंचाइयां दीं।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर वर्ष चिट्ठी लिखकर अयोध्या की रामलीला समिति को अपना आशीर्वाद और शुभकामनाएं भेजते हैं। इस परंपरा ने इस आयोजन के महत्व और पवित्रता को और बढ़ा दिया है।

ड्राइविंग माई ड्रीम्स से बेटियों को स्वावलंबी बनाने की पहल

ग्रामीण क्षेत्र से कॉलेज कैंपस तक बेटियों ने थामी स्टीयरिंग

प्रदेश भर में हुई अंतरराष्ट्रीय बालिका सप्ताह की शुरुआत

लखनऊ, 03 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश भर में चल रहे मिशन शक्ति 5.0 के तहत अंतराष्ट्रीय बालिका सप्ताह की शुरुआत ड्राइविंग माई ड्रीम्स कार्यक्रम के साथ हुई। शुक्रवार को पूरे प्रदेश में आयोजित इस अभिनव पहल ने नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को नया आयाम दिया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा शुरू किए गए इस कार्यक्रम में पहले दिन 3,000 से अधिक बालिकाओं ने रजिस्ट्रेशन कराया, जिनमें ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की बेटियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। विभाग का लक्ष्य पूरे महीने में 7,500 बालिकाओं को निशुल्क ड्राइविंग प्रशिक्षण देकर उन्हें ड्राइविंग लाइसेंस दिलाना है, ताकि वे आत्मनिर्भर बनकर समाज की मुख्यधारा से जुड़ सकें।

ड्राइविंग माई ड्रीम्स केवल वाहन चलाने का प्रशिक्षण नहीं, बल्कि बेटियों के सपनों को पंख देने का सशक्त मंच है। प्रत्येक जनपद में दूरस्थ क्षेत्रों से चयनित 100-100 बालिकाओं और महिलाओं को न्यूनतम एक माह का ड्राइविंग कोर्स प्रदान किया जा रहा है। प्रशिक्षण में सड़क सुरक्षा, ट्रैफिक संकेत, आपातकालीन परिस्थितियों में वाहन नियंत्रण और महिला सुरक्षा उपायों की विस्तृत जानकारी दी जा रही है। यह पहल बालिकाओं को रोजगार और स्वरोजगार के अवसरों के साथ-साथ दैनिक जीवन में स्वतंत्रता प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

प्रदेश के विभिन्न जनपदों से ड्राइविंग प्रशिक्षण की प्रेरक झलकियां भी सामने आईं हैं। ग्रामीण क्षेत्रों की बेटियों ने पहली बार स्टीयरिंग संभालकर आत्मविश्वास की नई अनुभूति की तो वहीं महाविद्यालयों की छात्राओं ने इसे अपने करियर के लिए गेम-चेंजर बताया। कार्यक्रम में शामिल प्रशिक्षकों ने बताया कि बालिकाओं में सीखने की ललक और उत्साह देखकर यह स्पष्ट होता है कि वे इस पहल से अपने जीवन में बड़ा परिवर्तन लाएंगी। महिला एवं बाल विकास विभाग की अपर मुख्य सचिव लीना जौहरी ने कहा कि मिशन शक्ति 5.0 के तहत ड्राइविंग माई ड्रीम्स बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने का एक क्रांतिकारी कदम है। यह कार्यक्रम केवल ड्राइविंग सिखाने तक सीमित नहीं, बल्कि बेटियों को उनके सपनों की उड़ान देने का संकल्प है। वहीं विभाग की निदेशक संदीप कौर ने बताया कि आज पूरे प्रदेश में जिस तरह बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक इस कार्यक्रम में भाग लिया, उससे यह संदेश गया है कि उत्तर प्रदेश में अब बेटियां हर राह पर आत्मविश्वास से आगे बढ़ेंगी।

मिशन शक्ति 5.0 ने 22 सितंबर से 3 अक्टूबर तक 13.50 लाख लोगों तक पहुंच बनाकर नारी सशक्तिकरण का संदेश दिया है। कन्या पूजन, नुक्कड़ नाटक और अब ड्राइविंग प्रशिक्षण जैसे कार्यक्रमों ने बेटियों को सम्मान और स्वावलंबन की नई राह दिखाई है। यह पहल न केवल बेटियों की व्यक्तिगत प्रगति को बल दे रही है, बल्कि उत्तर प्रदेश को सामाजिक और आर्थिक उन्नति के पथ पर अग्रणी बना रही है। ड्राइविंग माई ड्रीम्स यूपी की बेटियों की नई उड़ान का प्रतीक है, जो मिशन शक्ति के विजन को साकार कर रहा है।

बरेली बवाल में आईएमसी के मीडिया प्रभारी समेत दो गिरफ्तार

बरेली, 03 अक्टूबर (एजेंसियां)। बरेली बवाल के मास्टरमाइंड मौलाना तौकीर रजा की पार्टी इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल (आईएमसी) के मीडिया प्रभारी मुनीर इदरीसी और फैजान सकलैनी को आज गिरफ्तार कर लिया गया। मुनीर इदरीसी काफी समय से इत्तेहादे मिल्लत कौंसिल का मीडिया प्रभारी है। सीओ प्रथम आशुतोष शिवम ने बताया कि शुक्रवार को मुनीर भागने की तैयारी में था, तभी उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि बवाल कराने के लिए उसी ने भड़काऊ पोस्ट डाली थी।

नौमहला में जहां पर ज्ञापन और प्रदर्शन के लिए आईएमसी ने जगह तय की थी, वहां आज भारी पुलिस बल मौजूद रहा। नावल्टी चौराहा से लेकर नौमहला मस्जिद और इस्लामिया मार्केट तक सिर्फ पुलिस ही दिखाई दी। नौमहला मस्जिद में लगभग दो बजे से दो-दो, चार-चार नमाजी आना शुरू हो गए थे। इस बार मस्जिद का पूरा गेट नहीं खोला गया। गेट की खिड़की के रास्ते नमाजी मस्जिद में दाखिल होते रहे और नमाज के बाद भी उसी खिड़की से एक-एक करके बाहर आते रहे। इस तरह बिना भीड़ के लोग अपने घरों और कारोबार पर वापस होते रहे। अलबत्ता नौमहला का मार्केट और इस्लामिया मार्केट की अधिकांश दुकानें भी बंद रहीं।

इसी तरह करोलान का वह इलाका जहां लाठीचार्ज हुआ था, वहां की मस्जिद में लोग बारी-बारी से आते रहे और नमाज के बाद वापस होते रहे। इस जगह की भी मस्जिद के आसपास के मार्केट की अधिकांश दुकानें बंद रहीं। खलील स्कूल के तिराहे और बैरियर से मस्जिद तक फोर्स तैनात रही। पिछले शुक्रवार को हुए बवाल में कुमार टॉकीज के पास भी लाठीचार्ज हुआ था, यहां भी भारी फोर्स तैनात रही। इसके अलावा बिहारीपुर मस्जिद, बीबीजी मस्जिद सहित मलूकपुर, जसोली, जखीरा, सराय खाम जामा मस्जिद, अरबिया काशीफुल उलूम मस्जिद, सुनहरी मस्जिद, बांस मंडी, कुतुबखाना की मस्जिदों में अमन के साथ नमाज अदा की गई। इसके बाद नमाजी वापस हो गए।

जुमे की नमाज में किसी भी मस्जिद से इमामों की ओर से कोई भी विवादित या जज्बाती बयान नहीं किया गया। बल्कि शनिवार को मनाई जाने वाली ग्यारहवीं शरीफ के संबंध में गौस पाक हजरत अब्दुल कादिर जिलानी के संबंध में तकरीर की। उनकी करामात और किरदार पर रोशनी डालते हुए अमल करने की ताकीद की। साथ ही, इस्लाम पर चलने की ताकीद करते हुए रसूले पाक के बताए रास्ते पर चलने की नसीहत की। खासतौर से शहर में अमन बरकरार रखने के लिए मुस्लिमों से अपील करते हुए तमाम नसीहतें भी दीं।

बहराइच हिंसा मामले में 8 उपद्रवी एनएसए में गए जेल

बहराइच, 03 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले में कानून-व्यवस्था को मजबूत करने के लिए प्रशासन ने बड़ा कदम उठाया है। जिले के 8 कुख्यात अपराधियों को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत हिरासत में लेने का आदेश दिया गया है।

यह सख्त कार्रवाई बहराइच में हुई हिंसा की घटना के एक साल बाद की गई है। 30 सितंबर को पुलिस की रिपोर्ट के आधार पर जिलाधिकारी ने यह फैसला लिया। पुलिस अधीक्षक समेत बड़े अधिकारियों ने इस कार्रवाई की सिफारिश की थी। जिन अपराधियों पर एनएसए लगाया गया है, उनके नाम मारूफ अली, ननकऊ, नानमुन, मोहम्मद फहीम, मोहम्मद अफजल, मोहम्मद जीशान, जावेद, शोएब खान, और सैफ अली हैं। इन सभी पर हत्या, लूट, दंगा भड़काने और अन्य गंभीर अपराधों के कई मामले दर्ज हैं।

अधिकारियों का कहना है कि इन दंगाइयों की हरकतों से इलाके में डर और अशांति फैली हुई थी। एनएसए के तहत इन्हें कम से कम 12 महीने तक जेल में रखा जाएगा। इस कार्रवाई से अपराधियों का हौसला टूटेगा और आम जनता को राहत मिलेगी। पुलिस ने बताया कि यह कार्रवाई अक्टूबर 2024 में दुर्गा विसर्जन जुलूस के दौरान हरदी थाना क्षेत्र में हुई सांप्रदायिक हिंसा से जुड़ी है, जिसमें एक हिंदू युवक रामगोपाल मिश्रा को पहले तलवारों से काटा गया फिर बाद में गोली मारी गई थी। प्रशासन ने साफ संदेश दिया है कि जो भी भविष्य में कानून तोड़ेगा, उसके खिलाफ इसी तरह सख्त कार्रवाई की जाएगी। इन अपराधियों की संपत्तियों पर भी निगरानी रखी जा रही है ताकि कोई भाग न सके।

मां पाटेश्वरी शक्ति संवाद के जरिए होगा महिलाओं की समस्या का समाधान

देवीपाटन मंडल में शुरू की गई अनूठी पहल

लखनऊ, 03 अक्टूबर (एजेंसियां)। योगी सरकार द्वारा प्रदेश भर में महिलाओं और बेटियों को आत्मनिर्भर, स्वावलंबी बनाने एवं सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराने के लिए मिशन शक्ति अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत सीएम योगी के मार्गदर्शन में देवीपाटन मंडल में महिलाओं और बेटियों के सर्वांगीण उत्थान एवं समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए अनूठी पहल मां पाटेश्वरी शक्ति संवाद संवाद से सशक्तिकरण की ओर कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

इसकी शुरुआत रामनवमी के अवसर पर बेटियों के साथ संवाद से हुई। वहीं, हर सोमवार को देवीपाटन मंडल कार्यालय में विशेष रूप से महिलाओं और बेटियों की मां पाटेश्वरी शक्ति संवाद कार्यक्रम में सुनवाई की जाएगी। इतना ही नहीं उनकी समस्याओं के निस्तारण के लिए एक विशेष टीम बनायी गयी है, जिसमें महिला अधिकारियों को शामिल किया गया है, जो प्राथमिकता के आधार पर उनकी समस्याओं को निस्तारण करेंगी। इस पहल की मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी सराहना की। बता दें कि पूरे प्रदेश में देवीपाटन मंडल पहला मंडल है, जहां पर महिलाओं के लिए विशेष जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसके अलावा रामनवमी के अवसर पर कार्यक्रम के तहत बेटियों को मंडलायुक्त ने अपने आवास पर पत्नी के साथ कन्या पूजन किया और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

देवीपाटन मंडलायुक्त शशि भूषण लाल सुशील ने बताया कि मंडल की बेटियों और महिलाओं को समाज के मुख्यधारा से जोड़ने, योगी सरकार की योजनाओं का लाभ देने, उनकी समस्याओं के त्वरित निस्तारण एवं सर्वांगीण विकास के लिए मां पाटेश्वरी शक्ति संवाद संवाद से सशक्तिकरण की ओर कार्यक्रम की पहल की गयी है। इसके तहत हर सोमवार को महिलाओं और बेटियों के लिए विशेष जनसुनवाई का आयोजन किया जाएगा।

इन दौरान प्राथमिकता के आधार पर उनके सर्वांगीण विकास के साथ हर समस्या के समाधान पर विशेष फोकस किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम को तीन भागों में विभाजित किया गया है। इसका पहला मुख्य अंग जनसुनवाई है। इसके तहत मंडल मुख्यालय में हर सोमवार को 12 बजे से 2 बजे महिलाओं एवं बच्चों की समस्याओं पर महिला अधिकारी के साथ कर्मचारी की उपस्थिति में विशेष सुनवाई की जाएगी। वहीं मामले की जांच और आवश्यक कार्रवाई के लिए यथासंभव महिला अधिकारी एवं कर्मचारी को नामित किया जाएगा। साथ ही आवश्यकता होने पर समस्या के निराकरण के लिए संबंधित अधिकारी और जांच टीमें उसी दिन स्थलीय निरीक्षण के लिए भेजी जाएगी। इसके अलावा समस्या के निराकरण के लिए महिला हेल्प डेस्क स्थापित की जाएगी। महिला हेल्प डेस्क पर मोबाइल फोन कॉल एवं व्हाट्सएप मैसेज के जरिये भी शिकायतें प्राप्त की जाएंगी।

कार्यक्रम का दूसरा अंग सम्मान है। इसमें विकसित उत्तर प्रदेश-2047 के उद्देश्य से बनायी गयी 3 थीम और 12 सेक्टरों के संबंध में समर्थ उत्तर प्रदेश.यूपी.जीओवी.इन पर मंडल में सबसे अच्छा फीडबैक देने वाली महिलाओं और बेटियों को मंडल स्तर पर पुरस्कृत किया जाएगा। साथ ही चिन्हित 12 सेक्टर्स में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को विकसित देवीपाटन मंडल-2047 के ब्रांड अंबैसेडर के रूप में प्रस्तुत करते हुए उन्हें पुरस्कृत किया जाएगा। कार्यक्रम का तीसरा अंग सशक्तिकरण है। इसमें मंडल स्तर पर सम्मान प्राप्त करने वाली महिलाओं द्वारा मंडल में महिला जागरूकता एवं सशक्तिकरण के लिए योगदान दिया जाएगा। मंडल प्रशासन की ओर से पात्र महिलाओं एवं बेटियों को प्राथमिकता के आधार पर शासन की योजनाओं से लाभान्वित किया जाएगा। उन्हे विधिसम्मत अधिकार दिलाने के लिए कार्य किये जाएंगे। महिलाओं को कौशल विकास, स्वयं सहायता समूह, जीरो पावर्टी अभियान, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान समेत विभिन्न योगी सरकार की योजनाओं से स्वावलंबी बनाया जाएगा।

मंडलायुक्त शशि भूषण लाल सुशील ने बताया कि मां पाटेश्वरी शक्ति संवाद संवाद से सशक्तिकरण की ओर कार्यक्रम का शुभारंभ रामनवमी के अवसर पर किया गया, जिसमें मंडल कार्यालय में विभिन्न विद्यालयों की 20 से अधिक छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

इस दौरान उन्होंने नारी सशक्तिकरण तथा विकसित भारत 2047 को लेकर अपने विचार और सुझाव आयुक्त सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत किए। कई छात्राओं ने महिला सुरक्षा, शिक्षा में समान अवसर, तकनीकी कौशल विकास, ग्रामीण क्षेत्रों में कैरियर मार्गदर्शन केंद्र तथा बेटियों के लिए विशेष प्रतिभा प्रोत्साहन योजनाओं जैसे नवोन्मेषी प्रस्ताव रखे।

उनके इन सुझावों पर आयुक्त सहित उपस्थित अधिकारियों ने तालियां बजाकर उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में श्रेष्ठ विचार एवं सुझाव प्रस्तुत करने वाली छात्राओं को सम्मानित भी किया गया। आयुक्त और उनकी पत्नी गरिमा भूषण ने विजेता बालिकाओं को नकद पुरस्कार प्रदान किए। एससीपीएम कॉलेज की नंदिनी को प्रथम पुरस्कार 5000 रुपये, भैया राघव राम पाण्डेय श्री गांधी इंटर कॉलेज की आकांक्षा द्विवेदी को द्वितीय पुरस्कार 3000 रुपये तथा राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की रूपा, कंपोजिट विद्यालय पथवालिया की महक और भैया राघव राम पाण्डेय श्री गांधी इंटर कॉलेज की हुनैजा को दो-दो हजार रुपये का तृतीय पुरस्कार दिया गया। इसके अतिरिक्त सभी प्रतिभागी छात्राओं को आकांक्षा समिति की ओर से एक-एक हजार रुपये का प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाली बेटियों का मंडलायुक्त आवास पर कन्या पूजन किया गया। आयुक्त दंपत्ति ने कन्या पूजन के बाद कन्याओं के पांव पखार कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके बाद आयुक्त दंपत्ति ने कन्याओं को उपहार भेंट किये, जिसे पाकर बेटियों का चेहरा खिल उठा। मंडला आयुक्त ने कहा कि नवरात्रि शक्ति साधना का पर्व है और कन्याओं का सम्मान ही सबसे बड़ी आराधना है। आज की बेटियां हर क्षेत्र में शक्ति पुंज बनकर देश, प्रदेश और जिले का नाम रोशन कर रही हैं। शिक्षा, खेल, प्रशासन, विज्ञान और रक्षा जैसे क्षेत्रों में बेटियों ने अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल कर यह सिद्ध कर दिया है कि वे किसी से कम नहीं हैं।

संविधान के नाम पर बेरोकटोक चल रहा जुआ क्लब!

आसिफाबाद, 3 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

महाराष्ट्र व तेलंगाना की सीमा पर प्राणहिता नदी के पास विगत कुछ दिनों से हाई-फाई जुआ क्लब चलाया जा रहा है। पुलिस व प्रशासन की मेहरबानी से यह जुआ क्लब निर्बाध रूप से संचालित हो रहा है। आलीशान वाहनों से आने वाले जुआरियों के लिए फाइव स्टार सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। शराब व खानपान की व्यवस्था भी यहां मौजूद है। सबसे शर्मनाक बात यह है कि इस क्लब को संविधान का नाम दिया गया है। भारत के इतिहास में पहली बार किसी अवैध गतिविधि को संविधान का नाम दिया गया है। बताया जाता है कि जिलाधीश द्वारा इस क्लब को अनुमति दी गई है, जिस पर तरह-तरह के सवाल उठ रहे हैं।

*** प्रशासन की अनुमति पर उठ रहे सवाल**
*** मनोरंजन की आड़ में करोड़ों की जुएबाजी**
*** नशे का सामान और अय्याशी का खुला बाजार**

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार यह हाई-फाई जुआ क्लब सुबह 10 से रात 10 बजे तक संचालित होता है। जानकारों के मुताबिक यदि क्लब को मनोरंजन के लिए अनुमति दी गई है, तो वहां ताश पर जुआ नहीं खेला जाना चाहिए। प्लास्टिक की करंसी पर जुआ खेला जा सकता है। सूत्र बताते हैं कि महाराष्ट्र व तेलंगाना के रईस आलीशान कारों में यहां पहुंचते हैं। लाखों रुपए की हार-जीत होती है। एक अनुमान के मुताबिक रोज़ाना करोड़ों रुपए का लेन-देन होता है। जुआ खेलने वालों की सेवा में पान, बीड़ी, सिगरेट व शराब उपलब्ध कराई जाती है। अनेक लोगों को शंका है कि नशे के कई पदार्थ भी यहां खातिरदारी के रूप में परोसे जाते हैं। लोगों को शक है कि गांजा, चरस व एमडी ड्रग्स भी यहां जुआरियों को दी जाती है।

तेलंगाना व महाराष्ट्र की सीमा पर अय्याशी का साजोसामान खुलेआम उपलब्ध है। क्लब संचालक द्वारा सिंगापुर, थाईलैंड की तर्ज पर जुआ क्लब चलाया जा रहा है। विशेष यह कि केसरिया व नीले गणवेश में अनेक सेवादार यहां उपलब्ध हैं। उनकी टी-शर्ट पर संविधान क्लब अंकित है। भारत के लिए संविधान आत्मा है, जिसे सर्वत्र पूजा जाता है। बावजूद इसके एक क्लब को संविधान का नाम देना और प्रशासन द्वारा अनुमति प्रदान करना गंभीर सवाल खड़े करता है। अगर संविधान नाम से प्रशासन को परहेज नहीं है, तो आने वाले दिनों में हिंदू धर्म के देवी-देवताओं के नाम पर भी अनुमति देने में गुरेज नहीं रहेगा।

यहां जुआ खेलने आने वाले हाई-फाई लोगों के लिए खानपान व भोजन का प्रबंध किया जाता है। घरेलू सिलेंडर का इस्तेमाल कर भोजन पकाया जाता है। भंडारे की तरह भोजन की व्यवस्था की जाती है। यहां अवैध रूप से शराब भी उपलब्ध है।

कुल मिलाकर संविधान क्लब महाराष्ट्र व तेलंगाना की छाती पर मुंग दल रहा है। मनोरंजन की आड़ में झंडामुंडी, चक्री, तीन पत्ती, रमी जैसे खेल होते हैं। इक्का चादशाह पर लाखों की खायवाली की जाती है। मजे की बात यह कि यहां सट्टा भी खेला जाता है। पुलिस की इस ओर नजर न होने पर आश्चर्य व्यक्त किया जा रहा है।

मारवाड़ी समाज द्वारा नवरात्र पर डांडिया-गरबा का आयोजन

गरबा और डांडिया में युवाओं का उत्साह झलका

चेन्नूर, 4 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

नवरात्र के पावन अवसर पर मारवाड़ी समाज के नेतृत्व में चेन्नूर स्थित माहेश्वरी भवन में डांडिया और गरबा का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन पुरुषोत्तम गिल्डा, पवन बजाज, जितेंद्र बजाज और महेश गिल्डा की देखरेख में हुआ।इस आयोजन में महिलाओं, पुरुषों, युवकों और युवतियों ने भारी संख्या में भाग लेकर डांडिया और गरबा का आनंद उठाया। पारंपरिक वस्त्रों और रंग-बिरंगे परिधानों से माहौल उल्लास और भक्ति से सराबोर हो गया।इस मौके पर कोयल सोमानी, त्रिशा गिल्डा, सोनाली बजाज, रूपाली बजाज, गुंजन बजाज, अंचल सोमानी, श्रुति आसावा, आरुषि गिल्डा, वैष्णवी सोमानी, श्रद्धा सोमानी और वेदिका गिल्डा द्वारा किए गए आध्यात्मिक गरबा ने उपस्थित श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। उनकी प्रस्तुतियों से माहेश्वरी भवन का वातावरण पूरी तरह भक्ति से ओतप्रोत हो गया।कार्यक्रम का उद्देश्य केवल धार्मिक आयोजन तक सीमित नहीं था, बल्कि इसके पीछे युवा पीढ़ी में सांस्कृतिक चेतना जगाने, नृत्य के माध्यम से पारंपरिक कला को जीवित रखने और महिला सशक्तिकरण को प्रोत्साहित करने का भाव जुड़ा हुआ था।प्रबंधकों ने कहा कि नवरात्र जैसे उत्सव केवल धार्मिक ही नहीं, बल्कि हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक हैं। इन्हें युवा पीढ़ी तक पहुंचाना हमारा कर्तव्य है।

बारिश से हुए नुकसान की भरपाई के लिए सिंगरेनी सीएमडी का उत्पादन बढ़ाने का आह्वान

मंचेरियाल, 03 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक एन. बलराम ने पिछले तीन महीनों के दौरान भारी बारिश से हुए नुकसान की भरपाई के लिए कोयला उत्पादन बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया।सीएमडी ने बताया कि लगातार बारिश के कारण चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में उत्पादन लक्ष्य का केवल 91 प्रतिशत और परिवहन लक्ष्य का 93 प्रतिशत ही हासिल किया जा सका। इस कमी की भरपाई के लिए अगले छह महीनों के उत्पादन लक्ष्यों को संशोधित कर बढ़ा दिया गया है। उन्होंने बताया कि वर्ष के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए प्रतिदिन 2.25 लाख टन कोयले का उत्पादन और परिवहन, तथा 14 लाख घन मीटर ओवरबर्डन (ओबी) हटाना अनिवार्य है।

बलराम, जिन्होंने कोठागुडेम स्थित सिंगरेनी मुख्यालय से वीडियो कॉन्फ्रेंस के ज़रिए सभी क्षेत्रीय महाप्रबंधकों के साथ एक विशेष समीक्षा की, ने कहा कि कंपनी के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए पिछले दो महीनों में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि सिंगरेनी ने महत्वपूर्ण खनिज अन्वेषण के क्षेत्र में कदम रखा है और कोयला ब्लॉकों व अन्य खनिजों की नीलामी में भाग लेने के लिए सरकारी मंज़ूरी भी हासिल की है।

कंपनी की विस्तार योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए बलराम ने कर्मचारियों से सिंगरेनी की वित्तीय स्थिति को स्पष्ट रूप से समझने का आग्रह किया और जोर देकर कहा कि प्रत्येक कर्मचारी को पूरे आठ घंटे की शिफ्ट में काम करना चाहिए तथा कंपनी के अस्तित्व को मजबूत करने के लिए कार्य संस्कृति में सुधार पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

मैलारा मल्लन्ना देवरा पालकी उत्सव का भव्य आयोजन

बीदर, 3 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

विजयादशमी उत्सव के उपलक्ष्य में, बीदर जिले के भालकी तालुका स्थित मैलारा मल्लन्ना मंदिर परिसर में मल्लन्ना देवरा पालकी एवं रथोत्सव का आयोजन बड़े धूमधाम से किया गया। इस आयोजन के चलते मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में धार्मिक उल्लास और भक्ति की अद्भुत छटा देखने को मिली।

विजयादशमी के अवसर पर रात लगभग 11 बजे, वन एवं बीदर जिला प्रभारी मंत्री ईश्वर खंड्रे ने पालकी एवं रथोत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मैलारा मल्लन्ना मंदिर को 'दक्षिणा काशी' के रूप में जाना जाता है और इस अवसर पर यहां हर वर्ष भारी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है।

शोभायात्रा मंदिर परिसर से आरंभ होकर घृतमारी थुप्पा स्थित मालव्वा (गुरुथा मल्लम्मा) मंदिर, मुख्य मार्ग, बीदर-भालकी मार्ग से होते हुए गाँव के हनुमान मंदिर तक पहुँची। पूरी यात्रा के दौरान भक्तों ने जयकारों और भजन कीर्तन से माहौल को भक्तिमय बना दिया।पालकी महोत्सव के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें मंदिर के रक्षकों और श्रद्धालुओं ने नृत्य एवं पारंपरिक प्रस्तुतियां दीं। इस भक्ति-भाव वातावरण ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।3 अक्टूबर की सुबह लगभग 6 बजे मंदिर में महा मंगला आरती संपन्न की गई, जिसके साथ ही इस भव्य उत्सव का समापन हुआ।इस अवसर पर पूर्व मंत्री बंदेप्पा खशेमपुरा, राजशेखर पाटिल, मत्स्य निगम बोर्ड अध्यक्ष श्रीमती माला बी. नारायण राव, पूर्व विधान परिषद सदस्य अरविंद कुमार अरली, पूर्व बीडीए अध्यक्ष पंडिता चिद्री, दुग्ध संघ निदेशक मल्लिकार्जुन बिरादर सहित अनेक जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की विशेष उपस्थिति रही।

इसके अलावा, मंदिर प्रशासक बसवकल्याण सहायक आयुक्त मुकुल जैन और कार्यकारी अधिकारी अनंतराव कुलकर्णी, प्रबंधक संजीवकुमार सुंधल, मारुति पाटिल, राजकुमार पाटिल, मंदिर के मुख्य पुजारी बसप्पा हिरिवाग्गे, मल्लिकार्जुन हिरिवाग्गे, प्रकाश हिरिवाग्गे, आकाश हिरिवाग्गे, पंडिता, बीरप्पा पुजारी तथा हजारों की संख्या में भक्तों ने इस भव्य उत्सव में भाग लिया।

सिंगरेनी भूमिगत कोयला खदानों में महिलाओं ने नई ज़मीन तैयार की

मंचेरियाल, 03 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सिंगरेनी कोलियरीज़ की अंधेरी भूमिगत खदानें अब सिर्फ़ पुरुषों का क्षेत्र नहीं रहीं। देश के सबसे चुनौतीपूर्ण कार्य वातावरणों में से एक में महिलाओं ने आगे आकर कार्यभार संभाला है। भूमिगत खदानों में काम करने से लेकर प्रबंधकीय जिम्मेदारियों को संभालने तक, सिंगरेनी कोलियरीज़ कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) की महिला कर्मचारी रूढ़िवादिता को तोड़ रही हैं और अपनी योग्यता साबित कर रही हैं।

खनन क्षेत्र में महिलाओं को सशक्त बनाने, समान अवसरों को बढ़ावा देने और मानव संसाधनों के प्रभावी उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए एससीसीएल महिलाओं की भर्ती में लगातार वृद्धि कर रहा है। अपने इतिहास में पहली बार दिसंबर 2024 में भूमिगत कोयला खदानों में काम करने के लिए महिला अधिकारियों की नियुक्ति की गई। अब तक लगभग 2,000 महिलाएँ विभिन्न पदों पर कंपनी में शामिल हो चुकी हैं। खनन, विद्युत और यांत्रिक श्रेणियों में प्रबंधन प्रशिक्षुओं के रूप में भर्ती किए गए लोग भूमिगत खदानों में उप-प्रबंधक के रूप में काम कर रहे हैं। अन्य लोग कार्यशालाओं, महाप्रबंधक कार्यालयों, स्टोरों और विभिन्न विभागों में सेवा दे रहे हैं।

इस पहल को आगे बढ़ाते हुए एससीसीएल ने अब महिलाओं को खुली खदानों में भारी मशीनरी चलाने की अनुमति देने का फैसला किया है। हाल ही में सभी खदानों और विभागों को एक परिपत्र जारी किया गया है, जिसके अनुसार सामान्य सहायक या बादिली कर्मचारी के रूप में कार्यरत 35 वर्ष से कम आयु की और न्यूनतम सातवीं कक्षा तक शिक्षित महिलाएं ऑपरेटर पदों के लिए आवेदन करने के लिए पात्र होंगी।

एक और पहली बार, खदान बचाव कार्यों में भाग लेने के लिए 13 सदस्यीय महिला बचाव दल का गठन किया गया है। इस दल ने इस वर्ष जुलाई में 14 दिनों का विशेष प्रशिक्षण लिया। जहाँ महिलाएँ अपनी भूमिकाओं में ढल रही हैं और बिना किसी कठिनाई के अपना काम कर रही हैं, वहीं भूमिगत खदानों में तैनात महिलाओं को शौचालयों की कमी के कारण कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ट्रेड यूनियनों ने एससीसीएल प्रबंधन से भूमिगत खदानों में शौचालयों का निर्माण करने और स्वच्छता सुविधाओं में सुधार के लिए सफाईकर्मियों की नियुक्ति करने का आग्रह किया है।

इसके अलावा, एससीसीएल ने महिलाओं की भागीदारी को और मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। जनवरी 2025 से एक ओपन-कास्ट माइन और मार्च 2025 से एक अंडरग्राउंड माइन को पूरी तरह से महिलाओं के लिए आरक्षित करने की योजना बनाई गई है, जहां सभी कार्यकर्ता और स्टाफ महिलाएं ही होंगी। यह कदम न केवल लिंग समानता को बढ़ावा देगा, बल्कि महिलाओं को स्वतंत्र रूप से नेतृत्व करने का अवसर भी प्रदान करेगा।

महिला बचाव दल की सफलता को देखते हुए, कंपनी ने इस टीम को दिसंबर 2025 के अंत तक 35 सदस्यों तक विस्तार करने का लक्ष्य रखा है। प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं ने आपातकालीन स्थितियों में कुशलता दिखाई, जो खनन उद्योग में एक नया आयाम जोड़ रहा है। एक दल सदस्य ने कहा, यह प्रशिक्षण हमें न केवल शारीरिक रूप से मजबूत बना रहा है, बल्कि आत्मविश्वास भी दे रहा है कि हम पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम कर सकती हैं।

हालांकि, चुनौतियां बरकरार हैं। ट्रेड यूनियनों के अलावा, विशेषज्ञों का मानना है कि सुरक्षा उपकरणों और स्वास्थ्य सुविधाओं में निवेश बढ़ाने की जरूरत है।

एससीसीएल प्रबंधन ने इन मांगों पर विचार करने का आश्वासन दिया है, जो महिलाओं की बढ़ती उपस्थिति को सतत बनाने में सहायक सिद्ध होगा। कुल मिलाकर, सिंगरेनी की यह यात्रा खनन क्षेत्र में लिंग समानता की दिशा में एक मील का पत्थर साबित हो रही है।

बेल्लमपल्ली क्षेत्र महाप्रबंधक के खिलाफ तत्काल कार्रवाई हो : बोगे उपेंद्र

बेल्लमपल्ली / आसिफाबाद, 03 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। एआईटीयूसी बेल्लमपल्ली क्षेत्रीय अध्यक्ष बोगे उपेंद्र ने सिंगरेनी बेल्लमपल्ली क्षेत्र महाप्रबंधक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। शुक्रवार को ट्रक चालकों और क्लीनरों को प्रोत्साहन राशि देने के लिए राज्यव्यापी रोको आंदोलन किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए, एआईटीयूसी बेल्लमपल्ली क्षेत्र अध्यक्ष बोगे उपेंद्र ने कहा कि बेल्लमपल्ली क्षेत्र महाप्रबंधक की लापरवाही के कारण अभी तक श्रमिकों को प्रोत्साहन राशि का भुगतान नहीं किया गया है। महाप्रबंधक ठेकेदारों द्वारा दिए जाने वाले कमीशन के आदी हो गए हैं और ठेकेदारों के साथ धोखाधड़ी कर रहे हैं। एआईटीयूसी गोलेटी सीएचपी में ट्रक चालकों और क्लीनरों को 5,500 रुपये का विशेष प्रोत्साहन भुगतान करने के लिए राज्यव्यापी रोको आंदोलन करेगी।सिंगारेनी संस्था ने कहा कि 5,500 रुपये का विशेष प्रोत्साहन राशि राज्य सरकार द्वारा घोषित 5500 रुपये की राशि अभी तक ट्रक चालकों को खेलों के लिए वितरित नहीं की गई है, जिसके कारण श्रमिक उत्सव के दौरान उपवास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय महाप्रबंधक की लापरवाही के कारण श्रमिकों को उत्सव के दौरान उपवास करना पड़ रहा है। उन्होंने मांग की कि पात्र ट्रक चालकों को तुरंत 5500 रुपये का विशेष प्रोत्साहन भुगतान किया जाए। उन्होंने लापरवाह क्षेत्रीय महाप्रबंधक और अन्य अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग की। इस विरोध प्रदर्शन में भाकपा मंडल सचिव रैला नरसैया, श्रमिक अशोक, सतीश, राजशेखर राजलिंग, श्रीकांत, श्रीनिवास, रविंदर, राजन्ना, वेंकटेश, हनुमंतु, श्याम राव, विष्णुवर्धन, गोपाल और अन्य शामिल हुए।इस आंदोलन ने सिंगरेनी कोलियरी के अन्य क्षेत्रों में भी लहर पैदा कर दी है।

महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा पुलिस विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता : कांतिलाल पाटिल

आसिफाबाद, 3 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला पुलिस अधीक्षक कांतिलाल पाटिल, आईपीएस ने आज एक बयान में कहा कि जिले की महिलाएं और युवतियां हिंसा का शिकार होने पर निडर होकर पुलिस से संपर्क कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि शीट टीम, महिला तस्करी विरोधी टीम और भरोसा केंद्र महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि छात्राओं व महिलाओं को अपने साथ अन्याय होने पर घबराना नहीं चाहिए और यदि वे साहस के साथ आगे आकर शिकायत करें तो आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने बताया कि कॉलेज व स्कूल की छात्राओं के लिए रैगिंग, ईवी टीजिंग, फॉक्सो, शीट टीम, महिला तस्करी विरोधी गतिविधियों के संबंध में शीट टीम, भरोसा टीम व संबंधित पुलिस थाना अधिकारियों के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि यदि महिलाओं के साथ कार्यस्थल पर कोई हिंसा होती है तो वे शीट टीम से संपर्क करें। उन्होंने बताया कि सितंबर माह में शीट टीम द्वारा जिले भर में 96 हॉटस्पॉट स्थानों की पहचान की गई, 28 जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए और 11 लोगों को रंगे हाथों पकड़ा गया, 10 शिकायतों में 06 एफआईआर दर्ज की गईं और 11 मामलों में परामर्श दिया गया। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग छोटे बच्चों व महिलाओं की सुरक्षा के संबंध में कड़े कदम उठाएगा। महिलाओं को सलाह दी जाती है कि वे फेसबुक, व्हाट्सएप व इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया का उपयोग करते समय बहुत सावधानी बरतें और फोटो व वीडियो पोस्ट करते समय व्यक्तिगत सुरक्षा के सभी प्रकार के सुरक्षा उपाय करें।

अगर किसी महिला या बच्चे को परेशान किया जा रहा है, तो जो लोग सीधे पुलिस से संपर्क नहीं कर सकते, वे शी टीम से संपर्क करें। एसपी ने कहा कि जिले भर में दो शी टीमें काम कर रही हैं और सूचना आसिफाबाद डिवीजन शी टीम नंबर 8712670564, कागज़नगर डिवीजन शी टीम नंबर 8712670565 या 100 नंबर पर दें, और सूचना देने वालों का विवरण गोपनीय रखा जाएगा।इस पहल ने आसिफाबाद जिले में महिलाओं की सुरक्षा को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जो तेलंगाना पुलिस की शी टीम की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। क्रॉस रेफरेंस के रूप में, तेलंगाना के पड़ोसी अदिलाबाद जिले मेंशी टीम ने गणेश नव रात्रि उत्सव के दौरान रानी सतीश कॉलोनी में महिलाओं को परेशान करने वाले 5 अपराधियों को रंगे हाथों पकड़ा, जो इसी तरह की त्वरित कार्रवाई का उदाहरण है।

इसी प्रकार, राज्य स्तर पर शी टीम ने 2024 में व्हाट्सएप नंबर के माध्यम से 549 शिकायतों का निपटारा किया, जिसमें मोबाइल उत्पीड़न से लेकर छेड़छाड़ तक के मामले शामिल थे, जो एसपी पाटिल की स्थानीय पहल को मजबूत करता है। एक अन्य क्रॉस कनेक्शन में, हैदराबाद में डक्ए ढशराी ने नवंबर 2024 में भोज रेड्डी इंजीनियरिंग कॉलेज और कोटी विमेंस कॉलेज में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए, जहां छात्राओं को रैगिंग और सोशल मीडिया सुरक्षा पर प्रशिक्षण दिया गया, जो आसिफाबाद के 28 कार्यक्रमों से जुड़ता है और पूरे राज्य में एकसमान प्रयासों को दर्शाता है। ये घटनाएं बताती हैं कि तेलंगाना पुलिस की डक्ए ढशराी न केवल स्थानीय स्तर पर सक्रिय हैं, बल्कि राज्यव्यापी रूप से महिलाओं की सुरक्षा को प्राथमिकता दे रही हैं, जिससे अपराधियों में भय का माहौल बन रहा है।

अखिल भारतीय मराठी साहित्य महामंडल का 63वां स्थापना दिवस समारोह आज से

भालकी (बीदर जिला), 4 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अखिल भारतीय मराठी साहित्य महामंडल का 63वां स्थापना दिवस समारोह 4 और 5 अक्टूबर को कलबुर्गी में बड़े उत्साह के साथ आयोजित किया जाएगा। इस समारोह का आयोजन कर्नाटक राज्य मराठी साहित्य परिषद, कलबुर्गी द्वारा किया जा रहा है। इसकी जानकारी आयोजक संस्था के अध्यक्ष एवं अ.भा. मराठी साहित्य महामंडल के उपाध्यक्ष गुरय्या रे. स्वामी ने दी।

समारोह की अध्यक्षता सुप्रसिद्ध साहित्यकार और वरिष्ठ हास्य कवि अशोक नायगांवकर करेंगे। इस अवसर पर फरवरी 2025 में नई दिल्ली में सम्पन्न 98वें अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन की अध्यक्ष डॉ. तारा भवाळकर भी उपस्थित रहेंगी।

उद्घाटन शनिवार, 4 अक्टूबर को दोपहर 3 बजे होगा। उद्घाटन आलंद विधायक एवं नीति एवं योजना आयोग के उपाध्यक्ष बी. आर. पाटील करेंगे। मुख्य अतिथि के रूप में विधायक मारूतीराव मुळे, सचिन कल्याणशेट्टी, डॉ. दिनकर मोरे और प्रख्यात उद्योजक श्रीराम पवार शामिल होंगे।इस अवसर पर स्वागताध्यक्ष मिलिंद जोशी, अध्यक्ष अ.भा. मराठी साहित्य महामंडल, कार्यवाह सुनिताराजे पवार तथा कोषाध्यक्ष विनोद कुलकर्णी उपस्थित रहेंगे।

शनिवार शाम 5:15 से 7:00 बजे तक बहुभाषिक कवि सम्मेलन का आयोजन होगा। इसकी अध्यक्षता प्रा. देवदास फुलारी करेंगे। इसमें सोलापुर, विजयपुर, बीदर, भालकी, बसवकल्याण सहित स्थानीय नामचीन कवि हिस्सा लेंगे।

रविवार, 5 अक्टूबर को सुबह 11 बजे हास्य साहित्य : आज की वास्तविकता और भविष्य विषय पर परिसंवाद आयोजित किया जाएगा। इसमें डॉ. रणधीर शिंदे (कोल्हापुर), डॉ. रवींद्र तांबोळी (पुणे), डॉ. कैलास अंबुरे (संभाजीनगर), प्रा. सर्वोत्तम सताळकर (कलबुर्गी) और कावेरी गजाकोश (विजयपुर) भाग लेंगे।इसी कार्यक्रम में कर्नाटक के वरिष्ठ मराठी साहित्यकारों - श्रीमती सुमन शेगेदार (कलबुर्गी), व्यंकटेश देवनपल्ली (बेंगलुरु) और प्रा. व्ही. टी. मास्ते (रायचूर) - का सम्मान भी किया जाएगा।समारोह की तैयारियों में कर्नाटक राज्य मराठी साहित्य परिषद के सरकार्यवाह प्रा. विजयकुमार चौधरी, कार्यवाह प्रभाकर सलगरे, कोषाध्यक्ष मिलिंद उमाळकर सहित अन्य पदाधिकारी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

भारत इस दौर में विनिर्माण क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व हासिल करने का संकल्प ले

चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने महिंद्रा ग्रुप की 80वीं वर्षगांठ पर दिया बयान

नई दिल्ली,03 अक्टूबर (एजेंसियां)। महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने कहा कि मौजूदा अस्थिर समय भारत के लिए तकनीकी आत्मनिर्भरता हासिल करने का बड़ा अवसर लाया है। उन्होंने कहा कि देश को इस दौर में विनिर्माण क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व हासिल करने का संकल्प लेना चाहिए। यह बयान उन्होंने महिंद्रा ग्रुप की 80वीं वर्षगांठ पर दिया। साल 1945 में स्थापित यह समूह आज 100 से ज्यादा देशों में 3,24,000 कर्मचारियों के साथ दुनिया का प्रमुख बहुराष्ट्रीय समूह बन चुका है।

आनंद महिंद्रा ने कहा कि महिंद्रा ग्रुप की नींव उस समय रखी थी जब भारत आजादी के लिए संघर्ष कर रहा था। उस दौर में संस्थापकों का मकसद था देश के विकास में योगदान देना, उद्योग खड़ा करना और रोजगार पैदा करना। आज 80 साल बाद कंपनी उसी सोच के साथ आगे बढ़ाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि मौजूदा वैश्विक अस्थिरता भारत के लिए एक नया अवसर है, जिसमें देश तकनीकी और विनिर्माण क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में मजबूती से कदम रख सकता है।

महिंद्रा ग्रुप का मानना है कि मौजूदा भू-राजनीतिक और आर्थिक परिस्थितियां चुनौतीपूर्ण जरूर हैं, लेकिन भारत के पास वैश्विक विनिर्माण शक्ति बनने का अवसर भी है। बढ़ते इंफ्रास्ट्रक्चर, विशाल युवा कार्यबल और सरकार की अनुकूल नीतियां इस दिशा में भारत को मजबूती देती हैं। आने वाले समय में भारत सिर्फ उपभोक्ता ही नहीं बल्कि वैश्विक स्तर पर तकनीक और मैन्युफैक्चरिंग का निर्माता बनकर उभरेगा।

महिंद्रा समूह के सीईओ और प्रबंध निदेशक अनीश शाह ने कहा कि कंपनी आज भी अपने संस्थापकों के मूल सिद्धांतों- उद्यमिता, ईमानदारी, विविधता और भारत के भविष्य के प्रति निडर आशावाद को आगे बढ़ा रही है। इन्हीं मूल्यों की वजह से समूह आज नवाचार, समुदाय सशक्तिकरण और सकारात्मक वैश्विक बदलाव की दिशा में काम कर रहा है। उन्होंने भरोसा जताया कि आने वाले समय में महिंद्रा ग्रुप भारत की तकनीकी आत्मनिर्भरता की यात्रा में अहम भूमिका निभाएगा।

न्यूज ब्रीफ

भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता में तेजी, समझौते की उम्मीद, अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि ने भारत के रुख को बताया व्यावहारिक

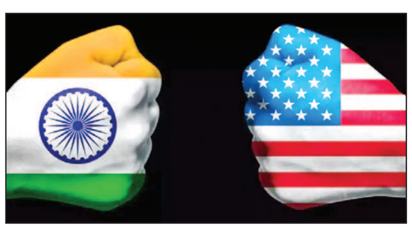

वाशिंगटन। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ताओं ने रफ्तार पकड़ ली है। अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) ने भारत के दृष्टिकोण को व्यावहारिक बताते हुए कहा कि दोनों देश पारस्परिक समझौते की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। न्यूयॉर्क इकोनॉमिक क्लब में अनौपचारिक चर्चा के दौरान ग्रीर ने संकेत दिए कि बातचीत सकारात्मक दिशा में है। उन्होंने कहा कि हम पहले दिन से ही भारतीयों के साथ व्यापार के मुद्दों पर बातचीत कर रहे हैं। 50 फीसदी टैरिफ में से आधा व्यापार से जुड़ा है और इस पर हम समझौते की कोशिश कर रहे हैं। भारत के वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और ग्रीर के बीच 22 सितंबर को हुई बैठक के बाद यह बयान सामने आया है। भारतीय वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, दोनों पक्षों ने समझौते के संभावित ढांचे पर चर्चा की और जल्द निष्कर्ष पर पहुंचने की उम्मीद जताई। रूसी तेल खरीद को लेकर लगे 25 फीसदी अतिरिक्त अमेरिकी टैरिफ पर भी चर्चा हुई। ग्रीर ने कहा कि अमेरिका भारत पर कुछ थोप नहीं रहा, बल्कि यूक्रेन संघर्ष को समाप्त करने के प्रयासों में सहयोग चाहता है। उन्होंने स्वीकार किया कि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों में बदलाव कर रहा है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी भारत को महत्वपूर्ण साझेदार बताया और संकेत दिए कि अमेरिका टैरिफ में राहत पर विचार कर सकता है। यह बातचीत दर्शाती है कि दोनों देशों के संबंध केवल व्यापार तक सीमित नहीं हैं, बल्कि रणनीतिक और ऊर्जा सुरक्षा जैसे विषयों से भी गहराई से जुड़े हैं।

नौ महीने में ही एफआईआई ने निकाले 2 लाख करोड़

नई दिल्ली। साल 2025 भारतीय शेयर बाजार के लिए एक चुनौतीपूर्ण साल बन गया है। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने अब तक 2 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की बिकवाली की है जो अब तक का सबसे बड़ा आउटफ्लो है। पिछले साल 2024 भी एफआईआई ने करीब 1.21 लाख करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे, लेकिन 2025 में ये आंकड़ा कई गुना बढ़ गया है। साल के खत्म होने में अभी तीन महीने बाकी हैं, ऐसे में और बिकवाली की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। एफआईआई की इस आक्रामक निकासी के पीछे कई बड़े कारण हैं। भारत में कॉरपोरेट अर्निंग्स कमजोर हुई हैं, जबकि स्टॉक्स का वैल्यूएशन महंगा बना हुआ है। साथ ही रुपया कमजोर होने से करेंसी रिस्क बढ़ा है। वैश्विक स्तर पर भूराजनीतिक तनाव और तेल की बढ़ती कीमतों ने भी अनिश्चितता को बढ़ाया है। इसके अलावा सेबी द्वारा 2024 में लागू किए गए सख्त नियमों जैसे हाई-रिस्क एफपीआई को अंतिम लाभार्थी बताने से कुछ विदेशी फंड्स ने पारदर्शिता से बचने के लिए बाजार से पैसे निकाल लिए। इस संकट के बीच घरेलू संस्थागत निवेशकों ने बाजार को सहारा दिया है।

भारत में पैसे वाले ऑनलाइन गेम्स पर प्रतिबंध नया कानून 2 अक्टूबर से लागू, ऑनलाइन गेम्स खेलने पर लगेगा भारी जुर्माना

नई दिल्ली। भारत सरकार ने ऑनलाइन गेमिंग प्रमोशन एंड रेगुलेशन एक्ट, 2025 को 2 अक्टूबर से देशभर में लागू कर दिया है। इस नए कानून के तहत पैसे वाले ऑनलाइन गेम्स पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया गया है। यदि कोई व्यक्ति या कंपनी इस नियम का उल्लंघन करती है, तो उस पर भारी जुर्माना और कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। सरकार का कहना है कि इस कदम का मुख्य उद्देश्य ऑनलाइन जुए से जुड़े सामाजिक और मानसिक जोखिमों को कम करना है। हाल के वर्षों में ऑनलाइन गेमिंग में भारी नुकसान उठाने के कारण कई युवाओं द्वारा आत्महत्या जैसे कदम उठाने की घटनाएं सामने आई थीं। इसके अलावा, सरकार को मनी लॉन्ड्रिंग और टेरर फंडिंग की गतिविधियों में भी इन प्लेटफॉर्म्स के इस्तेमाल की जानकारी मिली थी। आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि यह फैसला समाज की सुरक्षा और भविष्य को ध्यान में रखकर लिया गया है। उन्होंने कहा कि गेमिंग कंपनियों को पहले ही चेतावनी दी गई थी, लेकिन सुधार नहीं होने के कारण यह कदम उठाना पड़ा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

बच्चों के खिलाफ...

और 7,397 पीड़ित, जबकि राजस्थान में 6,180 मामले और 6,237 पीड़ित सामने आए। ये आंकड़े बताते हैं कि बच्चों के खिलाफ अपराधों में सबसे आगे ये पांच राज्य रहे।

साल 2023 में बच्चों के खिलाफ यौन अपराधों से जुड़े मामलों में, जो प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रेन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेंसेज (पॉक्सो) एक्ट के तहत दर्ज हुए, कुल 67,694 मामले और 68,636 पीड़ित सामने आए। इनमें सबसे ज्यादा मामले उत्तर प्रदेश में दर्ज हुए, जहां 8,706 घटनाएं और 8,966 पीड़ित थे। इसके बाद महाराष्ट्र में 8,639 मामले और 8,761 पीड़ित, मध्य प्रदेश में 6,517 मामले और 6,559 पीड़ित, तमिलनाडु में 4,581 मामले और 4,728 पीड़ित, जबकि कर्नाटक में 3,878 मामले और 3,992 पीड़ित दर्ज किए गए। ये पांच राज्य पॉक्सो एक्ट के तहत दर्ज अपराधों में सबसे ऊपर रहे।

साल 2023 में पॉक्सो एक्ट की धारा 4 और 6 को आईपीसी की धारा 376 के साथ मिलाकर देखे तो कुल 40,434 मामले दर्ज हुए, जिनमें 40,846 पीड़ित थे। इनमें से ज्यादातर मामले लड़कियों से जुड़े थे। 40,046 मामले और 40,423 पीड़ित। वहीं, लड़कों से जुड़े 388 मामले दर्ज हुए, जिनमें 423 पीड़ित शामिल थे। इसी तरह, पॉक्सो एक्ट की धारा 8 और 10 को आईपीसी की धारा 354 के साथ मिलाकर देखें तो कुल 22,444 मामले दर्ज हुए, जिनमें 22,868 पीड़ित थे। इनमें से 22,149 मामले लड़कियों से जुड़े थे, जिनमें 22,557 पीड़ित थीं, जबकि 295 मामले लड़कों से जुड़े थे, जिनमें 311 पीड़ित दर्ज किए गए।

साल 2023 में बच्चों से जुड़े कई गंभीर मामले पॉक्सो एक्ट और आईपीसी की धाराओं के तहत दर्ज किए गए। पॉक्सो की धारा 12 और आईपीसी की धारा 509 के तहत कुल 2,826 मामले दर्ज हुए, जिनमें 2,910 पीड़ित थे, जिनमें से 2,778 मामले लड़कियों और 48 मामले लड़कों से जुड़े थे। वहीं, पॉक्सो की धारा 14 और 15 को आईपीसी की धारा 376, 354 और 509 के साथ मिलाकर देखें तो 722 मामले दर्ज हुए, जिनमें 727 पीड़ित थे, जिनमें से 698 मामले लड़कियों और 24 मामले लड़कों से जुड़े थे।

पॉक्सो एक्ट और आईपीसी की धारा 377 के तहत 734 मामले दर्ज हुए, जिनमें 745 पीड़ित थे, इसमें 48 मामले लड़कियों और 686 मामले लड़कों से जुड़े थे। इसके अलावा, पॉक्सो की धारा 17 से 22 के तहत 534 मामले दर्ज हुए, जिनमें 540 पीड़ित थे, जिनमें से 513 मामले लड़कियों और 21 मामले लड़कों के थे। साल 2023 में बाल विवाह प्रतिबंध कानून के तहत भी 6,038 मामले दर्ज हुए, जिनमें 6,051 बच्चे पीड़ित बने। ये आंकड़े बच्चों के खिलाफ अपराधों और बाल संरक्षण की गंभीरता को स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं।

साल 2023 में साइबर अपराध/सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत बच्चों से जुड़े 1,681 मामले दर्ज हुए, जिनमें 1,736 पीड़ित थे। इसमें 1,499 मामले और 1,536 पीड़ित ऐसे थे जो बच्चों को यौन कृत्यों में दिखाने वाले सामग्री के प्रकाशन या प्रसारण से जुड़े थे। सभी अपराधों को मिलाकर देखें तो बच्चों के खिलाफ कुल 1,77,335 मामले और 1,86,521 पीड़ित दर्ज किए गए। राज्यों की स्थिति देखें तो मध्य प्रदेश में सबसे अधिक 22,393 मामले और 23,149 पीड़ित, महाराष्ट्र में 22,390 मामले और 23,555 पीड़ित, उत्तर प्रदेश में 18,852 मामले और 19,362 पीड़ित, राजस्थान में 10,577 मामले और 10,684 पीड़ित और असम में 10,174 मामले और 10,404 पीड़ित दर्ज किए गए। ये पांच राज्य बच्चों के खिलाफ अपराधों में सबसे आगे रहे।

साल 2023 में बच्चों के खिलाफ अपराधों से जुड़े मामलों के निपटान की स्थिति भी सामने आई। पुलिस द्वारा निपटाए गए मामलों की संख्या साल के अंत तक कुल 1,74,667 रही। इसमें 158 मामले जांच के दौरान रद्द किए गए, 65 मामले ठहराए गए और 82,930 मामले जांच के लिए लंबित रहे। अदालतों द्वारा निपटाए गए मामलों के अनुसार, कुल 57,424 ट्रायल पूरे किए गए, जबकि 63,335 मामले अदालतों द्वारा निपटाए गए और 5,90,755 मामले ट्रायल के लिए लंबित रहे। अभियुक्तों के निपटान के आंकड़ों के मुताबिक, बच्चों के खिलाफ अपराधों में कुल 19,371 लोग दोषी पाए गए, जिनमें 19,135 पुरुष और 236 महिलाएं शामिल थीं। वहीं, 3,290 लोग बरी किए गए (3,227 पुरुष और 63 महिलाएं) और 47,025 लोग (45,839 पुरुष और 1,186 महिलाएं) आरोपमुक्त हुए।

साल 2023 में पॉक्सो एक्ट के तहत बच्चों के पीड़ितों की उम्र और अपराधियों के संबंध से जुड़े आंकड़े सामने आए। 6 साल से कम उम्र के बच्चों में 28 लड़के और 734 लड़कियां शामिल थीं, कुल 762 पीड़ित बने। 6 से 12 साल के बच्चों में 141 लड़के और 3,088 लड़कियां, कुल 3,229 पीड़ित थे। 12 से 16 साल के समूह में 157 लड़के और 15,287 लड़कियां, कुल 15,444 पीड़ित बने। 16 से 18 साल की उम्र में 97 लड़के और 21,314 लड़कियां, कुल 21,411 पीड़ित थीं। सभी उम्र के बच्चों को मिलाकर कुल 423 लड़के और 40,423 लड़कियां, यानी 40,846 पीड़ित हुए। पीड़ितों के अपराधियों के संबंध की जानकारी देखें तो 39,076 मामले ऐसे थे जहां आरोपित पीड़ित को जानता था। इसमें 3,224 मामले परिवार के सदस्य, 15,146 मामले परिवार के दोस्त, पड़ोसी, नियोक्ता या अन्य परिचित व्यक्ति और 20,706 मामले दोस्तों, ऑनलाइन दोस्तों या विवाह के बहाने रहने वाले साथी से जुड़े थे। इसके अलावा, 1,358 मामले ऐसे थे जिनमें अपराधी अज्ञात थे या पहचाने नहीं जा पाए। कुल मिलाकर 40,434 मामले दर्ज हुए।

एनसीआरबी 2023 के आंकड़े यह साफ करते हैं कि बच्चों के खिलाफ अपराध भारत में अब भी गहरी और जड़ें जमाई समस्या बनी हुई है। अपहरण से लेकर साइबर शोषण तक सभी श्रेणियों में लगातार वृद्धि यह दर्शाती है कि मजबूत कानूनों के बावजूद बच्चे अब भी बेहद असुरक्षित हैं। मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश जैसे राज्य लगातार अपराधों की सूची में शीर्ष पर बने हुए हैं, जो प्रभावी कानून प्रवर्तन और जनता में जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता को उजागर करता है। नीतियों से आगे, असली चुनौती यह है कि मामलों की त्वरित सुनवाई हो और सबसे छोटे नागरिकों के लिए सार्थक सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

ऑपरेशन सिंदूर में ...

और यह कहां और कैसे उपलब्ध है। भारतीय वायु सेना प्रमुख ने कहा, जहां तक एलसीए एमके2 का सवाल है, मेरे हिसाब से, एलसीए एमके2 और एमके1ए का ही विस्तार है। दोनों एक ही श्रेणी के विमान हैं, लेकिन एमके2 ज्यादा हथियार ले जाने में सक्षम होगा। यह रेंज और सहनशक्ति के मामले में भी बेहतर प्रदर्शन कर पाएगा। यह बड़े हथियार ले जाने में सक्षम होगा। इसलिए यह हमारी योजना में बहुत महत्वपूर्ण है। एसयू-57 के सवाल पर वायुसेना प्रमुख ने कहा, मैं बस इतना कहना चाहता हूं कि हमें सभी विकल्पों पर विचार करना होगा, और रक्षा मंत्रालय और भारतीय वायु सेना में किसी भी हथियार प्रणाली को शामिल करने की एक निश्चित प्रक्रिया है, और उसी प्रक्रिया का पालन किया जाएगा। इसलिए जो भी आएगा वह इस बात पर निर्भर करेगा कि कौन सी जरूरतें पूरी होती हैं और हमारे लिए क्या सबसे अच्छा है।

दूसरी तरफ, बीकानेर में भारतीय थलसेना के प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना ने पाकिस्तान के 9 आतंकी ठिकानों को नष्ट किया, जिसमें 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए थे। श्रीगंगानगर जिले के घड़साना के गांव 22 एमडी में आर्मी छावनी पहुंचे सेना प्रमुख ने जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि जिस तरह से भारत ने ऑपरेशन सिंदूर 1.0 में संयम रखा है, अबकी बार भारत ये संयम नहीं रखेगा। इस बार हम आगे की कार्रवाई करेंगे और कुछ इस तरह की कार्रवाई करेंगे कि पाकिस्तान को सोचना पड़ेगा कि उसे भूगोल में रहना है या नहीं।

जनरल द्विवेदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर हमारी जिंदगी से इस तरह से जुड़ गया है कि जब तक हम जीवित रहेंगे, तब तक यह हमारे साथ रहेगा। अगर पाकिस्तान को दुनिया के नक्शे में (भूगोल में) अपनी जगह बनाए रखनी है, तो पाकिस्तान जो आतंकवाद को सरंक्षण दे रहा है, उसे अब आतंकवाद को रोकना पड़ेगा। सेना प्रमुख ने जवानों से कहा कि अब आप अपनी पूरी तैयारी करके रखें, अगर भगवान ने चाहा तो जल्द ही ये मौका मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस देश की कोई भी महिला अपनी मांग में सिंदूर लगाती है तो उस समय वो भारतीय सेना के जवानों को याद करती है, जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इस बार आतंकवाद के खिलाफ जो ऑपरेशन सिंदूर किया गया है, पूरे ऑपरेशन का नाम एक ही रखा गया था, जबकि इससे पहले जो भी ऑपरेशन किए गए हैं, उनके नाम अलग-अलग हुआ करते थे।

सेना प्रमुख ने कहा कि पहलगाम में आतंकी हमला होने के बाद जब भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था, उस समय पूरा विश्व भारत के साथ जुड़ गया था। पूरे विश्व ने इस आतंकी हमले की निंदा की थी। उन्होंने कहा- भारत ने पाकिस्तान में 9 टारगेट हिट किए थे, इनमें से 7 आर्मी ने और 2 वायु सेना की ओर से हिट किए गए थे। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने यह भी कहा कि जिन आतंकी ठिकानों को भारत ने खत्म किया था, उनका सबूत भी पूरी दुनिया को दिखाया है। अगर भारत सबूत नहीं दिखाता तो पाकिस्तान इन सबको छुपा लेता। उन्होंने कहा कि इस बार भारत पूरी तैयारी के साथ है। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ऑपरेशन सिंदूर 1.0 में अच्छा काम करने वाले सेना के तीन अधिकारियों को विशेष रूप से सम्मानित किया। कार्यक्रम में बीएसएफ की 140वीं बटालियन के कमांडेंट प्रभाकर सिंह, राजपूताना राइफल्स के मेजर रितेश कुमार और हवलदार मोहित गैरा को सम्मानित किया गया।

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने पाकिस्तान को चेतावनी दी कि उसे आतंकवाद प्रायोजन बंद करना होगा, अन्यथा वह विश्व मानचित्र पर अपनी जगह खो सकता है। ऑपरेशन सिंदूर में भारत ने आतंकी ठिकानों को नष्ट किया और सैनिकों को भविष्य के लिए तैयार रहने को कहा। राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले के अनूपगढ़ में शुक्रवार को सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने पाकिस्तान को कड़ा संदेश दिया। उन्होंने कहा कि यदि पाकिस्तान विश्व मानचित्र पर अपनी जगह बनाए रखना चाहता है, तो उसे अपनी धरती पर आतंकवाद को प्रायोजित करना बंद करना होगा। जनरल द्विवेदी ने सैनिकों को संबोधित करते हुए यह स्पष्ट किया कि भारत अब ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दिखाए गए संयम को दोहराएगा नहीं।

जनरल द्विवेदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने पूरी दुनिया को पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों के सबूत दिए। उन्होंने बताया कि यदि भारत ने ये सबूत उजागर नहीं किए होते, तो पाकिस्तान इन तथ्यों को छिपा लेता। इस ऑपरेशन में भारतीय सेना ने पाकिस्तान के भीतर नौ लक्ष्यों पर हमला किया, जिनमें से सात सेना ने और दो वायुसेना ने नष्ट किए। जनरल द्विवेदी ने स्पष्ट किया कि भारत का उद्देश्य केवल आतंकियों को निशाना बनाना था, न कि आम पाकिस्तानी नागरिकों को नुकसान पहुंचाना।

सेना प्रमुख ने सैनिकों से पूरी तरह तैयार रहने को कहा। उन्होंने कहा कि अब अपने आप को पूरी तरह तैयार रखें, यदि भगवान ने चाहा, तो मौका जल्द आएगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत इस बार पहले जैसा संयम नहीं दिखाएगा और ऐसी कार्रवाई करेगा, जो पाकिस्तान को अपनी स्थिति पर विचार करने के लिए मजबूर कर दे। सीमा के पास रहने वाले लोगों के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में जनरल द्विवेदी ने कहा कि भारत इन लोगों को आम नागरिकों के बजाय सैनिकों के रूप में देखता है। उन्होंने कहा कि वे हमारे साथ कंधे से कंधा मिलाकर युद्ध में खड़े हैं। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि आने वाला संघर्ष सिर्फ सेना का नहीं, बल्कि पूरे देश का है। उन्होंने 1965 और 1971 के युद्धों का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय भी आम नागरिकों ने सैनिकों का साथ दिया था।

सेना प्रमुख ने सीमा पर रहने वाली जनता के उत्साह की सराहना की और कहा कि उनका जोश सैनिकों का मनोबल बढ़ाता है। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि वे आगे भी हमारे साथ खड़े रहें। मैं उनकी भावना के लिए उन्हें धन्यवाद देता हूं। जनरल द्विवेदी ने बताया कि 22 अप्रैल को पहलगाम हमले के बाद शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पूरी दुनिया ने भारत का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि भारत ने केवल आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया, क्योंकि पाकिस्तान द्वारा आतंकियों को प्रायोजित किया जा रहा था।

पाकिस्तान...

इस दौरान रणधीर जायसवाल ने बांग्लादेश के गृह सलाहकार जहांगीर आलम चौधरी के भारत पर लगाए आरोपों पर कहा कि ये पूरी तरह झूठे और बेबुनियाद हैं। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार कानून-व्यवस्था संभालने में नाकाम रही है और अपनी नाकामी छिपाने के लिए दूसरों पर दोष मढ़ रही है। बेहतर होगा कि वे आत्मचिंतन करें और चटगांव हिल ट्रैक्ट्स में अल्पसंख्यकों पर हमलों और अवैध कब्जों की जांच कराएं।

अपने साप्ताहिक प्रेस वार्ता में रणधीर जायसवाल ने बताया कि अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी को 9 से 16 अक्टूबर तक नई दिल्ली आने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की ओर से यात्रा की अनुमति मिली है। रणधीर जायसवाल ने इस दौरान कहा कि भारत और चीन के बीच सीधी हवाई सेवाएं फिर से शुरू करने पर वाणिज्यिक गतिविधियां शुरू हो चुकी हैं। यह दोनों देशों के बीच संबंध सामान्य करने की दिशा में अहम कदम है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि 3 अक्टूबर भारत और रूस की रणनीतिक साझेदारी की 25वीं वर्षगांठ की तारीख होती है। 2000 में यह साझेदारी बनी थी। उन्होंने कहा कि भारत-रूस के बीच विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी है। दोनों देश व्यापार, निवेश, रक्षा, विज्ञान और तकनीक जैसे हर क्षेत्र में रिश्तों को और मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

प्रधानमंत्री मोदी देंगे ...

इसके अलावा, प्रधानमंत्री बिहार की मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना में बदलाव करके फिर से शुरू करेंगे। इसके तहत 5 लाख स्नातकों (ग्रैजुएट) को 2 साल तक हर महीने 1000 रुपए भत्ता मिलेगा। साथ ही, वह बिहार में जननायक कर्पूरी ठाकुर कौशल विश्वविद्यालय का उद्घाटन करेंगे। यह युवाओं को इंडस्ट्री के लायक शिक्षा देगा। वह बिहार के 4 विश्वविद्यालयों में नई शैक्षणिक और रिसर्च सुविधाओं की आधारशिला भी रखेंगे। पटना के पास बिहटा में एनआईटी पटना के नए कैंपस का उद्घाटन भी किया जाएगा। प्रधानमंत्री देश भर के 34 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में बने 1,200 व्यावसायिक कौशल प्रयोगशालाओं का उद्घाटन करेंगे। ये प्रयोगशालाएं नवोदय विद्यालयों और एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों में बनाई गई हैं।

टाटा और एयरबस...

दोनों को बल मिलेगा। एच125 हेलीकॉप्टर का सैन्य संस्करण एच125एम भी भारत में तैयार किया जाएगा, जिसमें उच्च स्तर के स्वदेशी पुर्जे शामिल होंगे। इसे पुराने चीता और चेतक हेलीकॉप्टरों का आदर्श उत्तराधिकारी माना जा रहा है। इस प्रोजेक्ट से भारत की आत्मनिर्भर पहल को नई ऊंचाई मिलेगी और भारतीय एविएशन सेक्टर वैश्विक स्तर पर एक बड़ी ताकत बनकर उभरेगा। टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स का इरादा एच125 हेलीकॉप्टरों की मैनुफैक्चरिंग और टेस्टिंग करने का है, जिसमें स्ट्रक्चरल मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल सिस्टम्स और कंपोनेंट को एक पूर्ण हेलीकॉप्टर में संयोजित करना, एकीकृत करना, परीक्षण करना और ग्राहकों को हेलीकॉप्टर की डिलीवरी से पहले जरूरी फाइनल उड़ान टेस्ट शामिल हैं। एच125 एफएएल टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स की ओर से भारत में निर्मित दूसरा एयरबस विमान असेंबली प्लांट है, इससे पहले गुजरात के वडोदरा में सी295 मिलिट्री एयरक्राफ्ट मैनुक्चरिंग प्लांट था।

एच125 हेलिकॉप्टर दुनिया के सबसे भरोसेमंद हेलिकॉप्टरों में से एक है। यह ऊंचाई वाले और कठिन इलाकों में आसानी से उड़ान भर सकता है। इसने माउंट एवरेस्ट पर भी लैंडिंग की है, जो इसकी ताकत और तकनीक का सबूत है। इसका इस्तेमाल मेडिकल इमरजेंसी, राहत-बचाव, पुलिस, टूरिज्म और पैसेंजर ट्रांसपोर्ट जैसे कामों में किया जाता है। टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स इस हेलिकॉप्टर के सभी पार्ट्स का असेंबली, टेस्टिंग और फाइनल उड़ान की जांच भारत में ही करेगा। पहले मेड इन इंडिया एच125 हेलिकॉप्टर की डिलीवरी 2027 की शुरुआत में होगी। इसके बाद इसे दक्षिण एशिया के अन्य देशों को भी निर्यात किया जाएगा।

भविष्य में इस हेलिकॉप्टर का मिलिट्री वर्जन एच125एम भी भारत में ही तैयार किया जाएगा, जिसमें देश में बने कंपोनेंट्स और तकनीक का ज्यादा इस्तेमाल होगा। एयरबस इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर जुर्गन वेस्टरमेयर ने कहा कि भारत हेलीकॉप्टरों के लिए एक आदर्श देश है। उन्होंने कहा कि मेड इन इंडिया हेलीकॉप्टर देश के निर्माण कार्यों में एक जरूरी टूल साबित होगा। टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स के सीईओ सुकर्ण सिंह ने कहा कि वे भारत की पहली निजी कंपनी बनकर खुश हैं जो हेलीकॉप्टर बनाएगी। इसका फायदा आम नागरिक और रक्षा जरूरतों दोनों को होगा। ये हेलीकॉप्टर बचाव कार्य, आपदा राहत, पर्यटन और कानून-व्यवस्था जैसे कामों में इस्तेमाल होंगे।

सत्ता छूटने की...

ने एक और ऐसा बयान दिया है जिसमें कुछ भी आश्चर्यजनक नहीं है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की विदेशी यात्रा में भारत विरोधी बयान की एक लंबी सूची है।

सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, ऐसा पहली बार नहीं है कि राहुल गांधी ने विदेशी धरती पर भारत विरोधी बयान दिया है। इससे पहले भी वे कई बार भारत विरोधी ऐसे ही बयान दे चुके हैं। 6 मार्च 2023 को लंदन के चैथम हाउस में उन्होंने सवाल किया था कि लोकतंत्र के समर्थक अमेरिका और यूरोप चुप क्यों हैं? इससे बड़ी और क्या बेइज्जती हो सकती है? उन्होंने विदेश की धरती से एक और ऐसा बयान दिया है, जिसमें कुछ भी आश्चर्यजनक नहीं है।

सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, राहुल गांधी में ऐसी कौन सी प्रतिभा है, जिसके लिए उन्हें विदेश विश्वविद्यालय बुलाते हैं? उन्होंने कहा कि कांग्रेस में एक से एक बुद्धिमान लोग हैं, उन्हें क्यों नहीं बुलाया जाता? कांग्रेस में पी. चिदंबरम, अभिषेक मनु सिंघवी, शशि थरूर, मनीष तिवारी जैसे बुद्धिमान और अपने-अपने विषय में विशेषज्ञ लोग मौजूद हैं। न तो जयराम रमेश और न ही सैम पित्रोदा, जो विदेश में रहते हैं और बुद्धिजीवी माने जाते हैं, उनको कभी नहीं बुलाया जाता। विदेशी विश्वविद्यालय सिर्फ राहुल गांधी को ही क्यों आमंत्रित करते हैं?

सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, राहुल गांधी को भारत में किसी भी विश्वविद्यालय में नहीं बुलाया जाता है। यहां तक कि 2004 से 2014 तक जब कांग्रेस केंद्र में सत्ता में थी, तब भी उन्हें नहीं बुलाया गया। सवाल ये है कि भारत के बाहर ही उनको क्यों बुलाया जाता है। यह अपने आप में यक्ष प्रश्न है। उन्होंने इंडी गठबंधन में शामिल पार्टियों की भी आलोचना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का विरोध करने की मानसिकता इतनी प्रबल हो गई है कि सच्चाई नजर ही नहीं आती। भाजपा नेता ने कहा, जिनकी आंखों में मोदी-ए-बिंदु है, उन्हें देश में हो रहा निर्माण दिखाई नहीं दे रहा है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

म्हारो भाग्यनगर
शुभ लाभ
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शनिवार, 04 अक्टूबर, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

53वां रामायण मेला हर्षोल्लासपूर्वक सम्पन्न

* शमी पूजन और नृत्य प्रस्तुतियों से सजा सांस्कृतिक मंच
* रामदरबार एवं राज्याभिषेक ने दी भव्यता
* गगनभेदी आतिशबाजी के बीच रावण, मेघनाथ और कुंभकरण के पुतलों का दहन

हैदराबाद, 03 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी प्रगति समाज एवं प्रदर्शनी दशहरा सम्मेलन समिति के संयुक्त तत्वावधान में चेन्नई नुमाइश मैदान में आयोजित 53वां रामायण मेला हर्षोल्लासपूर्वक संपन्न हुआ। हजारों रामभक्तों की मौजूदगी में गगनभेदी आतिशबाजी के बीच रावण, मेघनाथ और कुंभकर्ण के विशाल पुतलों का दहन किया गया, जिसने वातावरण को जयकारों से गुंजायमान कर दिया।

रामायण मेले का शुभारंभ सायं 6 बजे शमी वृक्ष पूजन से हुआ। इस पूजन में प्रदर्शनी समिति के उपाध्यक्ष आर.सुकेश रेड्डी और मंत्री बी.एन. राजेश्वर ने भाग लिया। इसके बाद तेलंगाना कल्चरल डिपार्टमेंट के सहयोग से मंच पर पेरणी नृत्य, नन्हीं बालिकाओं द्वारा भरतनाट्यम की मनमोहक प्रस्तुति और नादस्वरम-सनाई की गूंज के साथ कार्यक्रम का प्रारंभ हुआ।

भव्य मंच पर श्रीराम दरबार सजाया गया। तत्पश्चात श्रीरामजी का राज्याभिषेक पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, भाजपा संगठन मंत्री चंद्रशेखर, उपाध्यक्ष सुकेश रेड्डी, मंत्री राजेश्वर, प्रधान संयोजक गोविंद राठी और डॉ. रामविलास साबू ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम में बंडारू दत्तात्रेय (पूर्व राज्यपाल), चंद्रशेखर (भाजपा संगठन मंत्री), पूर्व विधायक शहीदी रेड्डी, एग्जीबिशन समिति उपाध्यक्ष सुकेश रेड्डी, मंत्री राजेश्वर, अग्रसेन बैंक चेयरमैन प्रमोद केडिया, डॉ. रामविलास साबू, नारायण गुप्ता, शैलेश अग्रवाल सहित सैकड़ों गणमान्य व्यक्ति मंच की शोभा बढ़ा रहे थे।

सांस्कृतिक मंच पर अतिथियों का वैदिक रीति-विधि से स्वागत राजस्थानी प्रगति समाज के पदाधिकारी - गोविंद नारायण राठी (प्रधान संयोजक), गिरधारीलाल डागा (कोषाध्यक्ष), नंद गोपाल भट्टड़ और मनोज जायसवाल ने किया।प्रधान संयोजक गोविंद राठी ने कहा कि पिछले 52 वर्षों से निरंतर रामायण मेला आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम की हर प्रस्तुति रामायण प्रसंगों, पात्रों और सांस्कृतिक मूल्यों पर आधारित होती है। भाजपा के संगठन मंत्री चंद्रशेखर ने सभी राम भक्तों को दशहरे की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर का निर्माण हमारी संस्कृति की विजय का प्रतीक है। उन्होंने ऐसे सांस्कृतिक आयोजनों को परंपरा के संरक्षण हेतु आवश्यक बताया। मेले के अंतिम पड़ाव में संयोजक मनोज जायसवाल, सुमित राठी, पवन कुमार, घनश्याम तोषनीवाल, श्रीनिवास लोया, रवि हेडा, पवन मिश्रा, जुगल सोनी, गद्दाम रघु, नवल सांखला, नारायण लॉय और आदित्य राठी ने रावण, मेघनाथ व कुंभकर्ण के विशाल पुतलों का दहन कराया।रावण दहन का आंखों देखा हाल नंद गोपाल भट्टड़ एवं श्रीमती कलावती जाजू ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में आयोजित रंगारंग आतिशबाजी ने सभी उपस्थित नागरिकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।कार्यक्रम का संचालन नंद गोपाल भट्टड़ ने किया। अंत में प्रधान संयोजक गोविंद राठी ने प्रेस, मीडिया, पुलिस विभाग, अग्निशमन विभाग, तेलंगाना कल्चरल डिपार्टमेंट, आर एंड बी जिलानी और एग्जीबिशन समिति का धन्यवाद व्यक्त किया।

एक शाम वीर तेजाजी महाराज के नाम भव्य तेजा गायन का आयोजन 6 को

हैदराबाद, 03 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद के शमशाबाद, हमीदुल्ला नगर स्थित वीर तेजाजी महाराज मंदिर प्रांगण में सोमवार, 6 अक्टूबर 2025 को 'एक शाम वीर तेजाजी महाराज के नाम' भव्य तेजा गायन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यह आयोजन जाट समाज तेलंगाना के तत्वावधान में समाज बन्धुओं और भक्तों के सान्निध्य में होगा।कार्यक्रम की शुरुआत वीर तेजाजी महाराज के विशेष श्रृंगार, पूजा-अर्चना और आरती से होगी। रात 8:15 बजे से दरियावजी धोलिया गादीपति भोपाजी के सान्निध्य में विशाल तेजा गायन का आयोजन होगा।

इस आयोजन में सालगराम बांगड़ा सिलारिया एण्ड पार्टी, कालुराम लंगोड़ एण्ड पार्टी के साथ राजस्थान के अंतर्राष्ट्रीय नृत्य कलाकार अनु सोलंकी, राजेन्द्र राठौड़ तथा मटकी डांसर प्रेम मण्डा बाड़मेर तेजा गायन और भजनों के पुष्प अर्पित करेंगे।सात बजे से जाट समाज के लिए महाप्रसादी का आयोजन किया जाएगा। पूजा-अर्चना के पश्चात समाज बंधु श्री तेजाजी महाराज के चरणों में श्रीफल और श्रद्धा के पुष्प अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना करेंगे। कार्यक्रम का लाइव प्रसारण पीएमएल यूट्यूब चैनल पर होगा।समाज से अधिक से अधिक लोगों से इस कार्यक्रम में भाग लेने का आग्रह किया गया है, ताकि वे इस भक्ति और संस्कृति से जुड़ सकें और वीर तेजाजी महाराज की महिमा का अनुभव कर सकें।

पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल का 153वां नि:शुल्क मेगा मेडिकल कैंप कल

हैदराबाद, 03 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा जाट सेवा संघ मिर्जागुड़ा जनवाड़ा के सहयोग से 153वां निशुल्क मेगा मेडिकल कैंप रविवार 5 अक्टूबर को सुबह 10 से 2 बजे तक शंकरपल्ली मंडल के जनवाड़ा स्थित ब्रिलिएंट स्कूल मिर्जागुड़ा में आयोजित किया जाएगा।

आज यहां अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मेगा मेडिकल कैंप किम्स सनशाइन अस्पताल द्वारा कार्डियलजी, हड्डी रोग, ईसीजी, 2 डी इको, बीएमडी, बीपी जांच, आरबीएस की सेवा दी जाएगी। एलसीएस साधुराम नेत्र अस्पताल दोमलगुडा द्वारा निशुल्क नेत्रों की जांच की जाएगी एवं योग्य को निशुल्क चश्मे एवं मोतियाबिंद के ऑपरेशन की व्यवस्था की जाएगी। सामान्य चिकित्सक डॉ. अखिल्स क्लिनिक, डॉ.अखिल सुगंधी (रुमेटोलॉजी), डॉ. मीनल खिरैया सुगंधी (एमबीबीएस डिप्लोमा मधुमेह) एवं दंत की सेवा एसएनआर डेंटल के डॉ. एस.तेजस्वी नवनीत राज एवं डॉ.एस. निखिल द्वारा दी जाएगी। अवसर पर रेनबो चिल्ड्रन हार्ट इंस्टीट्यूट के विशेषज्ञों द्वारा सेवा प्रदान की जाएगी। फिजियोथैरेपी की सेवा बजाज फिजियो केयर के डॉ.मीता बजाज द्वारा की जाएगी। साथ ही श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति द्वारा निशुल्क कृत्रिम पैर, हैड क्लिप, कैलिपर्स एवं हैंड का जांच के बाद योग्य को दिये जाएंगे। साथ ही किसी रोगी को यदि डायलिसिस की आवश्यकता होगी तो उनके लिए निशुल्क डायलिसिस व्यवस्था की जाएगी। शिविर में नाम पंजीकरण कैंप स्थल पर सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक किया जाएगा। सभी से इसका अधिक से अधिक लाभ लेने का आग्रह किया गया है। अधिक जानकारी के लिए शिविर के संयोजक प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेन्द्र गोयल,बयारा शिवरानी, बयारा शिव कुमार सिंह, भवानी सिंह, एन. भवानी सिंह से संपर्क किया जा सकता है।यह आयोजन बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल की सामाजिक सेवा की निरंतर परंपरा को मजबूत करता है, जो तेलंगाना में स्वास्थ्य सुविधाओं को पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। क्रॉस रेफरेंस के रूप में, अगस्त 2025 में इन संगठनों द्वारा 149वां निशुल्क मेगा मेडिकल कैंप सफलतापूर्वक संपन्न हुआ, जिसमें सैकड़ों जरूरतमंदों को विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाएं प्रदान की गईं। इसी तरह, अगस्त 2025 में 150वां कैंप सोमाजीगुड़ा में आयोजित किया गया, जहां कार्डियोलॉजी और नेत्र जांच जैसी सेवाओं पर विशेष जोर दिया गया। एक अन्य क्रॉस कनेक्शन में, अप्रैल 2025 में 143वां कैंप यापराल में जिला परिषद हाई स्कूल के सहयोग से हुआ, जिसमें स्थानीय समुदाय ने व्यापक भागीदारी दर्ज की और विकलांग सहायता समिति की सेवाओं का लाभ हजारों ने उठाया। ये घटनाएं दर्शाती हैं कि पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल के मेगा कैंप न केवल नियमित हैं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य असमानता को कम करने में सक्रिय योगदान दे रहे हैं, जिससे हाइलाइटिंग जरूरतमंदों के बीच विश्वास बढ़ रहा है।

हिन्दू संरक्षण समिति का 48वां रावण दहन कार्यक्रम सम्पन्न

* राम भक्ति और मातृशक्ति पूजन से हुआ कार्यक्रम का शुभारंभ
* स्वदेशी और सामाजिक समरसता पर दिया गया बल
* जयकारों के बीच हुआ रावण दहन, गूंजी आतिशबाजी

हैदराबाद, 03 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। विजयादशमी के अवसर पर - हिन्दू संरक्षण समिति, भाग्यनगर के तत्वावधान में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी विजयदशमी महोत्सव पर 48वां रावण दहन कार्यक्रम बड़े धूमधाम से पुराने शहर स्थित विजय मैदान, कुली कुतुब शाह स्टेडियम, सिटी कॉलेज के पास आयोजित किया गया। इस आयोजन का नेतृत्व समिति अध्यक्ष पंकज कुमार अग्रवाल ने किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां भारती, आदिशक्ति मां जगदंबा तथा मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीरामचंद्र जी की पूजा-अर्चना, दीप प्रज्वलन और शस्त्र पूजन से हुआ। इसके पश्चात उपस्थित अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान किया गया।

मुख्य अतिथि के रूप में तेलंगाना जीएसटी ट्रिब्यूनल न्यायालय न्यायाधीश भास्कर रेड्डी वेमी रेड्डी, मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कमलेश रतिवाल, विशेष अतिथि श्रीमती अनुराधा एवं श्रीमती मेघा रानी अग्रवाल उपस्थित रहे।

मुख्य वक्ता कमलेश रतिवाल ने रामजी के जीवन-चरित्र पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमें अपने जीवन में राम के पदचिन्हों पर चलकर सत्य और मर्यादा का पालन करना चाहिए। उन्होंने संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने पर सभी देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए संघ के पांच परिवर्तन - स्वदेशी अपनाना, नागरिक कर्तव्य,

पर्यावरण संरक्षण, कुटुंब प्रबोधन और सामाजिक समरसता को जीवन में अपनाने और अगली पीढ़ी के लिए उदाहरण प्रस्तुत करने की अपील की।

अवसर पर श्रीमती मेघा रानी अग्रवाल ने शक्ति पूजन के महत्व पर बल देते हुए आत्मशक्ति जागरण का आह्वान किया। मुख्य अतिथि न्यायाधीश भास्कर रेड्डी वेमी रेड्डी ने नगरवासियों को दशहरे की शुभकामनाएं दीं और भगवान श्रीराम का जीवन आदर्श मानकर समाज में समरसता स्थापित करने की प्रेरणा दी।

संस्था अध्यक्ष पंकज कुमार अग्रवाल ने कहा कि 53 वर्षों से समिति ने सुरक्षा, विकास, विश्वास और आध्यात्मिक साधना के साथ सनातन धर्म की रक्षा का कार्य किया है। उन्होंने बताया कि आरएसएस के शताब्दी वर्ष का उत्सव मनाना समिति के लिए गौरव है और सभी नागरिकों को पाँच परिवर्तनों का अनुसरण कर इतिहास और भविष्य दोनों के संरक्षण का संकल्प लेना चाहिए।

कार्यक्रम का समापन भगवान श्रीरामचंद्र जी के गगनभेदी जयकारों और हजारों की संख्या में उपस्थित नगरवासियों की उपस्थिति में रावण के पुतले दहन के साथ हुआ।

रंगारंग आतिशबाजी का आयोजन राजकमल भट्टड़, अनूप अग्रवाल, आलोक अग्रवाल और तरुण अग्रवाल ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती सरिता अग्रवाल ने कुशलता से किया।

इस अवसर पर श्रीमती अंजलि अग्रवाल (एडवोकेट), बृजमोहन अग्रवाल, मृणाल सिंघनोडिया, ताराचंद केडिया, श्रीमती मंजू, श्रीमती अर्चना अग्रवाल, कु. नेहा अग्रवाल, सुरेंद्र सहित अनेक कार्यकर्ताओं व नगरवासियों ने उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

पहनने योग्य पुराने कपड़ों का संग्रहण शिविर का द्वितीय चरण आज से

हैदराबाद, 03 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी जागृति समिति हैदराबाद के तत्वावधान में पहनने योग्य पुराने कपड़ों का संग्रहण शिविर द्वितीय चरण आज शनिवार 4 अक्टूबर से सोमवार 6 अक्टूबर तक प्रति दिन सुबह 10.30 बजे से सायं 6 बजे तक बाहेती भवन, सिद्धांबर बाजार, हैदराबाद में आयोजित किया जाएगा। इस आशय की जानकारी समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमानी ने एक प्रेस विज्ञप्ति द्वारा दी गई।

विज्ञप्ति में श्रीनिवास सोमानी ने कहा कि नगर में बरसात बहुत अधिक होने और रास्तों में अधिक भीड़-भाड़ होने से बाहर निकलना भी मुश्किल हो रहा था। इसलिए समिति को आग्रह किया गया कि वह पहनने योग्य पुराने कपड़ों का संग्रहण शिविर आगे बढ़ाने को कहा। सभी के आग्रह पर समिति ने शनिवार 4 अक्टूबर से सोमवार 6 अक्टूबर तक संग्रहण शिविर आयोजित किया जाएगा। इस बार बरसात बहुत अधिक होने पर आपके सहयोग से तेलंगाना के छोटे-छोटे ग्रामीण क्षेत्रों में जरूरतमंद परिवारों में वितरित किया जाएगा।समिति द्वारा प्रतिवर्ष 2015 से पहनने योग्य पुराने कपड़ों को व्यवस्थित कर तेलंगाना के छोटे-छोटे ग्रामीण क्षेत्रों में जरूरतमंद परिवारों में वितरण किया जाता है। इस पहल के माध्यम से हजारों परिवारों को सहायता पहुंचाई जा चुकी है, जो सामाजिक एकजुटता का प्रतीक बनी हुई है। इस वर्ष भी उसी उत्साह के साथ शिविर का द्वितीय चरण शुरू हो रहा है, जिसमें दानदाताओं की भागीदारी अपेक्षित है। सभी धर्मावलंबी समाज बंधुओं से आग्रह है कि अपने परिवार के सदस्यों के पहनने योग्य पुराने कपड़ों को जैसे धोती-कुर्ता, पैंट-शर्ट, साड़ियां, सलवार सूट, छोटे-बड़े बालक-बालिकाओं के पहनने योग्य पुराने कपड़े, चादर, कंबल, और स्कूलों के विद्यार्थियों को नूतन कपड़े, अभी बारिश में अनाज, बर्तन, घर में उपयोगी वस्तुएं, हो तो शिविर में लाकर दीजिए। ग्रामीण क्षेत्रों में जरूरतमंद परिवार के लोगों को वितरित करने के लिए ले जाने के लिए व्यवस्था में सहयोग भी कर सकते हैं। अतः इस जनकल्याण कार्य में सभी धर्मावलंबी समाज बंधुओं से आग्रह है कि वह इस वर्ष बारिश के समय आप अनाज जैसे चावल, दाल, शुगर, तेल, और भी खाने-पहनने, नगद राशि दे सकते हैं। तेलंगाना के छोटे-छोटे ग्रामीण क्षेत्रों के जरूरतमंद परिवारों में आप सहयोग कर पुण्य के सहभागी बनें। समिति का यह प्रयास न केवल तात्कालिक राहत प्रदान करता है, बल्कि सामाजिक जागरूकता को भी बढ़ावा देता है, जिससे भविष्य में ऐसी पहलों की संख्या में वृद्धि हो सके।

युवा लेग स्पिनर खुश अग्रवाल का 'पंजा'

यू-23 मैच में अपनी फिरकी से मचाया तहलका

हैदराबाद, 3 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित यू-23 संभावितों के चयन मैचों में एक युवा प्रतिभा ने अपने प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचा है। यू-23 पुरुष ई टीम के लिए खेलते हुए, 21 वर्षीय लेग स्पिनर खुश अग्रवाल ने अपनी घूमती गेंदों का ऐसा जादू चलाया कि विरोधी टीम के बल्लेबाज़ बेबस नज़र आए। खुश ने शानदार

गेंदबाज़ी करते हुए गिरे कुल 6 विकेटों में से 5 विकेट अकेले ही अपने नाम कर लिए।यू-23 बी टीम के खिलाफ हुए इस मुकाबले में खुश अग्रवाल ने शीर्ष क्रम के सभी बल्लेबाजों के लिए रन बनाना बेहद मुश्किल कर दिया। उनकी सटीक लाइन-लेंथ और गेंद को दोनों तरफ घुमाने की कला के सामने बल्लेबाज संघर्ष करते दिखे और एक-एक कर पवेलियन लौट गए। खुश अग्रवाल हैदराबाद के लिए एक बेहद होनहार लेग स्पिन गेंदबाज के रूप में उभर रहे हैं और उनका यह प्रदर्शन उनकी काबिलियत को दर्शाता है।इस दमदार प्रदर्शन के बाद चयनकर्ताओं की निगाहें निश्चित रूप से उन पर होंगी। यदि खुश अपनी लय को इसी तरह बरकरार रखते हैं, तो वह दिन दूर नहीं जब वह हैदराबाद की सीनियर टीम के दरवाज़े पर दस्तक देंगे। उनका यह प्रदर्शन अन्य युवा क्रिकेटरों के लिए भी एक प्रेरणा है।

वनस्थलीपुरम स्थित राजप्पा नगर में, राजप्पा नगर वेलफेयर सोसाइटी द्वारा माँ दुर्गा की मूर्ति स्थापित की गई। इस पावन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने भाग लिया।कांग्रेस नेता श्री एन.के. सिंह, श्री अमरजीत सिंह, श्री डी. श्रवण कुमार, और श्री आदित्य सिंह ने समारोह में उपस्थित होकर माँ दुर्गा की मूर्ति के समक्ष पूजा-अर्चना की और क्षेत्र की सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की। सोसाइटी के सदस्यों ने नेताओं का इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आभार व्यक्त किया।

बंगाली कल्चरल एसोसिएशन का 52वां दुर्गा पूजा उत्सव सम्पन्न

हैदराबाद, 3 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बंगाली कल्चरल एसोसिएशन ने इस वर्ष अपने 52वें दुर्गा पूजा उत्सव का भव्य आयोजन हैदराबाद के बंजारा फंक्शन हॉल, बंजारा हिल्स में किया। यह उत्सव हर्षोल्लास के बीच पारंपरिक और रंगारंग सिंदूर खेला के आयोजन के साथ संपन्न हुआ। पूरे उत्सव के दौरान वातावरण भक्ति, आनंद और सांस्कृतिक विविधताओं से सराबोर रहा। ढाक की गूंज, महिलाओं, बच्चों व युवाओं की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, गीत-संगीत, नृत्य और नाट्य प्रदर्शन ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

उत्सव का भव्य आयोजन और सांस्कृतिक विविधता

इस वर्ष का दुर्गा पूजा उत्सव बंगाली समुदाय के लिए एक विशेष अवसर साबित हुआ, जहां पारंपरिक रीति-रिवाजों को आधुनिक उत्साह के साथ जोड़ा गया। बंजारा हिल्स के फंक्शन हॉल को रंग-बिरंगे सजावट और मूर्तियों से सजाया गया, जो माँ दुर्गा की विजय का प्रतीक बनीं। उत्सव की शुरुआत से ही ढाक वादकों की थिरकती धुनों ने वातावरण को

भक्तिमय बना दिया। महिलाओं, बच्चों और युवाओं ने अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से बंगाली लोककला को जीवंत किया, जिसमें रवींद्र संगीत, कथक नृत्य और पारंपरिक नाटक शामिल थे। ये प्रदर्शन न केवल मनोरंजन का साधन बने, बल्कि सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का माध्यम भी साबित हुए। अंतिम दिन का मुख्य आकर्षण सिंदूर खेला रहा, जिसमें विवाहित महिलाओं ने माँ दुर्गा को सिंदूर तथा मिठाई, पान अर्पित कर एक-दूसरे को भी सिंदूर लगाया। यह परंपरा सौहार्द, प्रेम, समृद्धि और विविधता में एकता की प्रतीक मानी जाती है।

आयोजन के दौरान महिलाओं की हंसी-ठिठोली और उत्साहपूर्ण वातावरण ने सभी को भावुक कर दिया। सिंदूर खेला के बाद विसर्जन यात्रा का भी आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए। इस परंपरा ने समुदाय के सदस्यों को आपसी बंधन मजबूत करने का अवसर प्रदान किया, जो हैदराबाद जैसे बहुसांस्कृतिक शहर में विशेष रूप से प्रासंगिक है।इस वर्ष की दुर्गा पूजा ने हैदराबाद में बसे बंगाली समुदाय को एक बार फिर जोड़ते हुए, धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक गौरव को संजोने का अवसर दिया। सैकड़ों श्रद्धालुओं की सक्रिय भागीदारी, भक्ति भाव से किए गए अनुष्ठान, और एकता के संदेश ने इसे और भी विशेष बना दिया। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बताया कि इस उत्सव ने न केवल धार्मिक अनुष्ठान का प्रतीक रहा, बल्कि बंगाली संस्कृति, परंपरा और सामुदायिक भावना के शानदार प्रदर्शन का भी अवसर बना। भविष्य में भी ऐसी पहलों को जारी रखने का संकल्प लिया गया, ताकि बंगाली विरासत को जीवंत रखा जा सके। यह उत्सव शहरवासियों के लिए भी प्रेरणा स्रोत बन गया, जो सांस्कृतिक एकीकरण का संदेश देता है।

शक्ति के प्रतीक का उत्सव है दशहरा : जगतनारायण अग्रवाल

हैदराबाद, 03 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। विजयादशमी उत्सव के अवसर पर राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक जगतनारायण अग्रवाल ने बेगम बाजार स्थित गौशाला के पास आयोजित नियमित अन्नदान कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा -

दशहरा एक उम्मीद जगाता है, बुराई के अंत की याद दिलाता है, जो चलता है सत्य की राह पर, वो विजय का प्रतीक बन जाता है।

उन्होंने कहा कि शक्ति उपासना का पर्व शारदेय नवरात्रि सनातन काल से प्रतिपदा से नवमी तक नौ तिथि, नौ नक्षत्र और नौ देवियों की नवधा भक्ति के साथ मनाया जाता है। नवरात्र के दौरान लोग मां जगदंबा के अलग-अलग रूपों की उपासना कर शक्ति और सामर्थ्य की कामना करते हैं।

श्री अग्रवाल ने आगे कहा कि भारतीय संस्कृति सदैव वीरता और शौर्य की समर्थक रही है तथा दशहरा भी शक्ति के प्रतीक के रूप में मनाया जाने वाला पर्व है, जो अच्छाई की बुराई पर विजय का संदेश देता है।

इस अवसर पर जगतनारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, रवि अग्रवाल, शिवभगवान, गोविंद राम पचेरीया, ज्योति अग्रवाल, परि अग्रवाल, लता गोयल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, मनोज शर्मा, आशीष एवं किशन पाल मौजूद रहे।

राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में शुक्रवार को बेगम बाजार स्थित भूदेवी माता मंदिर के पास, गौशाला के सामने नियमित अन्नदान सेवा का आयोजन भी किया गया।

इस सेवा कार्य में जगतनारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, राजेश सर योगा, शिवभगवान, गोविंद राम पचेरीया, ज्योति अग्रवाल, परी अग्रवाल, लता गोयल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, आशीष और किशन पाल उपस्थित रहे।

इरिसेट में स्वच्छता पखवाड़ा : श्रमदान और प्रतियोगिताओं से जागरूकता अभियान

सिकंदराबाद, 03 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारतीय रेलवे सिगनल इंजीनियरी और दूरसंचार संस्थान (इरिसेट) में स्वच्छ भारत मिशन के एक भाग के रूप में भारत सरकार ने विभिन्न मंत्रालयों को स्वच्छता पखवाड़ा मनाने का निर्देश दिया है। रेल मंत्रालय 1 अक्टूबर से 15 अक्टूबर 2025 तक स्वच्छता पखवाड़ा मना रहा है। इरिसेट भी रेल मंत्रालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार स्वच्छता पखवाड़ा मना रहा है। पखवाड़े के दौरान विभिन्न गतिविधियों के संचालन के लिए एक कार्य योजना तैयार की गई है।नियोजित विभिन्न गतिविधियों में श्रमदान, विभिन्न स्क्रैप सामग्री की पहचान करना और उनके निपटान की प्रक्रिया, कार्यस्थलों पर स्वच्छता कार्यक्रम, प्लास्टिक के एकल उपयोग के खिलाफ अभियान चलाकर कर्मियों को संवेदनशील बनाना शामिल हैं, साथ ही कर्मचारियों और प्रशिक्षुओं के लिए स्वच्छता आधारित विषयों पर निबंध लेखन और ऑनलाइन वाक् प्रतियोगिताएं आयोजित करने की योजना है। ये गतिविधियां न केवल संस्थान के परिसर को स्वच्छ बनाने में सहायक होंगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की भावना को भी मजबूत करेंगी। इरिसेट के अधिकारियों का मानना है कि ऐसी पहलों से कर्मचारी और प्रशिक्षु स्वच्छता के प्रति अधिक जिम्मेदार बनेंगे।

2 अक्टूबर, 2025 को महानिदेशक श्री शरद कुमार श्रीवास्तव, वरिष्ठ अधिकारियों, कर्मचारियों और प्रशिक्षुओं द्वारा महात्मा गांधी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। इसके बाद महानिदेशक ने श्रमदान किया और उपस्थित अन्य पदाधिकारियों द्वारा भी किया गया। यह आयोजन स्वच्छता के पुजारी महात्मा गांधी की स्मृति में विशेष महत्व रखता है, जो पखवाड़े की शुरुआत को प्रेरणादायी बनाता है। श्रमदान के माध्यम से परिसर की सफाई की गई, जिससे सभी ने सामूहिक रूप से स्वच्छ भारत के संकल्प को दोहराया।

सिंगरेनी का बड़ा कदम, ओडिशा के नैनी ब्लॉक से तमिलनाडु को होगी 28.8 लाख टन कोयले की आपूर्ति

हैदराबाद, 03 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

शहर स्थित सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) ने अपनी राष्ट्रीय उपस्थिति का विस्तार करते हुए एक ऐतिहासिक समझौते पर सहमति बनाई है। इस समझौते के तहत, सिंगरेनी ओडिशा में स्थित अपने प्रतिष्ठित नैनी कोयला ब्लॉक से तमिलनाडु पावर जनरेशन कॉर्पोरेशन (टैंजेडको) को प्रति वर्ष 28.8 लाख (2.88 मिलियन) टन कोयले की आपूर्ति करेगी। यह न केवल सिंगरेनी के लिए एक बड़ी व्यावसायिक सफलता है, बल्कि नैनी ब्लॉक के संचालन में भी एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।इस समझौते को अंतिम रूप देने के लिए शुक्रवार को हैदराबाद के सिंगरेनी भवन में एक उच्च-स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में सिंगरेनी के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) श्री एन. बलराम तथा तमिलनाडु पावर जेनको के प्रबंध निदेशक (एमडी) श्री एम. गोविंद राव ने आपूर्ति व्यवस्था की औपचारिकताओं पर विस्तार से चर्चा की। दोनों संगठनों के बीच अगले 10 दिनों के भीतर एक औपचारिक ईंधन आपूर्ति समझौते (एफएसए) पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है, जिससे यह साझेदारी आधिकारिक हो जाएगी।बैठक के दौरान, श्री एम. गोविंद राव ने बताया कि थूथुकुडी जिले के उडंगुडी में स्थित उनके 1,200 मेगावाट के थर्मल पावर प्लांट के लिए सालाना 28.8 लाख टन जी-11 ग्रेड कोयले की आवश्यकता है और उन्होंने सिंगरेनी से इस मांग को पूरा करने का अनुरोध किया। इस पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए, एससीसीएल के सीएमडी श्री एन. बलराम ने पुष्टि की कि नैनी कोयला ब्लॉक में उत्पादन शुरू हो चुका है और सिंगरेनी रेल और जलमार्ग दोनों के माध्यम से कोयले की आपूर्ति करने के लिए पूरी तरह से तैयार है।इस महत्व-पूर्ण अवसर पर, सीएमडी श्री बलराम ने नैनी परियोजना के अधिकारियों और परिवहन तथा विपणन विभागों को तत्काल कोयला भेजने की व्यवस्था करने और 10 दिनों के भीतर तमिलनाडु जेनको के साथ ऋड- को अंतिम रूप देने का निर्देश दिया। यह समझौता इसलिए भी खास है क्योंकि तमिलनाडु नैनी ब्लॉक से कोयला प्राप्त करने वाला पहला उपभोक्ता बन जाएगा, जो सिंगरेनी के लिए एक गौरव का क्षण है। यह उल्लेखनीय है कि सिंगरेनी पहले से ही तमिलनाडु में उत्तरी चेन्नई थर्मल पावर प्लांट को सालाना 17.5 लाख (1.75 मिलियन) टन कोयले की आपूर्ति कर रहा है। यह नया समझौता दोनों राज्यों की कंपनियों के बीच लंबे समय से चले आ रहे मजबूत संबंधों को और गहरा करेगा। बैठक में कार्यकारी निदेशक (कोल मूवमेंट) बी. वेनकन्ना और महाप्रबंधक (समन्वय एवं विपणन) टी. श्रीनिवास भी उपस्थित थे।

महाकालेश्वर मंदिर, मीरालम मंडी में श्री देवी नवरात्रि उत्सव का भव्य समापन

हैदराबाद, 3 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री महाकालेश्वर मंदिर, मीरालम मंडी में श्री देवी नवरात्रि उत्सव संपन्न हुआ। माता रानी के सृंगार के दर्शन, पंडितों से आशीर्वाद प्राप्त करते हुए मंदिर के अध्यक्ष गजुला अंजैय्या ने अतिथियों का हार्दिक स्वागत किया। माता के दर्शन एवं भक्तगण माता की आरती करते हुए उत्सव का समापन हुआ, जो भक्ति और श्रद्धा का अनुपम दृश्य प्रस्तुत कर गया। इस अवसर पर सैकड़ों भक्तों ने भाग लिया, जिससे मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से गूंज उठा।नवरात्रि उत्सव के अंतिम दिन माता रानी का सृंगार अत्यंत मनमोहक रहा, जिसमें रंग-बिरंगे वस्त्र, आभूषण और फूलों की मालाओं से माता को अलंकृत किया गया। भक्तों ने माता के दर्शन कर अपनी मनोकामनाएं पूर्ण करने की कामना की। मंदिर के अध्यक्ष गजुला अंजैय्या ने पंडितों से आशीर्वाद प्राप्त किया और अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह उत्सव न केवल धार्मिक महत्व रखता है, बल्कि समुदाय की एकजुटता को भी मजबूत करता है। सृंगार के दर्शन ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया, और भक्तों की भारी भीड़ ने मंदिर को जीवंत बना दिया। उत्सव के दौरान पंडितों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विशेष पूजा-अर्चना की, जिसके बाद मंदिर अध्यक्ष गजुला अंजैय्या ने उनका आशीर्वाद ग्रहण किया। अतिथियों का स्वागत तिलक, माला और प्रसाद वितरण के साथ किया गया, जो पारंपरिक अतिथि सत्कार की मिसाल बना। गजुला अंजैय्या ने अतिथियों से कहा कि माता की कृपा से सभी की कुशल-क्षेम बनी रहे। इस स्वागत ने उत्सव को और भी गरिमामय बना दिया, और अतिथियों ने मंदिर प्रबंधन की सराहना की। माता के दर्शन के बाद भक्तगणों ने सामूहिक रूप से माता की आरती उतारी, जिसमें घंटियों की ध्वनि, मंत्रों की गूंज और दीपों की ज्योति ने वातावरण को दिव्य बना दिया। आरती के बाद प्रसाद वितरण किया गया, और भक्तों ने एक-दूसरे को बधाई दी। इस समापन ने नवरात्रि उत्सव को सफलतापूर्वक समाप्त करते हुए सभी को वर्ष भर माता की भक्ति में लीन रहने का संदेश दिया। मंदिर समिति ने आगामी वर्षों में ऐसे उत्सवों को और भव्य बनाने का संकल्प लिया, ताकि भक्तों को आध्यात्मिक शांति प्राप्त हो।

केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी को दशहरे की शुभकामना देते हुए भाजपा नेता मुकेश कुमार सोनी।

महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की जयंती मनाई गई

हैदराबाद, 2 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 156वीं जयंती और देश के दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्रीजी की 121वीं जयंती गुरुवार को हैदराबाद के प्रगतिनगर वरिष्ठ नागरिक संघ में सार्थकपूर्वक से मनाई गई।इस अवसर पर संघ के अध्यक्ष सी.एच. कामैया, वरिष्ठ नागरिक सदस्य शेषगिरिराव और संघ के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के भावचित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित की।

इसके अतिरिक्त, विजयदशमी उत्सव के अंतर्गत देवी दुर्गा के भावचित्र की भी पूजा की गई। इस अवसर पर बोलते हुए, सदस्यों ने दोनों महापुरुषों के जीवन और उपलब्धियों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि यह अंतर्राष्ट्रीय दिवस गांधी जयंती के उपलक्ष्य में पूरे विश्व में मनाया जाता है।

जयंती के अवसर पर संघ के आजीवन सदस्य एवं सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के सेवानिवृत्त उपनिदेशक जी. चंद्रकांत ने गांधी भजन एवं भक्ति गीत गाए। वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार भी वितरित किए गए।

इस सार्थक आयोजन ने हैदराबाद में गांधी जयंती की भावना को और मजबूत किया, जहां वरिष्ठ नागरिकों ने अहिंसा और सादगी के सिद्धांतों को याद किया। क्रॉस रेफरेंस के रूप में, हैदराबाद में ही शिल्पाकला वेदिका पर 2 अक्टूबर 2025 को मंथन संवाद 2025 का आयोजन हुआ, जिसमें विभिन्न वक्ताओं ने महात्मा गांधी के सिद्धांतों पर चर्चा की और युवाओं को प्रेरित किया। इसी तरह, शहर के हयवशीरलरव हाउस जैसे स्थानों पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए, जहां गांधी जयंती के अवसर पर सादा भोजन और सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से सत्य और अहिंसा का संदेश फैलाया गया। एक अन्य क्रॉस कनेक्शन में, राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजघाट पर श्रद्धांजलि अर्पित की, जो प्रगतिनगर जैसे स्थानीय आयोजनों से जुड़ता है और पूरे देश में एकजुटता का प्रतीक बनता है। ये घटनाएं दर्शाती हैं कि 2025 में गांधी-शास्त्री जयंती ने न केवल स्मृति को ताजा किया, बल्कि समकालीन मुद्दों पर विचार-विमर्श को भी प्रोत्साहित किया।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME

मैं, एमडी. मुस्ताक अंसारी पिता परवेज आलम निवासी गांव व पोस्ट: कारा, थाना: ओबरा, जिला: औरंगाबाद, राज्य: बिहार, पिन: 824124 ने न्यायिक मजिस्ट्रेट कोर्ट हैदराबाद तेलंगाना के समक्ष दिनांक 03-10-2025 को हलफनामा देकर अपना नाम एमडी. मुस्ताक अंसारी से एमडी. मुस्ताक (MD Mustak Ansari to MD Mustaque) में बदल लिया है।

CHANGE OF NAME

मैं, रविया खातून, परवेज आलम की मां, गांव-कारा, थाना : ओबरा, जिला : औरंगाबाद, राज्य : बिहार, पिन-824124 ने पहले न्यायिक मजिस्ट्रेट कोर्ट हैदराबाद, तेलंगाना के समक्ष दिनांक:03-10-2025 को हलफनामा देकर अपना नाम रविया खातून से बदलकर रबिया खातून (RAVIYA KHATOON to RABIYA KHATOON) कर लिया है।

CHANGE OF NAME

I, **KM Prasad,** S/o. Kavuru Chandrasekhara Rao VPO, Door No. 4-63, Doppalapudi Tehsil Ponnur Dist. Guntur - 522316 State Andhra Pradesh have changed My Name to **Kavuru Mallikharjuna Prasad.**

CHANGE OF NAME

I, **K Prasanthi,** W/o. Kavuru Mallikharjuna Prasad VPO, Door No. 4-63, Doppalapudi Tehsil Ponnur Dist. Guntur - 522316 State Andhra Prades have changed My Name to **Kavuru Prasanthi.**

CHANGE OF NAME

I, **K Prema Sri,** D/o. Kavuru Mallikharjuna Prasad VPO, Door No. 4-63, Doppalapudi Tehsil Ponnur Dist. Guntur - 522316 State Andhra Pradesh have changed My Name to **Kavuru Prema Sri.**

CHANGE OF NAME

I **K Sravya Sri,** D/o. Kavuru Mallikharjuna Prasad VPO, Door No. 4-63, Doppalapudi Tehsil Ponnur Dist. Guntur - 522316, State Andhra Pradesh have changed My Name to **Kavuru Sravya Sri.**

CHANGE OF NAME

I, MADDAMMA spouse of Service No.15321529Y HAV KONGARA SUNDARA RAJU, Resident of H.No.15-12D-19, Saibaba peta, Nandi kotkur, Kurnool, Andhra Pradesh-518401 have changed my name from MADDAMMA to KOLLA MADDAMMA vide affidavit dt:03-10-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

राधे राधे ग्रुप द्वारा विजयादशमी एवं पापांकुशा एकादशी पर नामपल्ली में अन्नदान

हैदराबाद, 03 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। विजयादशमी के पावन पर्व पर राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265-ए के पास अन्नदान सेवा का आयोजन किया गया। इस सेवा में बड़ी संख्या में ग्रुप के सदस्य एवं समाजसेवी उपस्थित रहे।

नियमित अन्नदान के अंतर्गत इस बार की सेवा कई विशेष अवसरों को समर्पित रही – जिनमें कन्हैया लाल जी अग्रवाल की मासिक पुण्यतिथि पर मैसर्स जगदम्बा सेल्स मलकपेट की ओर से।

दिनेश गोयल के जन्मदिन के उपलक्ष्य में श्री मुन्नालाल जी सूरजभान अग्रवाल परिवार (मैसर्स विजय ज्वेलर्स) की ओर से और ध्रुव अग्रवाल के 11वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में श्रीमती सुचि गुप्ता एवं परिवार की ओर से रही।

अवसर पर सतीश कुमार गुप्ता, रामप्रकाश अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, मनोज शर्मा, गौरव गोयल, मनीष अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, प्रतिका गोयल, दिनेश गोयल, कुसुम गोयल, प्राची गोयल, लक्षित गोयल, निकुंज गोयल, सुनील अग्रवाल, उम्मीद अग्रवाल, हरित अग्रवाल, सुचि गुप्ता, ध्रुव गुप्ता, कैलाश चंद केडिया, निर्मला केडिया, युवान केडिया सहित बड़ी संख्या में राधे राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित रहे।

इसी क्रम में पापकुंशा एकादशी के अवसर पर भी राधे राधे ग्रुप द्वारा नामपल्ली में पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265-ए के पास नियमित अन्नदान सेवा की गई। इस अन्नदान अवसर पर सतीश कुमार गुप्ता, रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, गौरव गोयल, संजय गोयल, प्रतिका अग्रवाल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, श्याम सुंदर अग्रवाल, रमेश तोष्णीवाल, राजेश नथानी, अनिता नथानी, नंदकिशोर अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को 108 फीट श्री हनुमान प्रतिमा अनावरण का निमंत्रण

हैदराबाद, 3 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से आज संगम पीठाधीश्वर महंत श्री राहुल दास जी ने 108 फीट श्री हनुमान प्रतिमा अनावरण के लिए निमंत्रण पत्र दिया। इस अवसर पर परगी विधायक डॉ. टी. राममोहन रेड्डी, विंध्याचल ब्राह्मण सेवा संघ अध्यक्ष सुनील कुमार पांडेय सहित कई गणमान्य लोग मौजूद थे। यह प्रतिमा लंगरहौज श्री रामचंद्र मठ मंदिर में स्थापित की जाएगी। यह आयोजन धार्मिक उत्साह और सामाजिक एकजुटता का प्रतीक बन गया, जहां भक्ति और विकास के संदेश को प्रमुखता दी गई।

इस अवसर पर परगी विधायक डॉ. टी. राममोहन रेड्डी, विंध्याचल ब्राह्मण सेवा संघ अध्यक्ष सुनील कुमार पांडेय सहित कई गणमान्य लोग मौजूद थे। विधायक डॉ. राममोहन रेड्डी ने इस आयोजन को राज्य की धार्मिक एकता का प्रतीक बताते हुए मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि वे अनावरण समारोह में अवश्य पधारें। सुनील कुमार पांडेय ने ब्राह्मण सेवा संघ की ओर से समर्थन व्यक्त किया और कहा कि यह प्रतिमा समाज के सभी वर्गों के लिए प्रेरणा स्रोत बनेगी। अन्य उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने भी अपनी शुभकामनाएं दीं, जिससे वातावरण भक्ति और उत्साह से भर गया। इनकी मौजूदगी ने आयोजन को और भी गरिमामय बना दिया।

यह 108 फीट की भव्य श्री हनुमान प्रतिमा लंगरहौज श्री रामचंद्र मठ मंदिर में स्थापित की जाएगी, जो भक्तों के लिए एक प्रमुख तीर्थस्थल के रूप में विकसित होगी। प्रतिमा का अनावरण समारोह आगामी दिनों में आयोजित होगा, जिसमें हनुमान जी की भक्ति और शक्ति का विशेष प्रदर्शन किया जाएगा।

हिंदी नगर में दीपावली मेले का आयोजन कल

हैदराबाद, 2 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। गौशामहल स्थित हिंदी नगर में रविवार, 5 अक्टूबर को दीपावली मेले का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में काव्य किशन रेड्डी उपस्थित रहेंगे। साथ ही जामबाग कॉरपोरेटर राकेश जयसवाल तथा भाग्यलक्ष्मी मंदिर प्रमुख सुश्री शशिकला भी शामिल होंगी। मेले का उद्घाटन दोपहर 12 बजे होगा। इस आयोजन का संचालन माथुर वैश्य दक्षिणांचल एवं प्रसिद्ध समाजसेवी सपना गुप्ता कर रही हैं। कार्यक्रम का आयोजन जोली गुप्ता, रिंकल गुप्ता एवं रचना गुप्ता द्वारा किया जा रहा है। बतौर विशेष अतिथि जी. किशन रेड्डी, बंडारू दत्तात्रेय, रामचंद्र भारत गॉड, जिला अध्यक्ष अनीता, तेलंगाना प्रेसिडेंट शिल्पा उपस्थित रहेंगे।

दीपावली मेले में महिलाओं के कारोबार एवं विकसित भारत – आत्मनिर्भर भारत के संदर्भ में विशेष चर्चा होगी। इस अवसर पर विभिन्न इंस्टॉल व एग्जीबिशन लगाए जाएंगे, जिनमें कैंडल, गिफ्ट आइटम, होम डेकोर, झूमर, चार्ट शीट, ज्वेलरी आदि प्रदर्शित होंगी।सांस्कृतिक व मनोरंजन कार्यक्रमों में मेहंदी प्रतियोगिता, गरबा-डांडिया प्रतियोगिता एवं तंबोला का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम सुबह 11 बजे से रात 8 बजे तक चलेगा। आयोजक सपना गुप्ता ने सभी नागरिकों से मेले में उत्साहपूर्वक भाग लेने की अपील की है। दीपावली मेले से संबंधित जानकारी हेतु सपना गुप्ता से 9347014699 पर संपर्क किया जा सकता है।

गांधी जयंती पर एनसीसी कैडेट्स ने मसाब टैंक में चलाया विशाल स्वच्छता अभियान

हैदराबाद, 03 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए 1 तेलंगाना ईएमई एनसीसी यूनिट, सिकंदराबाद ग्रुप के उत्साही कैडेट्स ने गुरुवार सुबह मसाब टैंक की सड़कों पर एक विशाल स्वच्छता और जागरूकता अभियान चलाया। यह कार्यक्रम देशव्यापी स्वच्छता ही सेवा अभियान का समापन था।सुबह 7:00 बजे कैडेट्स ने गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक कॉलेज, मसाब टैंक के पास एकत्र होकर सार्वजनिक स्थलों, पार्कों और आसपास के क्षेत्रों की सफाई की। इस अभियान के साथ एक जागरूकता रैली भी आयोजित की गई, जिसमें कैडेट्स ने तख्तियां लेकर नागरिकों से बेहतर स्वच्छता अपनाने और नागरिक सफाई बनाए रखने की अपील की।राष्ट्रपिता को सम्मान देने के विशेष भाव में कैडेट्स ने पास के गांधी प्रतिमा स्थल पर विशेष सफाई कार्यक्रम भी चलाया। क्षेत्र को स्वच्छ करने के बाद उन्होंने प्रतिमा पर माल्यार्पण कर गांधीजी के राष्ट्र निर्माण में योगदान और स्वच्छता के प्रति उनके दृढ़ संकल्प को याद किया।

हमारे कैडेट्स ने अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ और स्वस्थ बनाने के लिए अद्वितीय प्रतिबद्धता दिखाई है, 1 तेलंगाना ईएमई एनसीसी यूनिट के प्रशासनिक अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल मोहित शर्मा ने कहा। उनके प्रयास निश्चित रूप से दूसरों को भी स्वच्छता बनाए रखने की जिम्मेदारी लेने के लिए प्रेरित करेंगे।यह कार्यक्रम स्वच्छता ही सेवा अभियान का अंतिम चरण था, जो स्वच्छता महोत्सव 2025 के अंतर्गत 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक देशभर में चलाया गया। इस अभियान का उद्देश्य स्वच्छता की संस्कृति को बढ़ावा देना और देशभर में समुदायों को स्वच्छता प्रयासों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करना है। कार्यक्रम में पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, रवि मेहरा ,रामचंद्र, रघुनंदन यादव व अन्य को निमंत्रण देते हुए भाजपा नेता सपना गुप्ता।

मूसापेट में श्री संकट मोचन प्राचीन हनुमान मंदिर में आगामी 5 अक्टूबर को आयोजित मूर्ति प्रतिष्ठा एवं एक शाम गौमाता कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में पधारने हेतु तेलंगाना राज्य के मंत्री जी. विवेक, सांसद एम. रघुनंदन राव, सांसद कोण्डा विश्वेश्वर रेड्डी, कमलेश महाराज, डॉ. भगवंत राव, रमेश बंग, रवि हेडा, वाय. कृष्णा, प्राची जैन आदि को निमंत्रित करते हुए जसमत पटेल, रिद्धीश जागीरदार, तरूण महेता एवं अन्य ने औपचारिक निमंत्रण दिया।

नगरागमन पर राजस्थान जोधपुर के पुलिस अधीक्षक नारायणलाल टोगस का शमशाबाद एयरपोर्ट पर तेलंगाना जाट समाज एकता मंच द्वारा भव्य स्वागत किया गया। इस स्वागत समारोह में तेलंगाना जाट समाज एकता मंच तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष धर्माराम ढाका, गौतम चन्द्र पुनिया, कल्याण ढाडीया, कैलाश ढोगस, प्रकाश माली (सैनी) सहित अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

वन्य प्राणी कानून का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की मांग

हैदराबाद, 2 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। वन्य प्राणियों के संरक्षण के लिए कार्यरत संस्था सहयोग ऑर्गेनाइजेशन के मानद मंत्री महेश अग्रवाल ने आरोप लगाया है कि तेलंगाना में विजयादशमी के अवसर पर वन्यजीवन संरक्षण अधिनियम 1972 की खुलेआम धज्जियां उड़ाई गई हैं।

श्री अग्रवाल ने बताया कि पूर्व सांसद के. कविता तथा जी. किशन रेड्डी की पत्नी जी. काव्या रेड्डी ने विजयादशमी के मौके पर अपने साथियों के साथ मिलकर राज्य पक्षी नीलकंठ के साथ क्रूरता की। यह कार्यवाही वन्य प्राणी संरक्षण कानून का गंभीर उल्लंघन है।

इस संदर्भ में श्री अग्रवाल ने राज्य के पुलिस महानिदेशक, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) तथा भारतीय जीव-जंतु कल्याण बोर्ड को लिखित शिकायत दी है और दोनों आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

उन्होंने बताया कि अधिनियम के अंतर्गत – वन्य जीवों का शिकार, पकड़ना, मारना, फंदे में फंसाना या विष देना दंडनीय अपराध है।

धारा 51 के अनुसार, पहली बार दोषी पाए जाने पर न्यूनतम 3 महीने का कारावास और 25,000 तक का जुर्माना हो सकता है। महेश अग्रवाल ने कहा कि जहां राज्य का वन विभाग नीलकंठ पक्षी पर अत्याचार रोकने के लिए सैकड़ों अधिकारियों को विशेष दायित्व प्रदान कर रहा है, वहीं राज्य की कुछ प्रमुख हस्तियां ही खुलेआम कानून की अवहेलना कर रही हैं।

विप्र फाउंडेशन जोन 16 तेलंगाना द्वारा प्रतिभा सम्मान समारोह 26 को

हैदराबाद, 03 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। विप्र फाउंडेशन जोन 16 तेलंगाना द्वारा प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन रविवार 26 अक्टूबर 2025 को प्रातः 10:30 बजे से केएलएन प्रसाद ऑडिटोरियम, एफटीसीसीआई मार्ग, रेड हिल्स पर किया जाएगा। इस अवसर पर मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया जाएगा।समारोह की तैयारियों को लेकर आज पारीक भवन, भगवानगंज में अध्यक्ष हरीकिशन ओझा की अध्यक्षता में कार्यकारिणी बैठक आयोजित की गई। बैठक का शुभारंभ गायत्री वंदना से हुआ।

बैठक में जोन 16 के हैदराबाद चैप्टर की औपचारिक घोषणा की गई। इसमें पदाधिकारियों के रूप में -भरत चांडा - अध्यक्ष, प्रदीप खंडेलवाल - महामंत्री, अर्जुन थानवी - कोषाध्यक्ष, सुरेश व्यास पारिक एवं श्याम सारस्वत - उपाध्यक्ष और दिनेश शर्मा - सहमंत्री की घोषणा की गई। साथ ही, आनंद शर्मा को प्रतिभा सम्मान समारोह का प्रधान संयोजक बनाया गया।बैठक में दक्षिण भारत के महासचिव भगवान व्यास, राष्ट्रीय पदाधिकारी केशव शर्मा सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे। सभी ने 26 अक्टूबर के कार्यक्रम को भव्य स्तर पर आयोजित करने पर विचार-विमर्श किया।इस अवसर पर नवनिर्वाचित हैदराबाद चैप्टर के पदाधिकारियों का शाल ओढ़ाकर सम्मान किया गया। बैठक में राष्ट्रीय प्रतिनिधि, दक्षिण क्षेत्र महासचिव भगवान व्यास, केशव शर्मा, अध्यक्ष हरीकिशन ओझा, महासचिव रामदेव नागला, हैदराबाद चैप्टर अध्यक्ष भरत चांडा, महामंत्री प्रदीप खंडेलवाल, कोषाध्यक्ष अर्जुन थानवी, उपाध्यक्ष सुरेश व्यास पारिक, श्रीलाल पारिक, भवुतसिंह राजपुरोहित, हरीप्रसाद रिणवा, विजय कुमार व्यास, मुकेश साण्डिल्य और हरीशचंद बोहरा सहित अनेक विप्रबंधु उपस्थित रहे।कार्यकारिणी बैठक के समापन पर महासचिव रामदेव नागला ने सभी का आभार व्यक्त किया और अधिक से अधिक छात्रों को प्रतिभा सम्मान समारोह में जुड़ने की अपील की। साथ ही, पारीक भवन के पदाधिकारियों का भी धन्यवाद किया जिन्होंने कार्यक्रम की तैयारी और व्यवस्था में सहयोग प्रदान किया।

जीतो (जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन) के तत्वावधान में हाईटेक्स मेले में सेलेक्ट होम्स और एलीटी लाइट डिज़ाइन द्वारा लगाए गए स्टॉल का उद्घाटन जीतो के चेयरमैन रोहित कोठारी ने किया। इस अवसर पर उनके साथ जसमत पटेल, शशिकला कोठारी, संदीप कोठारी, कौशिक हरिया, विदीत अग्रवाल, हर्षीत गोलेच्छा, अनिल बरमेचा, वर्षा, एक्ता, चंदना और खुश्बु गोलेच्छा सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे।

अलाई बलाई का 20वां संस्करण भव्य रूप से मनाया गया

हैदराबाद, 3 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। वार्षिक सांस्कृतिक और सामाजिक समारोह अलाई बलाई का 20वां संस्करण शुक्रवार को यहां नामपल्ली के एग्जीबिशन ग्राउंड में भव्य तरीके से आयोजित किया गया।पूर्व हरियाणा राज्यपाल बंडारू दत्त-त्रेय की बेटी और अलाई बलाई फाउंडेशन की अध्यक्ष बंडारू विजयलक्ष्मी द्वारा आयोजित इस

*** राजनीति और सिनेमा के दिग्गज जुटे**
*** ऑपरेशन सिंदूर रहा विशेष आकर्षण**
*** राजनीतिक सीमाओं से परे एकता का प्रतीक**

कार्यक्रम में राष्ट्रीय नायकों को श्रद्धांजलि देते हुए तेलंगाना की सांस्कृतिक विविधता का प्रदर्शन किया गया।तेलंगाना की संस्कृति, परंपराओं और खान-पान की आदतों पर प्रकाश डालने वाले इस कार्यक्रम में कई राजनीतिक, फिल्मी और सामाजिक हस्तियों ने भाग लिया।

उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा, पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू, मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी, पूर्व राज्यपाल विद्यासागर राव, भारत के सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश एन.वी. रमना, भाजपा सांसद डॉ. के. लक्ष्मण, एमआरपीएस के संस्थापक मंदाकृष्णा मादिगा, टॉलीवुड स्टार नागार्जुन, दिग्गज हास्य अभिनेता ब्रह्मानंदम, टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़, सीपीआई नेता नारायण, सीपीआई के राज्य सचिव कुनानेनी संबाशिव राव, वरिष्ठ कांग्रेस नेता वी. हनुमंत राव और तेलंगाना जन समिति के प्रमुख प्रो. कोदंडराम शामिल थे।

दत्तात्रेय ने सभी मेहमानों का पारंपरिक स्कार्फ पहनाकर स्वागत किया।इस वर्ष का विशेष आकर्षण ऑपरेशन सिंदूर रहा। इस अवसर पर मेजर जनरल अजय मिश्रा को सम्मानित किया गया और उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि ऑपरेशन सिंदूर पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद का मुंहतोड़ जवाब था, जिसे 28 घंटों के भीतर पूरा किया गया। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के दृढ़ रुख पर जोर देते हुए कहा कि आतंकवाद पर कोई समझौता नहीं होता।इस कार्यक्रम में बोलते हुए, अभिनेता नागार्जुन ने अलाई बलाई की भावना की सराहना करते हुए कहा कि यह उल्लेखनीय है कि इस कार्यक्रम ने दो दशकों से राजनीतिक सीमाओं को पार करते हुए लोगों को एक साथ लाया है।

मंच पर उन्हें और दिग्गज हास्य अभिनेता ब्रह्मानंदम को सम्मानित किया गया। नागार्जुन ने दत्तात्रेय के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए इस सभा को प्यार फैलाने वाला कार्यक्रम बताया।

पूर्व उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने जाति, धर्म और समुदाय के आधार पर विभाजन के खिलाफ आगाह करते हुए एकता के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने टिप्पणी की, हम सब भाई और रिश्तेदार हैं। देश में एकता है; यहां नेपाल जैसी स्थिति नहीं है।मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने दत्तात्रेय के लंबे और स्वस्थ जीवन की कामना की, जबकि राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने कहा, एकता का प्रमाण अलाई बलाई है। आम आदमी की सेवा ही ईश्वर की सेवा के बराबर है।

जय श्री राम के नारों से गूंज उठा अत्तापुर

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अत्तापुर में दशहरा महोत्सव बड़े उल्लास के साथ मनाया गया। यहां रामबाग राम मंदिर प्रांगण में श्रीराम मंदिर दशहरा उत्सव समिति की ओर से रावण की स्थापना की गई। दशहरा उत्सव समिति के प्रभारी ठाकुर अर्जुन सिंह ने बताया कि यहां राम मंदिर प्रांगण में हर वर्ष साल में दो बार विजयदशमी के दिन बड़े ही विधि विधान से पूजा अर्चना के पश्चात रावण दहन किया जाता है। यहां आज विजयदशमी के दिन अतापुर क्षेत्र के हजारों लोगों के बीच भगवान रामचंद्र जी की पालकी की विधिवत पूजा अर्चना के पश्चात रावण दहन किया गया, जिसमें मौजूद दर्शकों के जय श्री राम के नारों से अतापुर की आभा गुंजायमान हो गई। इस मौके पर आयोजन कमेटी के प्रभारी ठाकुर अर्जुन सिंह का क्षेत्र की अनेक संस्थाओं के पदाधिकारियों द्वारा उनका भव्य रूप से स्वागत किया गया तथा दशहरा उत्सव के सफल आयोजन की बधाई दी तथा प्रभारी ठाकुर अर्जुन सिंह ने महोत्सव में उपस्थित सभी गणमान्य लोगों का स्वागत किया तथा आने का आभार व्यक्त किया।अत्तापुर के रामबाग राम मंदिर प्रांगण में श्रीराम मंदिर दशहरा उत्सव समिति द्वारा आयोजित इस महोत्सव ने पूरे क्षेत्र को भक्ति और उत्साह से भर दिया। प्रभारी ठाकुर अर्जुन सिंह के नेतृत्व में हर वर्ष दो बार विजयदशमी पर रावण की स्थापना और दहन की परंपरा निभाई जाती है, जो असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक है। आज के आयोजन में भगवान रामचंद्र जी की पालकी का विधिवत स्वागत और पूजा-अर्चना के बाद रावण का दहन किया गया, जो वैदिक मंत्रों और घंटियों की ध्वनि से गूंजा। हजारों भक्तों की उपस्थिति ने इस अनुष्ठान को और भी भव्य बना दिया, जहां पारंपरिक वेशभूषा में सजे कलाकारों ने रामलीला के दृश्यों का मंचन भी किया। रावण दहन के दौरान अत्तापुर क्षेत्र के हजारों लोगों ने एक स्वर में जय श्री राम के नारे लगाए, जिससे पूरा प्रांगण भक्ति रस से सराबोर हो गया। यह नारे न केवल उत्सव का मुख्य आकर्षण बने, बल्कि क्षेत्र की आध्यात्मिक ऊर्जा को दर्शाने वाले बने। दर्शकों में महिलाएं, बच्चे और युवा सभी शामिल थे, जो रामचंद्र जी की विजय पर अभूतपूर्व उत्साह व्यक्त कर रहे थे। ठाकुर अर्जुन सिंह ने इस वातावरण को देखते हुए कहा कि यह नारे असत्य के विनाश और धर्म की स्थापना का संदेश देते हैं। इस गुंजार ने न केवल स्थानीय निवासियों को प्रेरित किया, बल्कि आसपास के क्षेत्रों से आए श्रद्धालुओं को भी भावुक कर दिया, जो दशहरा की सच्ची भावना का प्रतिबिंब था।इस अवसर पर आयोजन कमेटी के प्रभारी ठाकुर अर्जुन सिंह का क्षेत्र की अनेक संस्थाओं के पदाधिकारियों द्वारा भव्य रूप से स्वागत किया गया, जिसमें माल्यार्पण, तिलक और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। उन्होंने दशहरा उत्सव के सफल आयोजन की बधाई दी और समिति की सराहना की। ठाकुर अर्जुन सिंह ने महोत्सव में उपस्थित सभी गणमान्य लोगों का हार्दिक स्वागत किया तथा आने का आभार व्यक्त किया, कहा कि यह सबके सहयोग से संभव हुआ। इस स्वागत ने उत्सव को और भी गरिमामय बना दिया, और समिति ने आगामी वर्षों में ऐसे आयोजनों को और भव्य बनाने का संकल्प लिया। यह महोत्सव अत्तापुर को सांस्कृतिक धरोहर के रूप में स्थापित करने का एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

बजरंग सेना तेलंगाना के अध्यक्ष एन. आर. लक्ष्मण राव, भाजपा हैदराबाद सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट आईटी इंचार्ज श्रीमती रजनी श्रीरामोजु के साथ बजरंग सेना ग्रेटर हैदराबाद के अध्यक्ष मनोज मोगलगिद्दी, बजरंग सेना तेलंगाना के उपाध्यक्ष राघव, बजरंग सेना हैदराबाद के युवा सचिव नरेश, बंडारू हरि, सुनील और संगठन के अन्य सदस्यों ने एग्जीबिशन ग्राउंड में आयोजित अलाई बलाई कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर, एन. आर. लक्ष्मण राव ने सम्मान और सद्भावना के प्रतीक के रूप मेंश्री बंडारू दत्तात्रेय को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया और एक गुलदस्ता भेंट किया।

तेलंगाना बिहार सहयोग समिति ने धूमधाम से मनाया 41वां दुर्गा पूजा महोत्सव

हैदराबाद, 03 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना बिहार सहयोग समिति द्वारा आयोजित 41वां दुर्गा पूजा महोत्सव धूमधाम और धार्मिक उल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन इंदिरा नेहरू नगर, मलकाजगिरी में समिति अध्यक्ष बिनय कुमार यादव की अध्यक्षता में किया गया।

समिति के महासचिव सागर भगत ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि हर साल की भांति इस वर्ष भी दुर्गा पूजा बड़े उत्सव और भक्ति भाव के साथ मनाया गया। पूजन का शुभारंभ 22 सितंबर को हुआ और 2 अक्टूबर को समापन हुआ।

इस महोत्सव में तेलंगाना, बिहार और उत्तर प्रदेश से जुड़े विभिन्न राज्यों के गणमान्य लोग व बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और माता रानी के दर्शन का लाभ उठाया।कार्यक्रम में बिहार महिला एसोसिएशन की अध्यक्ष अनीता भगत के नेतृत्व में बच्चों और बालिकाओं ने डांस, सांस्कृतिक झांकी प्रस्तुत की।

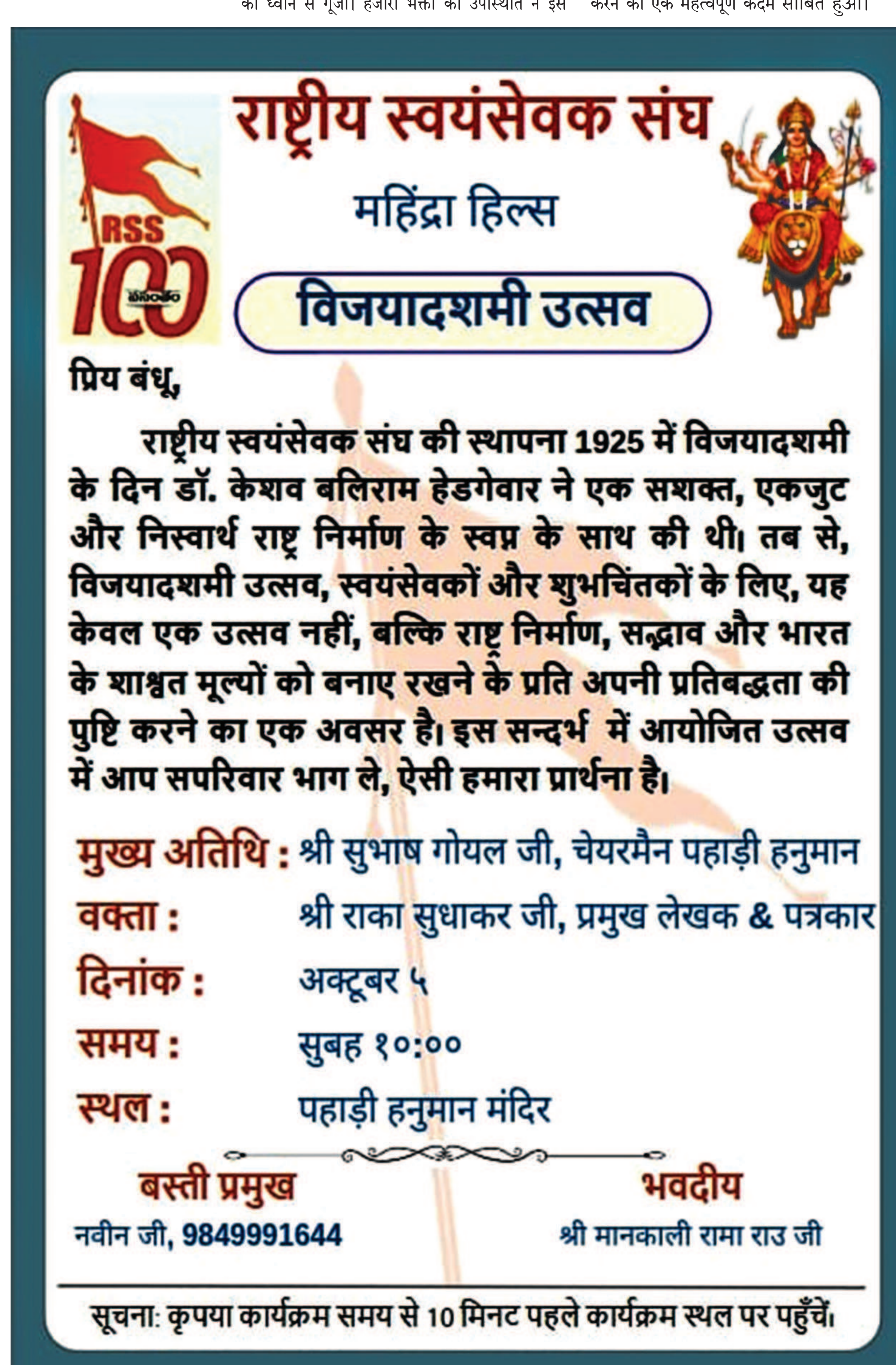

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.